कार्यकर्णाची ने इसके पालाकस में को बीधगणित स्मा है, वह कुछ सोच समझ करही रचा है।

कामा है, कि कप्पायक कीर निषाणी इसारी इस युग्यक को बाजारक समय कर कप्पापिणे कीर हुए। करके हमें यह नगा हैंगे कि इस में कीशमी पहिलाँ रह गई है। इसके जिल् इस उन के इनज होंगे कीर पूज्यक के हमो संस्कार को इस से कीर कपिक इस्पोणी कमा बर्पे।

-- À 11 K



Arc

Avia

Base

Breect

Bisector Boundary

Bracket

Capital

Centre

Brokerage

Co-efficient

Compound

Congruent ? Construction

Co-ordinates

Corresponding

Converse

Cube

Compound interest

Common

Arithmetic

Average

Axis of X

Axis of V

Bankruptev

11 स्राप श्रंक ग्राणित

चीतत. मध्यमान শ্বত मुजाप . कोड्या**च**

दिवाका

चाधार

क्रांस द्विभावक

सीमा

कोष्टरू

दलाखी

प्'ञी

Z+3

गश क

सार्व

first

रचना

विजोस

मगत

Tal

र्जिया**य**क

चअर्राद्वे स्याज, सूद दर सूद सर्जीतस्य े

डिसम विभाग करना, दो बरादर साग



IV

लेखा विक Graph Graphically क्षेत्राचित्र द्वारा वर्गीहित एव Graph Paper *** Hypotenuse Interest ब्यात, सुद L. C. M. स॰ स• Median माध्यिका Minus **अट र**ा विशिध, मकीयाँ Miscellaneous चपश्र य Multiple Multiplicand गुएथ Multiplier गुजु इ चल, चलामक Negative मूल विन्द्र Origin Parallel समानान्दर Parallelogram स तनान्तर चतुम् ज, चौशिक **Partial** Per cent प्रतिज्ञात

परिमिति Perimeter Perpendicular era. Plus घन বিদ্য Point Positive घन, घनाश्मक

> तरराज घन मृत धन

Presentworth

Principal (arith)



Reduce	सपु काना, वोटा करना
Remainder	रोपरुख
Rent	हिराया
Result	परियाम
Rhombus	सम चनुभु ब
Right	ठीक, दाहिना
Root	मुख
Rule (noun)	नियम, रीत
Rule of signs	चिन्ह नियम
Scale	स्केख
Side (of a figure)	सुत्रा
Side (of an equation)	44
Sign, like	समान चिन्ह
Sign. unlike	त्रियम चिन्ह
Size	विस्तार
Solid	বিভ
Solve	इस करना
Speed	দ্বাল
Speed, average	चौसत धाल
Square	वर्ग
Squared paper	वर्गीक्त पत्र
Square root	वर्गमूल
Subtract	घटाना
Subtraction	बाकी, व्यवक्सन
Surface	पूष्ड, तुझ
Table	सारिया

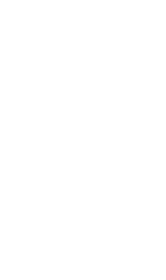


(৩)

(८)

(९)

		X				
	८ द्वाम	=	। ची	PI .		
	12 श्रीम	E	1 वीव	T .		
`	हास्टरी	माप (र	मों के ि	लेये)		
′	60 मिनिम	=	J Šĺ±			
	8 द्याम	=	1 %	ोम		
	20 चीस	=	1 पाइ	ग्र		
)	लम्या	ई के पै	माने			
•	15 44	=	i g			
	3 gz		1 47			
	८३ ग ज	=	1 पो			
	40 पोल	£	1 47			
17	760 गम≕= फल	η =	1 र्म			
_	3 माल		1 ક્લી			
	(22 गत	6		(रिष)		
🔪 🐪 धरातल के पैमाने						
•	144 वर्ग इंच			१ वर्ग पुर		
	9 वर्ग पुट		=	1 यर्ग गन		
	30 ∤ धर्ग गज			1 वर्ग पोल		
	40 वर्ग पोल		-	1 84		
	4810 वर्ग गण	y ₹₹	æ	1 04.4		
	(i-11) ए% इ		=	1 वर्ग मोल		
	(10 वर्ग अ	रिय	-	1 एक इट)		



The Four Fundamental operations, Easy Factors of the types .-

> (1) k'a+b+c)=ak+bk+ck(ii) $(a+b)^2 = a^2 + 2ab + b^2$

(III) a2-b2 = (a+b) a-b) . Simple equations involving one or two variables; and

easy quadratic equations of one variable which can be solved by factors, Graphs of statistics

Candidates will be provided with graph paper, if necessary N. B .- The teachers while using the text-books in Mathematics should keep in mind that the international numerals should be used, and geometrical figures should be named with Roman letters.



साम लो कि अवसीनारायण की सम्पत्ति = 2 रुपये, तो,

x + 2x = 6774 हक्के

भवांत् 3x = 6774 रूपवे

मा ४≈225५ क्यये

भीर 2 x = 4516 राये।

हुन दोनों कियाओं में घन्तर तो कुछ नहीं है, परन्तु दूसरी किया बदको जिला से कोटी भवरप है !

नाइ स्था कि गणित की दिवाओं में कचरों का मान निर्पारित नहीं होता। यह दमारी इच्छा दें कि उनका जो मान दम चार्टे विकास कर सें।

Â4 x+y=z

सब इसमें उ बोर पु का भी मान दम वाहें निरंतन करें, परन्तु बद सावश्यक है कि बनका योगफत उ के मरावर हो, क्योंकि 'उ' 4'4'4'कीर 'उ' के बीच में बरावर का विश्व जिला हुया है।

नियम----वार्ट क्यो प्रश्न में किया मंग्या का किया प्रश्न द्वारा प्रका करें, मां इस प्रश्न की मारी किया में उस प्रका संदर्भी मंग्या के अपने की, इस प्रवाद का कोई धीर साम स्माना मारी

विन्द्र और परिनायांचे

(१) जन, जान, तुला भीन आग भांत्र के तो चिन्द्र घंदों क काल उत्तरित में चात है, यहां चलते के मान भी जान मा चाते है, चीर इक्का वर्षों भी वही दोता है। वरातु इस ध्वाय वार्ते हेन्नी है किन्द्रा विचार इस चाता घर बता स्वत्यक है। के कार्त वह है.... (६) यदि किसी सामि से पहले यन का विषट हो को उसे भूनात्मक साम कहने हैं भीत यदि उससे पहले बाय का विषट हो तो उसे असुसाहसकु सामि कहने हैं।

धादि में पन का पिन्द साधारणनः नदी जिल्ला जाना चीर इस सरवामा में भी उस राशि वो पनासक बहुन है।

शैरे x-y + : में x चौर: धनामर राशियों कहस्रायेंगी चौर श बालामक शशि ।

- (१) जिन्द का शब्द बहुधा केवल धन समया काय के जिन्हों के लिये की प्रयोग में साला है।
- (४) जब दो शहरों का गुणनपत्न प्रकट करना हो तो उनके बीच में साधारणतः गुणा का धिन्ह नहीं लिया जाता।

सामाराचतः शुधा का पन्ह भट्टा स्थम आता । जैसे xy का कौर abc का वही भामप्राय है जो $a \times b \times c$ का ।

भौकों में यह बीति काम नहीं दे सकता । इस 3×2 को 32नहीं जिल्ल सकते, क्योंकि $3 \times 2 = 6$ भीर 32 = 30 + 2

(१) खब बुद्ध सप्तों वाली राशियों भन तथा श्राय विन्हों द्वारा सापस में सम्बन्धित हों, तो ऐसी राशियों के समृह को ट्यंजुक् करते हैं।

जैसे 3x-8y-4 एक स्पंत्रक कहलायेगा ।

- (६) व्यंत्रक को इर राशि को क्षित्रसे पहले धन भ्रथवा भ्रष्टण का चिन्द को पृद्व कहते हैं।
- (०) घन या श्राय पिन्ह व्यंत्रक के पदों का भाग होते हैं। इन पिन्हों को पदों से चल्रग नहीं कर सकते। जैसे अपर के उदाहरण में -- Sy एक पद है, इसे केवल Sy महीं कह सकते, भीर पदि कहें तो इसका वर्ष + Sy हो आपगा।

v

कन्पित मान द्वारा श्रक्षारों का संख्यात्मक मान प्रतीत करना

(१) वर्ति हिमी चक्र को हिमी औड से गुणा करना हो तो वर्ष र्चंद्र सरा धपर से यहचे जिला जायगा।

सेमे 💯 का सभियाय है ए 🗴 दे वर्षात् ए का हुगुना । क्यो ब्रह्मा पेट का चिभिन्नाय है द का चीगना ।

च क शीर बचा के बीच में गुणन का चिन्ह नहीं जिला जाता है

(२) ३८ वा उँड मादि ऐया राशियों है जिल्हा मुक्त इम इस समय नह नहीं बना सकते जब तक हम को यह न बना ही

कि ८ दिया संस्था के बराक्त है। वर्षि इ. का कानियाय किसी बटरे के दलयों से हो, सी इस

बानम्या में भी 🕸 एक चार्तिश्वन राशि है। हो, बहि मह वना हो कि बरने में 20 करने हैं, तो ब्वच्ट है कि 22 =

2×20 कावे चीर इस चक्या में 2x वह निश्चित रागि सम गरे ।

##: 2c = 40; 4f7 x = 20 चौर 2x = 30; वरि x = 15

(३) तुस कानपे ही कि 5+7+9 चीर 9+7+5 के सान में बुच चन्तर मही है। इसी बढ़ार 2+4+2 सीर 2+4+2 के बाम में भी कोई धामर मही होता । में देन में हम कह सकी

है कि क्यारी का बादे कियी क्रम सं दियो, इस से उनके मान में कोई हम्बर भी होता ह

(1) 2-14. की र-पूर में का कमा है उसे करून समय ** ***

 $x \div y \times z$ का चर्ष यह है कि x को y पर भाग देना है चौर जो भजनफल हो उसे z से गुणा करना है।

 $x \div y$ ः का द्यर्थ यह है कि x को y छोर z के गुणनफल पर भाग देना है ।

भतः जय दो श्रवरों के बीच से गुलन का चिह्न निकाल दिया जाय तो उनका गुलनफल एक धकेलो राशि मानी जाती है।

> कैसे पदि x = 16, y = 2, z = 4सो $x \div y \times z = 16 \div 2 \times 4 = \frac{1}{2} \times 4$ = 32

चौर $x \div yz = 16 \div (2 \times 4) = \frac{1.6}{8}$ = 2.

=2.

(४) यदि कुछ राशियों के बीच में धन, ऋल, गुणा धीर भाग के चिन्ह मिले जुले हों, तो पहले उन राशियों की किया करनी चाहिये जिनके बीच में गुणा धीर भाग के चिन्ह हों, धीर फिर उन राशियों की जिनके बीच में धन धीर ऋल के चिन्ह हों।

कैसे $x \times y - z \rightarrow x \times l + m \times n$ की किया इस प्रकार करों कि पहले $x \times y$ फिर $z \rightarrow x \times l$ फिर $m \times n$ का मान प्रतीत करों। को राशियां इस प्रकार प्राप्त हों उनका योगफल चौर प्रवक्तन फल निकाल लों।

(६) यदि किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा किया जाय हो गुणनफल को उस संस्था की दूसरी शक्ति या घात कहते हैं।

जैसे 2×2 कार्यात् 4 को 2 कां दूसरी शक्ति या वर्ग कहते हैं और इसे इस मकार जिसते हैं 2° , इसी प्रकार x° का समित्राय x की इसरी शक्ति या वर्ग हैं।

इसी प्रकार यदि किसी संख्या या श्रधर को उसी संख्या या ककर से दो बार गुवा किया जाय तो गुवानकत को उस संक्या या

भएर की जिक्सांक या धन कहते हैं। जैसे 43 /3 I

उदाहरस्य (१) यदि a=1, b=2, c=3, d=4, a5a + 3c - 3b - 21 as now units with

50 = 5 × 1 = 5

 $3c \approx 3 \times 3 \approx 9$

3b = 3 × 2 = 6

2d=4×2=8

va: 5 : +3: -35 - 24 = 5 +9-6->

= 0 3 TTE

खदाहरण (२) यदि n = 8, b = 3, c = 2, तो

7a-6b+4c का मुख्य प्रतीत करो

 $7a = 7 \times 8 = 50$

 $6b = 6 \times 5 = 30$.

 $4c = 4 \times 2 = 8$.

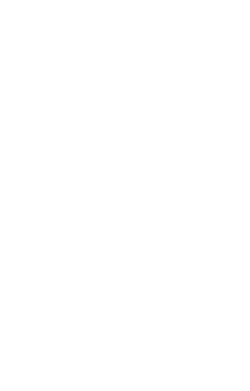
was 7a - 6b + 4c = 56 - 30 + 8⇒31 3त्तर

बहाहरण (३) a = 4, b = 8, c = 12, d = 7 तो 8a--3b×7c--2d का मक्य दवामी

 $8a \div 3b = \frac{8 \times 4}{3 \times 3} = \frac{4}{3}$

\$ ×7c = \$ ×7×12 = 4×7×4 = 112

112÷2d = 112÷(2×7)



```
(1x) 6a-[36-[2c-(d+k)]]
```

(181 65-2[35-2[2 c-3/ d+k]]]

(10) 3ad-{cd+(ab-6d-ac)}

(1a) 2d-(a+b) 4c-(a+d) + 8b+(c-a)

(11) $\frac{d-\epsilon}{a+(r-b)}$ $\frac{c-a}{d-(r-a)}$ $+\frac{b+c}{c-(b-a)}$

100 11-6-a+ 10-16+a) - 7ad

(91) मिद को कि (d+b-c) (d-b+c)

-d'-(b-c)*

(11) fire ail fo (c+b+a) (c-b-a) -c'- (b+a)*

(११) विद्य करो कि (c-6+a) (c-6-a)

-(c-b)*-a* (रण) मित्र करों कि (cd2 - c4d) =(bc2 + b7e)

राशियों को जोडना, घटाना और कोस्टक

वरिमाराँ :---क्ष पर बाज ब्लंडक को एकपदी ब्लंडक करते हैं।

को पत्नों काले वर्ष है के दिपती व्यंत्रक सहते हैं ह

भीन वर्गे कार्क की जिपती और भीन से सरिक वर्गे बाने की

बहारी शंदक करते है।

लुक्कुरुमाल क्°−ीर यहपूर्व काईस है। को-त्व द्विपत्त क्षेत्रव है. व ६ १८ भवती की र १०३

Leye agrest edam & : श्रीपानन्तर्गत्। विश्व शतिका के गुन्तर करने ये गुन्तरक अस राजिको स स दर यह राजि को गुगामस्थ को गुगानागर

424 E .



ममान चिन्हों वाले सजातीय पदों का जोड

नियम (१) जब सजातीय पदों के विन्दू समान हों तो पहले समान विन्दू की जिल्लो, फिर क्षत्र पदों के संस्थापम गुवाकों का जीव जिल्लो भीर इस जोक क प्रांत पदों के सार्थ पदार जिल्ल दो, सर्योग ने सपर जिल्ला दो जो प्रशंक पद में विद्याना हैं।

नोट थदि कियो पद के पहले का पिन्ड न हो, तो उसे धनायक सानना चाइये। धन पद कथ कियो व्यक्त के कारम्भ में का काय हो साधारणतः + का चिन्ह नहीं क्रिया जाता।

पुदाहरण (१) 5व, ३१, ४व, व की जोसी।

यहां संस्थापक गुणक 5+3+4+1 धौर समान चिन्ह + है। े योगकल=13a

सदाहर्य (२) जोहोः—

-0x*y*-4x*y* 5x*y*-7x*y* क्योंकि 9 + 4 + 5 + 7=25 और समान चिन्ह '-' है।

∴इष्ट योगफल= - 25±79° उदाहरण (३) योगफल बनायोः—

\$= 10 to \$0. ta-10

ja-19

10 10 1+1+2-12 12-16 [1+1+2-13]

124-806

यहां हमने ब्यंत्रकों को इस प्रकार पंक्रियों में जिला है कि स्त्रानोत्त यह पढ़ हो लगी पंक्रियें हैं। इसक परकार हमने प्रयोक्त कही पंक्रिक परों का आप किया और कहें और में योग की किया रूपमा की

्रियम चिन्हों वाले सजातीय पढ़ों की योग देना जिल्ला को जब यह सजानाय हो चीर विश्व किया हो, वो घरापक गुएकों को एक साथ दोव न्सी चीर करणपर गुएकों की एक मान, दिर बड़ी मेरचा में में होटा मेरचा बटा दी चीर की कन्तर भाष्त हो उसके पहले वही मेल्या का चिन्ह जिस हो। मेल्या है दाहिनो कोर वे कक्स लिख दो जो क्राचेक पद में विद्यमान है।

न्दाहरस्य (४) ओरोप He. -१६, एव- ६६, -४५, -०

घनामक गुएको का और = 10

बरामक गरको वा और = 22

इनका बन्तर = 3, बीर दर्श मंदया का चिन्ह बारायक है।

.. VF=-3:

विद्यातीय पत्रों का योग

नियम (३) वर पर विवासीय हों हो पहले सवार्टिय परी की (यदि कोर्ट हो सो: इनहा करो, दिर दिली। भी बल में। पहीं को उनके रिन्तें महित हिम हो।

कारिए (४) जेती—

24-25-70.24-75-10 127772-10-110.

teri-

Ta+50+70+70+70 - 50 + 70 + 50 + 11 e

- Ita-211-27e. उन्ह

हाहरू (१) दीव ही:--

المعارد سرعار العاسر والاستهمارات وودار الماس والمعارض بهرسان عاماته

422- 12-54

441-211-4

642 - 7:14 - 4:4

केंद्र को इस्ते करें के सम्बद्ध

- - The .

12

प्रस्तावली २ विक्राविक स्टब्स्टॉ का स्टोप्टल विकासी:---

- (1) a+b-c, -5a+b+4c, 3a-2b+3c; 2a+2b-3c
- (3) $7x^3 + 5y^2 + z^3$, $2x^3 3y^3 + 3z^3$, $-4x^2 3y^3 + 2z^3$, $5y^3 6z^3$. (3) 6l - 3a + 2c, 2a - 3l + c, 5c - 2l - 3a - a - l - c
- (c) 2lm 3xy + 2p, 4xy 3p + 5lm; -3xy + 2p 4lm, 3lm + 2xy p
- (a) ab-bc+cd, bc-cd+ab, cd-ab-bc, ab-cd+bc.
- (1) 7+2x-3y+z, 5y-5+7z-3z, -8z-3y-12+2x, x+
- y+z-3(1) -a-c-b-d, 3a-d-2c, 2b+3d+c, 5a-2b+3c-2d
- (s) 12p 3q + 1pq; -pq 3p + 2q, -6p + pq + 2q.
- p-3pq+2q
- (i) $5l^3 3m^3 2n^3$, $2l^3 + 2m^3 n^3$, $-3l^3 2m^3 5n^3$, $4l^3 + m^3 + n^3$, $5l^3 l^3 m^3$
- (t*) a^2+ab+2 , $3a^2-7ab-2$, $-2a^2-ab-3$, $3a^2+2ab$
- +1, $41^{9}-7+16$ (*7) $a^{9}+31^{9}+1$, $31^{9}-2a-7$, $2a^{9}-3a+5$, $2a^{9}-2a^{9}$
- $+a+1; \ a^{1}+2a^{2}+3, \ 1-a^{2}$ $+3a^{2}-3a^{2}b+ab^{2}-b^{3}, \ -2x^{2}-3ab^{2}-2b^{3}, \ 5a^{2}b-3b^{2}-2b^{3}, \ 5a^{2}b-3b^{2}-2b^{3}, \ 5a^{2}b-3b^{2}-2b^{3}, \ 5a^{2}b-3b^{2}-2b^{3}, \ 5a^{2}b-3b^{2}-2b^{3}$
- $a^{j} = b^{2}$, $a^{2} = 3a^{2}b + 5b^{2}$. $(2) 2p^{2} = 3pq + 5q^{2}$, $3q^{2} = 5p^{2} + pq$, $2pq + 3p^{2} = 3q^{2}$.
- $5q^2+3p^3-3pq$ (2y) $5x^2y-2xy^2-2y^3$, $2x^2-3y^2+7xy^3-2y^3-3xy^4-7x^2y; <math>-x^2$
- -y¹-3s⁴y. (*t) 1+a-a⁵+a⁵-1+s+a³-a⁴-1+a³ a⁵ a,a⁷+1-a⁵
 - -a--a



घटाच्योः—

(10) 6a-b+c-3d # # 3a+b-e-d mi

(22) 6x-3y-4z+7 # 6x+2y-3z+9 #1

(13) fat - 7ab-12 if it-3ab+2

(13) 3r-4r3 + 7r3-9 7 A 8-9 r-8 r3-5 r3 (1x) 5a3-9a1+3 ## 4a3-6a-3

(11) ab-be-rd-ad # # -ab+be-3cd

(25) a1-1 - 2a4-3a+5a1 # # 3a3-4a4+614-1

(1m) 6x4+36+8x4-9 x # # 3x3-7+8x4-3 x (1c) -x2+4zy - 4y2 + y2-z2 1 2 x2+4zy-2y2+vz-

4 z3 # # 1

(25) a1+b2 # 22 a2+2ab + b2 witz a2-2ab + b2 * witness

को घटाचो। (२०) = + नप्र सीर नप्र+प्र के योगफल को = + नप्र+प्र सीर

≠*-xy+y1 के योगस्त्र में से घटाधी। कोप्सक

बाज-गणित में कोष्ठकों से बहुत काम लिया जाता है सौर वे बहत उपयोगी होने हैं।

,) } }, {], इन जिन्हों को कोल्डक करने हैं। कोल्डकों

के भीतर के स्पंत्रक या पद को पुरु राशि माना जाता है।

() सपुकोळक, । । धनुकोळक, धीर [] गुरुकोडक। कमो-कमी किमी ब्यंतक की भिन्त-भिन्त राशियों की एक राशि बनाने के लिए कोप्टक के स्थान में उन पदों के ऊपर एक सम्बोदिया सीड देते हैं। इसे 'रेमा कोप्टक' कहते हैं।

उदाहरकात :+ b+c में ब्यक्क ५-८ कोस्टक में है।

बीज गलिव

2.

को छक सोलने के नियम

प्तों है विन्हों ने होरे परिवर्तन हिसे दिना कोंहर स्रोता वा सकता \$ 1

दुसरा नियमः— इद कोटक के पहले - का दिन्त हो तो कोटक सोलने की निधि

पह है कि को इक के भीतर के सब जिन्हों को पहल दिया जाय, की क्रीएक स्रोह दिया जाय।

नोट:---पहिएक संघिष्ट की हहीं का प्रयोग किया गया ही हो यह राति लामदायक होती हि सबसे पहले बन्दर बाले कोहरों को सोला द्वाप । च्चाहरू (१) (12-5)-(8-4) -12-3-5+1=12+1-3-5 -16-11-5

इस्ट्रिंट्र (2) का-िंग-शिंद-(१६-क्ष्यां) -3:-12:-1:0-1:+2:11

=3:-[2:-7:+3:-2: =8:-2:-7:-8:+2: وتاج وتاستانات

मीट-(1) दरि बही रेमान्डीहरू हो को बहने दहते दने सीता

(२) ब्रोडक तोलने हे परवार एवट हो न करने बर्ग में दिसे TEET 1. 5-12m-12-4-

=5l-[2m-(3n-4l-3m+4n+l]]=5l-[2m-3n+4l+3m-4n-l]=5l-2m+3n-4l-3m+4n+1=5l-4l+l-2m-3m+3n+4n=21-5m+7n agra

प्रदत्तावली ध्र

सरल करोः—

- (1) 4p+(-3q-5p) (R) (4a-5b)+(-2a+4b)
- (1) (6p-2q)+(3q-4p)
- (v) 4p-(-3q+5p) (*)(3a-4b)-(+2a+5b)
- (5)(l-5m+2n)-(-3n+4m-5l)
- (*) -2-[-3-1-4-(-5-6)]
- $\cdot (a) -a-1-2b-1-2a-1-a-4b(b)$
 - (1) -a-(-b-(-a-b-c))
- (10) p+12q+3-5p-(-q+7)+5
- (11) $2p-(-3+\overline{p-2q}-5)-7$
- (17) 2 (a 3 (a 4a 5))(33)59-[3x+12y-(4y-z)-5zi]
- (3x) 2x [3y (9x 10y 4x)]
- 111 14- 35- ma- 1-14
- 1351 15- " '-"
- . 1 -2z -4y / K 115 -r- - w
 - 10 2 -- 1

11v 1.a

FIE-(1)-1x-1--1

मीत-(0) बोज मालिस में सुरूप का किए बहुका दीव दिया \$2 (2- (-2) 47 E () -2-(X (-2))

् सक्टा कि गुयान करने समय ८ का धातांक b के बातांक में ओ इ दिया आथ ।

दिया आर्थ। नोट—(२) यहाँ हम यह मान क्षेत्रे हैं कि जब m ग्रीर n

मिन्नामक या ऋजामह हों तो मो घातांह नियम मेंग नहीं होता। उदाहरस (१) 2व¹×3व³=2×3×व²×व³

=6×a⁵

=6a³ 3त्तर चदाहरण (रं) 3x³y×4xy³=3×4×x³×xxy³×y

=12x³⁺¹ Xy³⁺¹ =12x³ Xy³ =12x³ X=17

= 12279* उत्तर उदाहरण (३) 4252*×5252×5252 = 455.2.2.2.3 y 3.3 2.2.2

एकपदी व्यंजकों का गुणन उपर जो उदाहरण हिये गये हैं उन से पुरुपदी स्वंजकों का गुणक

उपर जा उराहरण १२४ गय ६ उम स पुरुपहा ग्याहा का गुयन-क्य निकासने की यह रीति प्राप्त हुई---(१) संक्यात्मक गुणकों का भाषस में गुणन करके जो गणनरूज प्राप्त

(1) संक्यात्मक गुणका का भाषस म गुणत करके को गुजनस्त्र प्राप हो, जिल्लाको।

(श) हसके परचात मिन्स मिन्स स्थेतकों में को सक्तर हों उस में से कोई सा पढ़ सक्तर दिल्ल को। भीर सारे प्लंबकों में उस सक्तर के बो बो सातक हों उन सब को भीड़ कर उस करने का सातक दिल हो। कि दूसरे गीमी साहित सब सकती के साप (६) यदि बहलायाक प्रपदी स्थंजकों की संस्था विषम हो, सी गुलनफल से पहले प्राण चिन्ह लिख दो सन्यथा धन चिन्ह जिएते । उदाहर्मा (१) +3a2bc,-4ab2c, 5abc2 का गुणनफल प्रतीत

करो ।

 $3 \times 4 \times 5 = 60$

at. a. a = a4 b. L1. b=16

C. C. C1=C1

वेयल एक स्थंतक के पहले बरण चिन्ह है.

ं. गुणनपल=-60 a b त उत्तर

उदाहरस्स (२) x²,−7xy,−12y²,−3xy,−4x² घीर 5y² हा गुणन करो।

गणनफल=(1) (-7) (-12) (-3) (-4) (+5) x*. x. x. x1. y. y1. y. y1.

=5040 x v 38T 1

इस उदाहरण में घरण चिन्ह चार बार धाया है धीर 4. सव संख्या है, इस जिए गुणनफल के पहले धन चिन्द होगा, जो छोड़ दिया गया है।

प्रश्नावली ५

गुणा करोः-(१) 20 को 3 से ।

(B) -2a की 4 में 1

(४) = १ व की मध्ये ।

1 51 3 5 8 1 4 / PH 1

(E) - 5) **को** 3) से 1

ान को उन्हों है। () - tab को -ab से 1

(२) 3व की 3 से 1

ा-'∞ को १६ से।

(राइट°को 2∞से।

(१६) -p' 9 को -pq' से । (१६) -3p' 9 को 2 pq' से (१६) वफर को वर्ध र से । (१६) वफर को वर्ध र से । (१०)]व को |ठ से । किसी संस्रात ब्यंत्रक का एकपड़ी ब्यंत्रक से ग्राम करना ।

अब दिनी संयुक्त स्वांत्रक को एकरही स्वंत्रक से गुणा किया जाता है, तो संयुक्त स्वंत्रक के यह एक यह को एकरही स्वंत्रक से गुणा दिया जाता है, कांत्रिक गुणानकों के पहले जांचत विवह (+ या—) स्वाग कर जन सब को योग देने से गुणानकत प्राप्त हो आता है।

कर उन सब का पांच च च युवचकत भावा है। जाता नोट — a — b) m = am — bm, इसमें यदि b = a, वो गुवचकत (a - a) m = am = am = e होगा !

श्रतः यदि किसी राशि को शत्य से गुणन किया जाय तो-गुणनफल शत्य दोता है।

स्ताहरस्य (१) a°+८° का a5 से गुसन करो। (a°+6°) a6 ∞ a° (a6) +6° (a6) ∞ a°6+a6° उत्तर

=a*0+a0' उत्तर सदाहरण (२) a*b=3ab* का (-2a*b*) से शुणन करो । (a*b=3ab*) (-2 a*b*)

=a*b (-2a*b*)+3ab* (-2a*b*) =-2a*b*+*a*b* 3717 ==124b*+*a*b* 3717 ==121211 (3) 4a*-8a*b*+8a*b*-61b*+4b* \$\frac{1}{2}\$ \$\frac{1}{2}\$ \$\frac{1}{2}\$\$

स्तहरण (३) 40*-80° +80° -80° +40° की 1 से गुला करो।

्र_{भ'6°} उत्तर

प्रसावटी ६

छल हरो :_ (1) 四十二十二次 新多角 ;

(2) 25-33-25 数-4号1

はないしての前に 南」

(8) 703-25-3 第一公寺 1

(8) Cat-421-52-5 #2 721#1

(e) at - force et es et !

(a) 24-25-40 6-20 81

الإد) ماستدسيد مدسية و

(11) Sept-200-20 # 51 #1

(25) 1-3 2-25-28 5-25 51

(18) 2-1-2-1-C # 2-1 # 1

(\$\$) 201-201-11 87-21 41

(१६) ह्यान्य स्वत्ने स्वत्यं हो । अवस्य हो। निम्हितिक का संतम्म दुर्गच्द प्रवीद क्रोः... (ta) e-1, c, t & 1

(12) 61-22 1 2 57 7 57 1

(الله عند المنظمة الم

निर्दे बार्क है निर्दे बांक्ष है

ing contract of the

हरों और जो जो फल प्राप्त हों उनके पहले उचित विन्ह (+या-) क्षमा कर सब की जोड़ जो, ठो पूरा गुक्तनपत्न प्राप्त हो जायगा।

उड़ाहरण (1) 32º-42y को 22º+33º से गुणा करो। गुरानक्त = (3x1-4xy) (2x1+3y1)

=3x1. 2x2+3x1. 3y1-4xy . 2x1-4xy 3y1 =6x4+9x3x2-8x3x-12xx3

उत्तर उदाहरस (२) ढ़"+६" को ढ़"-६" से गुला करी।

गुण नेपास = $(a^1+b^2)(a^3-b^3)=a^3a^3-a^3b^3+b^4a^3-b^3b^4$

-a⁴-b⁴ सत्तर गुरान की जिया हम प्रकार भी जिल्ली का सकती है:--

इसी विधि द्वारा ऐसे स्यंजकों का भी गुजन किया का सकता है

क्रियमें दो से स्थित पर हो। नग्र सानने हो दि. (4+6+c) m=am+6m+cm

सर यदि m=#+ y, हो

(a+b+c)(x+y)=a(x+y)+b(x+y)+c(x+y)-0x+ay+t2+by+cz+cy

देखो इस उदाहरण में पहले स्थंबद दशयेक पह को दूसरे

स्वेजक के प्रत्येक पर स गया किया गया है

सीर सब दांग्रह गलनाच हा और कर कान' स्वतकों का

स्टलस्य प्राप्त हुछ। ट

LES CALL

lead the frequency of the following the (a-facto-f-s) mas-as-as-as-is-is-is-as---

ल्य्या गुरूत

बहुत्य बर्दक्कों का मानक काले की हिन्द अमेरी के उत्तकत

क्षणाम बरते हैं। यहाँ क्यूंटकी की दिल्ली तेल याका व सामी कारों है कहा हा केकीट क्षण ही बाटन होटन चननिष् होते होंगी बरेटटट

रहाराक (१) या-ए-१० १०० - ए १० में सुरक हरे। रोगे बरंदको को रहे कामी है कर्यान कर है हम प्रया

Charley & Barrie Lecentral Same

ELE MENTER AND ela green arizo nera The state of the s

" Free

Lu shakis was

The state of the contract of the few for the es have the fact to be too to be en en a volume a en ven de la companya de la compan and the same of th treve to the first contract the contract

से गणा करके दूसरी पंक्ति के नीचे इस प्रकार जिला कि संजावीय पर एक दूमरे के ठीक नीचे हों।

उदाहरण (४) 3x-2x+4-x का 2+x-x से गणन करी दोनों ब्यंत्रकों को 2 के घातों के बारोह हम में सजापा-

 $4+3x-2x^3-x^3$

2-x+x³
2 से गुण्य=8+0x-4x²-2x³

-- हो शुष्तन= -4x-3x³+2x³+x*

 $+x^{2}$ it non- $+4x^{2}+3x^{3}-2x^{4}-x^{5}$ $+2x^{2}+3x^{3}-2x^{4}-x^{5}$ $+2x^{2}+3x^{3}-2x^{4}-x^{5}$

प्रदत्तावली ५

गुणा करो :---

12: 1+a+a* को 1-a से 1 (2) 1-a+a2 को 1+a से 1

(3) a*+ab+b* की a+b से !

(e) a*-ab+&* की a−& से 1

(4) a*+a* b*+b* € a*-b* ft 1

(5) a4-a2 b2+6° €ì a4+62 से 1

(a) 7a²-12ab+96² 東 3a²-41² 南 1 (c) { x2 + xy - 192 की 1x - 19 41

(4) 6x2+3xy+4y2 81 2x2+1xy - 3y2 41

ira Ted delig eye aya #1 1 1 deunig #1

12 2" - 2y - 92 W 22 21-9 4)

. ب ي ع 14 غوير <u>- مي</u> د ي ي . . .

4(4) =4-==4-==4-=4-=4 =£ 2=-4+ £ 1

रायनकत प्रतीत करो:-

(भा से-देश-देश-) चौर (-क्षेत्र-से का ।

ः ३०-६४-। की 1-४४-३० का ।

ाः चे-धे-ने-श-ल-४ देवे :-:-: द्वा **।**

त्रा बंद्धाना नामा नामा बेरे हना ना हा ।

भाग

(१) सर हे दिन्ह सम्बन्धी नियम

-2(1-3)=-2(1-3)=-3(1

-1 -1 =-1 -2 -2 -1

(-2 | -2 = -2 | , -2 - - -2 = -3

दा में बहा है.

🕳 तिम्रों ने बराजब दिन् स्तरू होता है, बीट तिक दिन्हों

से बरायक दिन ।

(३) सर्र में प्रतंत्र तिपन

ವೆ-ವೆ=ಎಎ. ಎ. - - a a

इंड्यू क्रिया =2, : :-:-:

≋ಷ್**ತ್**ಡಿವಾ ಶಿವಾ ∖ = :, : - : : - .

= ===

x3+x3=x x x, x x-(x, x) = x x x, x x-x-x

-5. 5. 2-21-21-1

इसी बहार.

x1-x1-x1 2"-2"m 2" "

द्यतः यदि एक ही शारित के दी बालों की एक दसरे से भाग दिया साय. सी भवनका का चान भाग्य कीर भावक के बार्ग के कावर के बराबर सोला है।

(३) मिद्ध करो कि ±°=1

x"-x"-1

TTM 2"+ 2" = 2"-" = 2" ∴ z*=1

(४) यदि हुनें ४×७ को ७ से भाग देना हो, तो भाग की परिभाषा के खनमार.

x×y-y== ं बदि x x y को y में भाग दिया जाय ती भजनकत x

बीवा है।

इससे यह प्रतीत हुना कि यदि भाजक, भाग्य का एक गुणक ही ती साम्य में में बहु गहारू कार कर दक्षित बिन्द सता देने से अजनरूस ब्राप्त ही अवेगा।

पुटाहरण (१) ⁵ब की 5 में भाग करे। : वलाच है कि अवनक्षा 🗗 होगा ।

उदाहरमा (२०५४) को अस आय करा ।

E CA are Er

45771

```
बीज गणित
उदाहरण (४) 25 को 28 से भाग करो।
                यहाँ र<sup>3</sup>= र<sup>3</sup>× र<sup>3</sup>
```

∴ भजनपाल=±

उदाहरसा (४) १x4 y3 को 3x2y में भाग करी।

 $\frac{g_{x^4y^3}}{3x^2y} = \frac{3x^4y \times 3x^2y^3}{3x^2y} = 3x^3y^3$

अपर दिये हुए उदाहरलों से यह परिल्याम निकलता है कि ज किसी एकपदी स्थंजक को दूसरे एकपदी स्थंजक से भाग दिया जा तो भाज्य धीर भागक के सार्वगुणक धापस में कट जाते हैं। प्रश्नावली ८ (मौखिक)

भाग दो :— (1) 3年前3 税1

(२) 32 南 主社」

(表)-3x 前 -3 前 1 (8)-32 南 3 前 1

(*) 7abc 新 7a 前 1

(4) 7abc 前 -7a 前 1 (v) व को व से 1

(=) वाको-वसे। (t)-a2 前 a 税 1

(10)-a1 को-a से 1 (११) वं को वह से। (१२)-व को व सं।

(१३) वंकी वंसे। (१४) व को - व से ।

(११) अब्बं को (सेसं)

```
30
                    मुल गांगुर
(11) 212 61-70 81
```

(10) 84° a) - (4° à) ; (15)-60 m)-20 d) 1

(14) 7a'b* 41-a5 2 1

(24) - a'b' m) - a' b' A .

(21)-84a'te 4) Babe it 1

(94) 1840'c' a) 4abe at .

(31)-21a'z" 4) 7a'z it :

(34) 63a'b'e' 4) - 7ab'e' à 1

(५) किमी ब्यंजक का हैमें ब्यंजक में भाग करना,

जिममें दो या दो से श्रधिक पद हों

पेसे प्रश्नों में हमें भाज्य के पड़ों के कई एक ऐसे पुंज बनाने

वहते हैं किन्तें भावक से भाग करने पर कहा न क्ये। इसके परचार शब कांत्रिक भागनपूर्वी की योग देश्वर पूर्ण भजनपूर्व प्राप्त कर

466 अदाहरण (१) ± + ३०५ + ५० को ०+० से भाग दो । $x^{2}+2xy+y^{1}-x^{1}+xy+xy+y^{1}$

परन्तु x3+xy=x, चीर xy+y3=y

: x1+2xy+y -x+y चत्तर यह किया इस प्रकार भी जिल्ही जा सकती है:---

x+y) $x^2+2xy+y^2$ (x+y20 4 FU

इसमें भाग करने की निम्नलियित रीति निम्न धाई:---

- (1) भाज्य चीर भाजक वो कियो ऐसे चलर के पातों के चमरोह क्रम में सजाचो जो दोनों स्वंजनों में वर्तमान हो।
- (२) भाज्य के पहले पद को भाजक के पहले पद से भाग करके जो पद प्राप्त हो उसे भजनफल के पहले पद के रूप में लियो ।
- (१) भजनफल के इस पहले पद से भानक का गुरून करो श्रीर जो गुरूनफल प्राप्त हो उसे भाज्य में से घटा हो।
- (४) जो कुद वर्षे उसमें भाष्य के शेष पर्दों में से एक या दो पद जोद दो चीं। इस प्रकार जो व्यंजकवने उसे पहले को सरह भाग करों।
- (१) यह तिया उम समय तक काते रही जब तक बुद्ध शेष म. सहे, या शेष का घात भाजक के घात से छोटा ही आय । जुटाहरमा (२) व³−3व³+α−3 को व−3 से भाग हो।

उन्तहर्स (३) $x^3 + a^3$ को x + a से भाग दो। x + a) x^3 $+ a^3$ ($x^2 - ax + a^3$)

मोट—देखो भाज्य में ड'धौर र वर्तमान नहीं हैं, इस बिये उनके स्थान खाती छोद कर वा की कुछ दूरी पर जिल्ला गया है।

उदाहरण (४) x3-3a3x+2a3 को x+2a से भाग हो। x+2a) $x^3-3a^4x+2a^4$ $(x^4-2ax+a^4)$

x1 + 2ax2 $-2ax^2-3a^2x$

 $-2ax^{1}-4a^{1}x$

 $a^{1}x + 2a^{2}$ $a^{3}x + 2a^{3}$

उदाहरण (x) p3-6p- (q4-4q-5) को p+q-5 से भाग **-31** 1

p+q-5) $p^4 = -6p-q^2+4q+5$ (p-q-1) $p^2 + pq - 5p$

 $-pq - p - q^2 + 4q$

-p -q+5

प्रश्नावली ९

इनका भजनफल प्रतीत करोः— (1) (x2+10x+21) -(x+3)

(a) (20x+67x+56)÷(4x+7)

(3) (z1-5x+6) -(z-2)

(a) (y=-7y+12)-(y-3)

(*) (x*-7x+10)+(x-5)

(t)
$$(15x^2-61x+56)-(5x-7)$$

(a)
$$(6p^4-p-15)+(2p+3)$$

(a)
$$(35x^2+24x-35)+(7x-5)$$

(E)
$$(2p^2-4z^4)-(3p+2z^2)$$

(E)
$$(9p^2-4p^2)+(3p+2p^2)$$

(1a) $(2+3p^2+3p+1)+(p+1)$

(11)
$$(x^2-3x^2+3x-1)\div(x-1)$$

$$(18)$$
 $(x^2-3x^2+3x-1)\div(x-1)$

(1x)
$$12a^4+a^3-8a^2+7a-2+3a^4-2a+1$$

$$(15)$$
 $2x^{4}+a^{2}-3x^{3}-9+19x+2x^{2}-3+x$

$$\{(a) \quad 4z-1-8z^2-6z^4-11z^2+1-z-3z^4$$

(12)
$$3-a^3-14a-4a^3+a^4-a+3+a^3$$

$$(12) \quad 3-a^{2}-14a-4a^{3}+a^{4}-a+3+a$$

(15)
$$1+a+a^2+a^3+a^4+a^5+1+a^2+a^4$$

दूसरा श्रध्याय

सरल गुणनखरह EASY FACTORS

EASY FACTORS
(1) अब कोई बीजीय स्पंजक दो या दो से कविक राशियों का
गुयानकल दोंग है, तो उनमें से हर एक राशि को उस स्पंजक का

गुयानकथ हाता ह, ता उनम स हर युक्त राग्य का उस व्यक्त का गुयानखराड करते हैं। किसी व्यक्तक के सुधानखराड निकासने का यह धर्म होता है कि

त्रित शरियों का परस्पर मुखन करने से स्थंतक प्राप्त होता है, उन शरियों को माल्स करना ।

एकपदी व्यंजकों के गुणनखरड

गुवानसदर की परिभाग के चतुसार जिन जिन राशियों का गुवान करने से दिया हुमा ब्यंजक प्राप्त हो, वे सब राशियों उस व्यंजक के गुवानस्वय करवाते हैं।

ab के गुयानसंह हैं a, b abc के गुयानसंह हैं a, b, c ab'c के गुयानसंह हैं a, b, b, c

22 yz के गुवानसंह हैं 2,x,x,y,t, -85 y's के गुवानसंह हैं -1, 2, 2, 2, x, x, y, y, z

व्ह+४६ के गुसानखरड स्म भावते हैं कि व÷४६ -ब६५४६

हम बानते हैं कि a - b,k -ak + bk

्. बर्ध + bk के गुजुनस्वद्य + सीन तु - ५ है।

इसो प्रकार १००१ क श्रुणमध्य १ चीर ३०१ / है। चीर ३६ १६० १ ८० के गुरानभ्य र चीर ३०० - १ है। ्रत उद्दारास्ते में यह परियास निवतंत्र है कि को युस्मयप्र मैंडक के सद पहीं का मार्चेत्रक होता है, वह दो समेंडक का एक एक या गुस्मयप्र होता है।

्रमोदर को हम गुरुनगरर पर भाग देवर दुमरा गुरुनगरह नेवाल जा मक्त्रा है।

एस्ट्राट्स्ट (१) भीन-व्या वे सुर्ज्यस्य निवासी।

्रेरों का दोरों परों का मार्क्युर के हैं. इस किए का इस करेंग्रह म पूक गुरानगरक हैं। क्षेत्रक को का पर भाग देने से 20-20 स्वत्यक प्राप्त हमा।

दरपञ्च द्वाप्त हुँदा

A. Saly-Adad Har (Sal-Ca) Strik Striktty (4) Salah - Payla- Maya & genedik Fersik (Salah didi seliku menge 8 (

.. दिशादुष्टा वर्देडव = क्रिक्टा स्ट-क्रे--क्र--क्रि--क्रि

पह न समय हैना कि मार्ट्यान महा एक्स्टी ब्लंडक हो होता है होने का उद्दारण देनो :---

रामार्ग्स् (ही को नव नहीं नव नवीं नव है। पुरस्करक विकासी

बर्स हान्य बार्रहरू है.

1-c-i &# &#

को दिया देखा बढेडब अन्तर्ग अन्तर स्मार्थका देखा

- ;- t : : - 1 - 1 - EAL

प्रदनावली १०

गुरानसम्बद्ध निकालो :---

- (1) 3ab+7a*
- (3) 5x4-15x4
- (1) 12a1x1-2ax1+4a1x
- (v) 6pg+21pr
- (x) 3ab 3da
- (6) 5x2v2-10x4v-15x+
- (a) 4m2n-8m2n2+4mn2
- (c) albe+able-abel
- (t) 61'pg-10a*pr+2a*ps
- (to) 7x4y-14x2y2-7xy4
- (11) ax3-6x4-cx3
- (13) 15abx*+10abx-25abxv*
- (11) a be a be + a be
- (2Y) 6p*q*-3p*q-3pq*
- (2 k) 3mn + 2mn2 5m2n2
- (15) 14a*b*-- 42a*be+ 14a*b
- (20) 6x3y4-2x3y3+4x4y
- (15) a*bc*-abc*+ab*c*-a*b*c
- (11) 3x yz 3x yz 3x yz
- (30) tabe+ tate+ tac*
- (31) 2a16-4ab1c+2a1c1+2a1c
- (22) 224/223-324/324
- (33) 50a3x3-125ax3-75a3x
- 43x) 3ptqrt-6ptr3-9ptate

वर्ग उठाना

दो संख्याओं के योगफल का वर्ग करपता करो कि व और b दो संख्याएं हैं. और (a+b) का

```
मरल गुणनगरड
र्ग उठाना 🕻 ।
                                                              30
      (a+b)^{2}=(a+b)(a+b)

\begin{cases}
    = a(a+b) + b & a+b \\
    = a^{3} + ab + a^{3} + b^{3}
\end{cases}

चतः (a+6)3=a3+63+234
                      परिगाम
री संज्यामों के योगफड़ का वर्ग = पहली मंख्या का वर्ग
                             + दूसरी संदया का वर्ग
                             + दोनों संस्याची के गुएनफल
दे a=10धीर b=3.
                              का द्वाना।
(a+b)^2 = (10+3)^2 = 10^2 + 3^2 + 3 \times 10 \times 2
      =100+9+60
     =169 <del>au</del>t
त्रसा (१) (£a÷35) का वर्ग उटासो ।
(-a+35):
=(2a)1+(35)1+2×21×35
ए (२) (126): का मृल्य प्रतीत करी।
      (126)*=(120+6)*
           =(120)^{2}+(6)^{2}+2\times120\times6
           =14400+36+1440
          =15876 <del>उत्तर</del>
        प्रश्नावली ११
           (3) 32 - 76
           (x) 3 - 4p
```

```
3=
                        मुल गणित
 (x) 3ab+463
                        (1) 8a1+3ab
 (a) 9az+4v2
                        (5) m2+x3
 (t) pz+qv
                       (to) pf+pq1
(11) 2ath + 3abt
                       (22) a+{-b}
    नीचे लिखे पूर्ण यगी में छूटे हुए पर लिखो:--
(tt) 16z*+(
                  1+400
(tv) 35m2+60mn+(
            )+112pg+61p
(R) 121a+(
(14) 144m3+72m+1
            ) + 104p + 160
    वीजनिशन द्वारा मुन्य प्रतीत करो
(14) (302)
                         (30) (405)
(31) (703)
                         (33) (806)4
33) (511)*
                         (3v) (1001)*
             दो मंख्याओं के शन्तर का वर्ग
    बकाना बरो कि य चीर b हो संक्या है, चीर हम उनके चम्तर
त करें प्रतीत बरना बाहते हैं।
  (a-b)=-(a-b) (a-b)
         -a (a-b)-b a-b
         -a3-a3+23
         -a^{2}-2ab+b^{2}
   इम दिल (a−b)*=a*+b*-2ab
   क्स बरियाल को मध्यों में इस प्रकार दिस सकते हैं ---
 । संस्थाओं के ग्रन्ता का युर्ग-परणी भंदया का वर्ग
                           + रामरी शंसका का कर्त
                            रोजी संस्थानी
                            प्लनका का हाला
```

```
उदाहरूए (१) (23-85) का वर्ग उटाओ ।
   क्रिया (2a-35)*=(2a)*+(35)*-2×2a×35
                  =4a1+951-12ab sat
   उदाहरूल (२) १० का वर्ग प्रतीत करी ।
   किया (११) = (100-1)*
            -(100)^{t}+(1)^{t}-2\times100\times1
            -10000+1-200
             ≈9801 उत्तर
                  प्रकावली १२
    निम्नलियित के पर्न उहान्ही:-
$~$(U)
               (z) 5m - 3
(t) 6r-5
           (v) 7x 1
(x) 4-7p (x) a-(-1)
(c 4m2-5n2 (c) as-bi
(E) $182-5184 (te) 708-418
(19) 24-1-19 (19) 24-3-19
   निम्मिलिया पूर्व बर्गी में हाटे हर पद बनीत बरोध-
(tr) 16:3-1 1-933
(18) Slat-Thre-1
State 1-days-27-8
(15149m1~. 1-121
4251 64-2 - 15 pg = 1 1
.te ( 2 % - 14412
    क्षीरणांदित की रिति में जनकीरितित के मृत्य प्रतित करी।---
```

```
यह तो तुम जानने हो कि:--
   a^3 + 2ab + b^3 = (a + b)^3
271 a2 - 201 + 62 = (a - b)
    उदाहरण (१) a³+14a+49 के ग्यानगर बनाओः-
a1+14a+49=a1+2(a×7)+71
           ={a+7}³ सत्तर
    उदाहर्स (२) 4x²+12xy+9y² के गुहानवरह बनायो :--
यह स्थेजक=12x)3+2(2x)(3v)+(3v)3
         -(2x+3y): anr
    सदाहर्गा (३) 2º-62'95+92'9'2' के गुरानमस्द बनायो :--
 यह क्येंजक≈25{x4-6x3uz+9u323}
         =x^{2}\{(x^{2})^{2}-2(x^{2})(3yz)+(3yz)^{2}\}
         -2*(2*-3uz)*
         ={r(x1-3yz)}1 3977
                      प्रश्तावली १३ 🗸
     गुणनश्चरह बनाश्ची :-
 (1) 4a+ 28a+49
 (3) 25v^2 - 30v + 9
 (3) 25a1+40a5+1851
```

(x) 49m² - 56mn + 16n² (x) 36a² + 60ab + 25b² (x) 38a³ - 84ab + 49b³ (a) 49a³ + 42ab + 9b³ (a) 16x³ + 40ay + 36y⁴ (b) 16x³ + 56xy + 49y² (t) 81a³ - 190ab + 49b³ (t) 81a³ - 190ay + 2³y⁴ (2) 9ay³ - 60mn + 121x³

·

```
मरल गुरानगरट
```

(11) 0424±1025.±^k4 (1x) 1644-4c46+ 2844 (11) 921+542p+8142 (18) mm2 - 70mm + 40rs

1 -2 + 54 (95)

(1-) 22 - 24 12 21 - 24 12

والمرابع المرادوات والما المارات (و ال

(10) 16 12/1 - Value + C

दो संस्वारों हे दगों का सन्तर

बेटएमा बरो वि त चौर । ही मीरहादे हैं जिल्हा

4 - 21 x Capita

wit with " n-11

touts consucret ations

-et. c1-a1 11 हैंस रुपिनाम को साही ने हमा महार बंद कहते हैं है.

हों शंदरकों है कारे का कामान पुराई रोगकार कुँग कारान 1 433 E

है हरिस्स है the matter to make the state them the

fre

```
Хł
```

```
उदाहरण (३)
   a*-b*=(a+b) (a-b) की सहायता से (256)*-(214)*
सक्य प्रशीत करी ---
   faut
             (256)^3 - (244)^3
            -(258+244)(258-214)
```

उदाहरण (३)

लकार

िंदवा 727 × 727 - 273 × 273

$$-\frac{(727)^4 - (273)^4}{727 - 273} - \frac{(727 + 273)(727 - 273)}{727 - 273}$$

वत्तर

-- 2 प्रश्नावनी १५

राशनकम बताची (7)(a+b)(a-b)(3) (y+9) (y~9)

(3) (2y - b)(2y + b)(x) (4a ~ 3b) (4a + 3b)

(2) (5x-3y) (5x+3y) (3) (7x-4) (7x+4)(a) (ab+5) (a5-5)

(x' (25+2c) (ab -2c)

(1) (ab - ed) (ab + ed) (10) (3a-40) (3a+45)

बीडर्गात्त्व की रीति में मृत्य प्रतीन करो।---1001 (31)2 - (29.5 /221 /773 _ /903

OR 1577 . 152.5 17 (1/134)* (130)* 18 "2 / 64

मरल गुरुनपरह

```
सरल घरोः-
(10) (2+7) (2-7)
(te) (ax+by) ax-by)
(22) (a+b) (a-b)+(b+c) (b-c)
(to) (x+2) (x-2)-(x+3) (x-3)
(21)(2r+3)(2r-3)+(4r+3)(4r-3)
    o'-('=(o+i) (o-i) वी महायता से तिम्नतिसित
शल्य प्रतीत करो:--
(EE) (567)*-- (432)*
(41) (765)1-(545)1
(4x) (1527)*-(1521)*
($1) ($600)*-($657)*
(11) 1564 1565 - 432 - 432
(56) 231×231-149×140
(42) (41) × (41)
(16) (1241) - 122 () h
सब तुम काव शदे कि वा tim a+t (a+t)
    हम बीडीय ंच हमा गुल्कलस बकारे व अस्तर्गत कोचे
 379 F
```

```
XX
                  मुल गणित
   उदाहरण (३) 25x³−9y³
                =(5x)^2-(3y)^3
                =(5x+3y)(5x-3y)
   उदाहरण (४) (10)³−(7)³
                æ(10+7) (10−7)
                --17×3
                ₽51
   उताहरण (y) 25°−21°
                =(25+24)(23-24)=(19)(1)
```

-49 प्रश्नावली १५ गुरानफल यनाश्चीः-

(t) x*-y*

(3) 4a*-b" (1) pt-9a1 (x) 4x2-9v1

(x) p4-4a1 (t) 36ptqt--1 (914-25ml (=) 9a2-49

(a) 100-p4 (to) (a+b)2-c3

 $(11) x^{1} - (y+z)^{2}$ (tt) p2-(q-r)1 (ta) p2g4-121 (tx) z=-+

(14) 18 p3-95 $(11)^{\frac{2^3}{25}} - \frac{25}{3}$

· (१७) 1—144a4 (t=) 36x1-49p4 (14) 10°p4-3°q* (20) 13--210

त्रिपद व्यंजकों के गुरानखरड बनाने की रीति 21+px+a जैसे व्यंत्रकों के गुरामसंबद्ध करणा

पहली विधि यह है कि स्वंबड़ों को दो बर्गों के चन्तर के रू में बच्च दिया डाय।

सरल गुरानसरह

च्दाहर्सा (१)=⁴−18x÷65 के गुसनसम्बद्ध बनाझो। [-1-18r को पूर्ण बर्ग बनाने के लिए इस में 15 का वर्ग क्ष SI जोड़ना चाहिये।] ∴ दिया हुमा क्यंत्रक=x³-18x+81-81+65 =(z-9)2-16

=(z-9)2-(4)2

=(z-9+4) (z-9-4) =(x-5)(x-13)च्डाहररा (२) = -3r-2s हे गुरानसरह बनाझो । दिया हुमा स्टेंडक =(=1-3x+(5)1-(5)1-23

=(=2-3=+2)-(2+25) =(z-3)2-(1,1)2 $=(z-\frac{1}{2}+\frac{7}{7})(z-\frac{7}{2}-\frac{7}{7})$

=(z+4) (z-7) ed(

दूसरी विधि

करशना करों कि $z^2+fz+q=(z+a)$ (z+b), ·· =+ f=+q==+(a+6)=+a5

षतः p=a+t चौर q=ab

इसितिए हमें हुने दें गुएनसरड मवीत करने हैं बिन का योग ह के बराबर हो। इसको ब्याल्या माचे दिये गय उदाहरको में की वानी है।

व्हाहरूस्य १) जैन्छन - ३ **हे** गुरनमस्**ह बनादो** ।

ऐसों दो संख्याएं सतांत इसी वित हा गुरुतरस १० हो और ोग छ हो ।

रपन्द है कि 6 चौर 3 देमी संस्थाएं हैं। चयहस प्यंत्रक बीच बाले पर के स्थान पर ⁶टने ³ट जिल खो।

.. दिया हमा स्पेत्रक===+6z+3z+18 =z(z+6)+3(z+6)

=(x+6) (x+3) 3₹₹₹

इदाहरण (४) x³-16ab+63b* के गुणनसम्ब बनाधी।

वेमी ही मंद्याएँ जिन का गुणनक्षत 63 हो भीर बोगक्स 16, er 781

ua-lfab & suin qt-Bab-Tab fam ei ! ∴ বিবা হুলা কারছ=a³-9a6-7a5+636

-a(a-9b)-7b(a-9b)

=(a-96) (a-75) 377

क्षपर उदाहरून (६) चीर (४) से इस मध्दे के वर्ववर्ती के मानुस-

बार बाने की यह विधि माध्य होती है ! (1) वडि क्लंब्रक का नामग पह बनागर हो, तो उस पर्दे संस्थापमा गुण्ड ६ दो देवे गुण्यतम्बद स्वाचा विवदा योग श्रीप बाज वर् के मेंन्यामात्र गुलब के बगवर हो।

(२) धव वर्षि वील वामा वर्ष यनाध्यक्ष हो ता उसके दोनों हुको द्रमाध्यक हारी (

 (६) बर्टि बीच वाला पर कलाग्यक हा तो उसके होती उसके ऋषण्यस होता ।

ा कृत्य प्रमाण करा किया करा ता तहत करने क कर्मकरो क दिए बनाइ वह है।

दर्ग्याम ५ वे २ व १ ६ त्यास्त्र दर्भाया ।

. LE C 24 STARRES GATES ARES BATE AT 1 APRIL

I to ex ever eve f

ं. दिया एका वर्षेत्रक क्रान्थ-१४-१४ ==(z-7)-1(z+7)

=(=-7)(=-2) 要報(

दहाहरूए---(६) दुर--११० के श्रुप्तसम्ब बनायो । 15 के ऐसे दो गएनवएड जिनहा सन्दर 2 हो, 5 चौर 3 है।

े दिया हमा स्पंडक = 54 - 557 + 367 - 156

== 50 - 50 + 30(8 - 50) m(v-50) (v-50) mert

अपर उदाहरूए (३) और ६) में एक और नमने के स्पंत्रकों के पुरनसरह बनाने ही विधि प्राप्त हुई है। यह विधि इस प्रकार है :---

(१) यदि व्यंत्रह का सोमरा पर कालानक हो हो उस पर के संख्या-तमक पुरुष्ट के ऐसे दो पुरुत्यवद बनामी जिलका फन्तर बीच बाले पर के सैरयाप्तर गुएक के बराबर हो।

(२) यह बाँद बीच वाला पर धना नक हो तो बदा हुकरा बन होगा कोर सोश घर ।

(१) परि बोच बाजा पर कालापन हो तो बदा हुम्हा कल होता कीर छोटा घर ।

(ध) इसके परवाद बड़ी किया करों जो पहते नमूने के स्पेटकों के लिय दराई गरें हैं।

उदाहरए (६) (४) (१) श्रीर (६) की ध्यानपूर्वक देखने से यह मजीत होता है कि यदि p==+6 सीर q==1, ली.

x*+fr+5=(r+a) (r+t)

(१) इ घन हो चीर ह घन हो, तो द चीर ह दोनों घन होंगे।

(II) इयन हो भीत ह कर हो तो अ भीत दे देनों कर होने । (iii) ६ कर हो की ए घन हो लो द धन होता रे कर होता।

(15) इ बर हो बीत ह बर हो, में व बर होगा बीत ? धन Fr:

प्रदनावली १६

नीचे दिये हुये त्रिपद ह	गजकों के गुणनखरड करोः
$(1) x^{2} + 13x + 42$	(3) $a^3 - 18a + 65$
(2) $x^2 + 18x + 65$	(v) p ² -15p+54

 $(x) x^3 + 18x + 72$ (5) x#+20x+91

(v) x2-22x+117 $(=) x^2 + 21x + 104$ (8) $a^2 + 5a - 104$ (to) x2+21x+108

(71) a+3a-108 $(13) x^3 + 27x + 180$

(t3) p3+n-156 (tx) a1-3a-180 (th) a2-2a-143 (15) at-a-240

(tu) x1+8x-105 (ts) a*-26a-120 (te) 1-19x+60x1 (80) I-49a-102a2

ax+bx+c, जैसे व्यंजकों के ग्रणनखंड करना

इस मकार के व्यंशक भीर इससे पहले नमृते के व्यंशक में एक

ही भेद है, भीर यह भेद यह है कि इस नशूने में ट' का गुखक भी वर्तेशान है।

वेसे व्यज्ञक के गुधनर्थंड करते समय भीचे दी हुई विधि से काम --- fe

पहले पद चौर तीमरे पद के संख्यान्यक गणकों का गणन करो। जो गणनफल प्राप्त ही उसके दो ऐसे गुणनसंह बनाओं जिन का बोजीय योग बीच वाले पर के संख्यात्मक गुणक के बरावर हो। नेल किया बैसी ही है जैसी पहले पता शर्क हैं।

उदाहरण (१) मुखनलबह करो । 7-3-13-17

7 x 12=84, 21 x 4=84, -21 -4 = -25



दिया हुचा स्वंबर=12-285+25-12

चहाहरए (रे) 20 (1+2) +412 के गुरुवसरह करो। 20 (1+2)+412=20+202+412

[20×20=4×5×4×5=4×4×5×5=16×25]

कद 391 हे ऐसे दो गुरनसरड बनाओ जिनहा योगस्त 40

हो; यह भासान नहीं है। ऐसी भवस्या में इस उपसिद्धान्त से काम को।

$$(a-b)^2=(a-b)^2-4ab$$

पर्वे at = २०१ कीर उ-१=40

$$(z+t)^4 = 4^{-1} = i(t, t)$$

सीत - क्या = - क र हैंगी = - 1764

```
सब a+b =40
aπa -b -6
स्पष्ट है कि a=23 और b=17
     \therefore x^{3} + 40x + 391 = x^{4} + 23x + 17x + 391
                   \Rightarrow x(x+23)+17(x+23)
                   (z+23) (z+17) 3 Tel
     उदाहरण (y) x1-14x-851 के गणनकरक करी।
     भव इमें 851 के ऐसे दो गुरानसरह मालूम करने हैं जिनका
धन्तर 14 हो।
    मान को कि वे ग्रहनखरह व होर ठ है
    al a-b=14 alt ab=851
चाच (a+b)*-(a-b)*+4ab
  (a+b)^2 = (14)^2 + 4 \times 851
           -196 + 3404
           =3600
   : a+ b == 60
चौर a--b--14
          -37, b=23
धव दिया हुन्ना स्यंतक=x1-37x+23x-851
                   -x(x-37)+23(x-37)
                   = (x-37)(x+23) 5€T
                     प्रश्नावली १७
   गुणनखण्ड करोः--
(1) 6x^2 - 7x - 20
(1) 40x2-67x+29
(3) 6x1-x-40
(v) 15x1-26x+7
```

मुल गुलित

20

- (x) $44x^2-45x+9$
- (E) 9r2-82r+9
- (a) $56x^3 + 15x 56$
- (c) 21x2-47x-24
- (E) 2x2+7xv+3v2
- (to) 6x2+5xv-21v2
- (11) 15a1-ab-651
- (13) 2Sp3-25rg+303
- (t) 12x2-17xy+5v2
- $(2x) 10x^2 + 7xy 12y^3$
- (3x) 36a1+21a-2
- (tt) 12x2-5xy-77y2
- (to) 27c2-24cd+5d2
- (t=) 56a3-3a-9
- (1E) 6a1+49a5-45b1
- (30) 12a3+11ax-15x3

तीसरा श्रध्याय

सरल सनीकरण Simple Equations of the First Degree

(1) गणित के कई प्रस्त ऐसे होने हैं जिसमें कलात संस्था के स्थान पर कोई चच्चर रख कर किया की जाय मो प्रश्न सुगमता से दल हो जाता है चौर किया भी बहुत सुगरी चौर भवी दिवाई देतो है। उदाहरणता मान की कि हमें हम प्रस्त की किया करनी है।

प्रश्न-कताक्षो, वह कीनली संख्या है; जिसमें 15 ओहें को बोगफल का दुशना 44 के बराबर हो।

इस प्रश्न में यदि इस चलान संख्या को मान कें, तो यह प्रश्न इस प्रकार होगा :-

(#+15) का दुगना =44 भव: स्वस्ट है कि #+15=44 के भागे के

चतः स्वष्ट है कि ≠+15=44 के भागे =22 के

चब 22 ऐसी संस्था है किस में भजात संस्था और 15 दोनों सम्मिनित हैं, धतः यदि हम इसमें से 15 निकास दें तो धजात संस्था शेष रह जायेगी।

भतः ४==22−15=7 इसनिष् इन्द्र संख्या = 7 सत्तर

(६) समोक्ररों को इल करने के जुद्द नियम तो तुम पहले भी जानते हो। यह नियम यह काम के हैं। इसलिए इम इन नियमों को विद्यार्थियों ये लाम के लिए फिर लिखते हैं। नियम यह हैं:— (क) यदि ममान राशियों में समान राशियों जोड़ दी जायें तो

उनके योगफल भी समान होते हैं। जैसे यदि क्षा

तो r+a=v+a

ता x+a=v+c

 (छ) यदि समान राशियों में मे समान राशियां घटाई जायें तो शेष राशियां भाषस में समान होती हैं।

जैसे यदि ±=y,

तो x-a=y-a

(त) यदि समान राशियों को समान राशियों से गुए। किया खाय तो गणनकल भी समान होते ।

ैं वैसे यदि ==v.

az≕av

(व) यदि समान राशियों को एक जैसी राशियों पर भाग दिया जाय. हो भजनकर भी भाषस में समान होंगे।

जैसे यदि ar-av.

तो ax~a=1y−a,

x = y

(४) ऊपर लिखे सिद्धान्त (क द्योग खा. स सर्माकरण हल करने का हम की एक वडा आवस्यक नियन प्राप्त होता है: चीर वह नियम यह ह

किसी गिशि का चिन्ह बढल कर उसको समीकरण के एक पक्ष में दूसरे पक्ष में ले जा सकते हैं षिन्ह बद्दलने का अर्थ यह दें कि पन राश्चिका पण कदबा आध की वह दूसरे पण में साकर क्या हो आंठी दें और क्या राश्चि दूसरे पण में शाकर धन हो लाती है।

जैसे बक्पना करो, कि 2-5=10

सो द-5+5=10+5 विकास (s)

∴ x=10+5

स्पर की किया से स्पष्ट है कि (-5) को दाई कोर से आपा गया तो वह (+5) हो गया कीर समीकरण में कोई करतर नहीं वहा !

इसी मधार y+5=10 को इल करना हो, तो y+5-5=10-5 मिटान्त (क)

हो y+5~5=10~5 सिद्धान्त (स) y=10~5 =-5

इस उदाइरच को प्यानपूर्वक देखने से झात होगा कि (+5) को बाम पच से दिख्या पच में से साया गया तो वह (~5) हो गया चीर ममीकरण में बाद चन्दर कही परा!

इस नियम को पश्चान्तर करना कृदते हैं और यह नियम समी-

- करवों को इल करने में बदा शामदायक है।
- (४) यदि किसी समीकरण के दोनों वधों की राशियों के चिन्ह बद्ख दिये आयें, तो सभीकरण में कोई प्रस्तर नहीं प्राता । वैसे वित त->=c-d
 - n) r=a=d=c
- (६) बदि समीकरण ६ डोनो पन्नों को इधर में उधर घीर उधर

जैसे, यदि a-b=x-c

- (७) ममोकरए हल करने को सब से अरुपी रीति यह है कि पहले जात राशियों को समीकरए के बाम पड़ में और अज्ञात राशियों को दिख्य पड़ में ले जाओ। फिर हर एक पड़ की राशियों को वहीं तक हो सरत कर लो। अन्त में अज्ञात राशि के साथ जो मंख्या हो उस पर दोनों वचों को माग दो। इस प्रकार अज्ञात राशि का मुख्य प्रतीत हो जायगा।
 - (न) फलात राशियों दे स्थान पर प्रायः x, y, z, u लिखते हैं पर यह कोई निश्चित नियम नहीं है ।

नीचे लिखे उदाहरचों द्वारा समीकरचों को हल करने की रीति मतीत हो बायेगी।

उदाहरण (१) हल करो :--

x-9=3-2r

मिर्—2± बास पद्य में लाया बाय को +2± जिला जानेगा, कीर—9 इंक्टि पद्य में ले जाया बाय को +9 जिला आयगा।

इस प्रकार ±+2±=3≠9

षा ३== 12

दोनों पद्यों को उपर भाग देने से

r=-4 3**चर**

देवाहरण (३) हल करो ५-7y=10-96

प्रचान्तर इरने में

95 - 15 = 10 - 5

ें∉्र कोनो पद्यों की ² पर आत देने स

नापचाका - परभागदन स

y=1 3त्तर

```
मुल गास्त्र
   नदाहरण (रे) ४४-3-11-32 को हळ करो 🗠
    – 3.r बाम पण में भीर – 3 श्रृचिशा पच में के आने से
                 4x + 3x = 11 + 3
                  41 72 - 15
           दोनों वर्जी की 7 पर साम देने से
                       z-2 3777
   कुत्र ममोकरणों के पर मिलाप्सक होते हैं । ऐसे समीकरणों के
दोनों बचो को निम्नों के हरों के क्यूनम समापन में गुज़ा
MY NO.
    उदाहरण ४) तम क्रो ---
    2y ~1 _2y - 3 _6
      ि कीर ≅ का अधुणम समापत्रप्यें ≈10 Ì
क्षेत्रों क्वी को 10 म मुला किया, नी
   $(2y-1) - 5 2y - 3) +6 x 10
   कोष्ट्रक महिन्ती पर.
   49 2 + 107 - 13-80
        47 16y-17-00
               149-50+17-77
                 9-77 - 14-51 *3TF
    क्टाहरण (४) इव बर्ग :--
A (6x- 8, - 5x - 14, - 4/2x-4) . (3x-4
11.27 का क्यूनम समाप्तानं - 231
क्षेत्रे क्षेत्रे का हा य नवा किया का
```

पदान्तर करने से,

$$-518x+426x=456+1652$$

समीकरहों में दशमतव भिन्न

उदाहरता (६) हत को :--

$$\left(\frac{1}{\sqrt{2}} = 4 \frac{2}{2} \left(\frac{1}{\sqrt{2}} = 5\right)\right)$$

कतः ६(=+-15) —4(=--25)=3:3

पचान्तर झाने से.

्रेमे समोकार हत्न करने के तिये नीचे सिम्ने हुए, परिहास याद रखने चाहियें।

$$\frac{1}{25} = 4$$
, $\frac{1}{125} = 8$, $\frac{1}{025} = 40$, $\frac{1}{75} = \frac{1}{125}$

प्रस्तावली १८

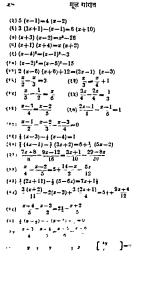
इस नरोः—

(1)
$$6x - 18 = 4x - 8 - 3x + 5$$

$$(3) 10z - 10 - 6z - 27 = 3$$

$$(8, 6x-18-12x+60=3x+3-8x+17)$$

(x) 6x+18=4x-8+3x-9



$$\frac{z+7}{3} - \frac{5y}{5} = y - 2 - \frac{1}{2} (3y - 11)$$
(a) $(z+\frac{1}{4})^2 - (z-\frac{2}{5})^2 = 2z + 3$

$$(1) \ \frac{1}{6} \left[x - \frac{1}{6} \left\{ x - \frac{1}{6} \left(x - 1 \right) \right\} \right] = 1$$

$$\frac{7x-1}{4} - \frac{1}{2} \left[(2x - \frac{1-x}{2}) = 6 \right]$$

$$(\xi)$$
 $\frac{y}{5} - \frac{y}{75} = 46$

$$\frac{y-1}{25} - \frac{y-2}{125} = 4.2$$

(vo)
$$\frac{\cdot 25y}{\cdot 125} = \frac{2y - \cdot 45}{1 \cdot 25} \div \cdot 6$$

सरल समीकरण सम्बन्धी निर्देय

(5) बीज गिरात पहने से अधिकतर यह लाम होता है कि हम ऐसे प्रत्त हल कर सकते हैं जिनमें कुछ दी हुई बातों के द्वारा अज्ञाव राशि या राशियां जात कानी होती हैं। इस मकार के हर एक प्रत्त में कुछ रातें दी हुई होती हैं और उनके द्वारा एक या अधिक अज्ञात राशियां मानून की जाती हैं। इस इन दी हुई हातों को बीज गिरात के चिन्हों द्वारा प्रकट करते हैं। इस हिया से यदि कोई ऐसा समीकार पने जिसे हल किया जा सकता हो, तो समीकार प हो हल करके अज्ञात राशि मानूम हो जाती है। द प्रत्न की राशी को बीजीय चिन्हों द्वारा प्रकट करना बहुआ कहिन

मुल गणित (३) चम्यक राशियों को x, y, z चादि के बराबर मान स्तो । (४) परन में जो उक्ति की गई है उमे बीजीय आया के शक्तों और

६२

चिन्हों में जिलो । ऐया करने से एक या एक से अधिक समीकरण हन सायेंगे। (४) जो समीकरण प्राप्त हो उसे हज करो. और 2. u z बादि का

सूक्य निकाल लो । इस प्रकार चन्यकत राशि वा शाशियां सालुम हो अव्वेगी। (६) श्रपने उत्तर का आँच करो, श्रपांत यह देख लो कि नुम्हारा

उत्तर धरन को शर्ती की पूरा करता है या नहीं। हल किये हुए उदाहरण

उदाहरण (१) एक संख्या को संकों की है। वहि इहाई के चंद्र में से इकाई का चंक्र घटायें तो 5 वचने हें चौर बदि दोनों शंकों के योगफल के पांच गुने की इस संख्या में से घटायें

तो देगी संख्या क्वती है जो शसकी संख्या के संकों के स्थान धावस में बदलने से बन आती है । चसकी संख्या बताची ।

करुपता करो कि इकार धंक =# सो दहाई का शंक

चौर संख्या =10(x+5)+xअब प्रश्न की रातें के अनुसार. 10(x+5)+x-5[(x+5)+x]=10x+x+5

WI 10-+50+x-10x-25=11x+5 **u**r x+25=11x+5 प्रचान्तर करने से

x = 11x = 5 - 2347 -- 10x == -- 20 r = 2

सत इकाई का सक≕े

भीर दहाई का भंक=2+5=7 इह मंख्या =72 उत्तर

> उत्तर की जांच 7~8=३

भीर 72-5 (7+2)=72-45=27

उदाहरस (२) दो मंत्रपाघों का योगफत 38 है। घीर उनके वर्गों का घन्तर 456 है। वे संस्थाएं बताघी

करपना करों कि बड़ी मेंड्या = # तो द्वोडी संख्या = = \$

तो द्वीरी संख्या =35-= पद प्रश्न की शर्त के धनुमार

==-(%-=)==456 सब इस ममोकार को इस करते हैं।

==-(38×38-2×38×z+z²)=456 ==-1444+76z-z²=456

षा रिट=45%±1444 (९८१=स कार्न मे) षा रिट=19%

चतः बढ़ी संख्या =23

.. r=25

भीर होटी मंद्रमा=35-25=13 25,13 उत्तर

उत्तरस्य (३) एक बायत की सम्दाई चौड़ाई से 7 फुट कथिक है। यदि सम्बाई 5 फुट कथिक कर दो आब सीर चौड़ाई 3 फुट बहा

दी जाय की उसका संत्रपत 110 बर्गपूर घषिक हो अता है। स्रायत की लम्बाई सीर घोटाई बतारों।

करपना करों कि चौडाई - फुट तो बन्दाई कर कर यदि उस संख्या में से 18 चटा दिया जाय हो चंकों के स्थान बदल वाते हैं। वह संख्या मालूम करी।

(६) एक मंख्या का दहाई का श्रंक इकाई के श्रंक से चार गुना है। यदि इकाई और दहाई के संकों को आपस में बदल दिया जाय

को सँख्या में 54 को कमी हो खाती है। सँख्या बताधी। (१०) एक संख्या का दहाई का चंद्र इकाई के चंक्र से निगुना है।

यदि इकाई भीर दहाते के खंडों को भापस में बदता जाय. सी संख्या में 18 की कमी हो जाती है। संख्या जात करी।

(11) ऐसी दो संख्याएं मालम करी जिनके वर्गों का चन्तर 1872 हो धीर उनका योगफल 104 हो। (१२) वेसी दो संवयापं बताची जिनका योग 15 हो भौर उनके वर्गी

का चन्तर 105 हो । (11) 68 रुपये 12 धाने 54 बच्चों में इस प्रकार बांदे गये कि

प्रत्येक बालक को एक रुपया 6 साने सीर प्रत्येक बालिका को एक रुपया 2 याने मिले । बालकों की संख्या बतायी।

(१४) 231 रपये 5 पुरुषों चौर 6 सित्रयों में इस प्रकार बांडो कि पुरुष को स्त्री सं तीन गुना घन मिले । (14) एक मनुष्य ने चपनी सम्पत्ति का । भाग बढ़े छएके की, है

मंसले को और 💃 होटे सबके को दिया, और रोप 456 रुपये श्चवती प्रश्नी को दिये । उसकी सारी सम्पत्ति का मुक्य बतायो ! (1६) हो मनुष्य A चौर B स्थान से एक साथ एक इसरे की चौर

चले, और 3 वबटे में एक दूसरे से मिले । यदि A, B से 36 मील दर हो तो दोनों की चाल चलग-धलग बतायो. जबकि यक की चाल दूसरे से दूगनी हो।

(१७) पिता और पुत्र की सायु में 30 वर्ष का सन्तर है, 5 वर्ष के

प्रचार विवा की भाय पुत्र की भायु से विगुनी हो आयगी ह

- यताची, पिता को इस समय कितनो भायु है ?
- (14) एक स्त्री को बायु 40 वर्ष है बीर उसको पुत्री को बायु उसकी बायु का घोषाई है। दताको क्तिने वर्ष परचाद उस स्त्री
- को कायु पुत्री की आयु में तिगुनी होगी ? (18) एक भाषताकार सेत की लम्पार्ट, पौड़ाई से दुगनी हैं। यदि लम्पार्ट चीर चौड़ाई को दोन्द्री फुट बढ़ा दें तो ऐजफल 76 वर्ग फुट बढ़ आता है। सम्पार्ट चीर चौड़ाई बताओ।

(२०) एक भावताकार मेत को सम्बाई श्रीर चौहाई में 16 पुर का

- कत्तर है। यहि लम्बाई चीर चीहाई में से पॉच-पॉच कुट कम कर हैं तो चेत्रफल 255 वर्ग कुट कम हो जाता है। सम्बाई कीर चीहाई मालून करो। (२1) एक मंदना हो छंडों से कते हुई है। हकाई का चंक दहाई के चंक में चीगुना है। यहि होनों चंकों के स्थान बहल दिये आयं की नई मंदना में 2 कना करने में पुरानी संख्या का विगुना हो जाता है। संख्या करायो।
 - र्घक में चोगुना है। यदि दोनों प्रीडों के स्थान बदल दिये आयं हो नई मंदया में 2 जमा करने में पुरानों संख्या का विगुना हो जाता है। मंख्या बताओं। (२२) एक मनुष्य कृष मनय में 3} सोन प्रति घरटे को चाल से A से B स्थान वक जाता है। चीर खीट घाता है। यदि वह 3 मोल प्रति घरटे को चाल में जाता चीर 4 मोल प्रति घरटे को चाल में सीट घाता, हो उसे 15 मिनिट घरिक सगते। बताओं, A स्थान B से विजनी हर है!
 - (२३) दो सगानार मंख्यामों के गुचनरज में मे दोटी मंख्या के दर्ग को घटने म 41 बचने हैं। मध्याचे बनायों।
 - (२४) ऐसी हो सरुपाएँ मानूस बतो डिनड बतों का घन्तर 141 हो।
 - (२१) हो संस्थाओं के बार्गे का सम्मा (२५) है और सस्याओं का सम्मा (10 है। संस्थापं बतायाः)

5=

(३६) एक बोडे और गांकी का मृत्य 550 रुपये हैं। बोडे के मृत्य का है गुना गावी के मुख्य के निग्ने के बरावर है। घोड़े और गांदी का मुक्य चलग-चलग चलाची। (२०) एक सायन को लाजाई, चौताई से चार गुनी है। यदि सम्बाई

6 फुट घटा दी आप सीर चीड़ाई 3 फुट बड़ा हो आप, ती चेत्रका उनना ही रहता है। सायत की चीहाई बनाची। (श्रम) सिक्कों की दो देशिया है, एक घडन्नियों की है चीर नुमरी चवन्तियों की। पहली देश का मुख्य नूमरी देश के मुख्य स

मुल गणित

3 रुपये कविक हैं, परम्य क्यरी देशी में पहली देशी है 8 सिकंड चयिक हैं । बनाची नीनी देशियों में दिवने किनने सिकंड हैं। (२६) 40 चीर 50 के बीच की ऐसी संख्वा बनायों कि वहि बमर्से 9 ओप दिया बाय हो संबी के स्थान बहुत आये। (३०) एक सन्त्य ने कुछ कृतियाँ 3 रवये प्रति कुर्यों के भार मोज

की चीर उननी ही मेर्जे 🏿 रुपये प्रति सेज के भाव सीज भी । थरि कह सारे धन के ही बराबर भाग करके गाउँ यन से सेते शील केता चीर भाषे चन से कवियों, तो इसे 16 बन्तुएँ मंजिक कियां । अर्थिनी चीर केची की बीचन बनायों । (६1) 125 के ऐसे चार भाग बनाची कि चरि चहते में 4 समा करें, रुवर में में 4 बरावें, में मंद का 4 म मुलन करें और नीवे

को 4 बर भाग है. ना प्राचेड बना में परिलाम बगबर हो । क्षित कर बरिकाम र हो. या बार बाग वह होत --4 4 2 - 4 " Wit 10

द्यायम पराव मधाचा । म तमावन वान पान वान व . A win e er er err a rema warm er

(3+) [In & did any with sample and act acts. H. . Ret. 4.

- (31) एक क्यांस्त में सिंध दूरता, निवर्ती और बातक बात करते हैं । इति पुरुषों को मंत्रमा बातकों की मंत्रमा में दुख्ती हो। बीत क्यांसे की मंत्रमा विवर्ती की मंत्रमा में "पाँचपुरी हो। को दुख्ती
- हो सेन्या हरायो। (११) मेरे ३०) यह हत्या १०० रुपये में भोड़ दिया, हुन हत्या
 - (४४) सन (४) शत करता । १६० रूपन मामात । १५६६, हुई केरहा है इसने प्रति ग्रंड फॉल रेच है इसने प्रति शह के मात्र । बताफी,
- मैंने 2 करने प्रीर पढ़ के भार किएना कारा मीन किया है (६१) मेरे पाम कुद मार्च थे, मैंने उनने भे एक दिहाई निवास कर (२) मार्च मिना सिर्म जब जो मार्च मेरे पाम हुन उनने मे
 - चौदा भार निवाद कर 70 राजे और निवासिके, तो मेरे चाम 120 राजे से गोर । बनाओ कास्म में भी पाम किस्टे स्टोपे में
- (६६) तिमला ने बनला में बहा, अबत मेरी आहु दुस्तती वर्डमात आहु के बनाम मी. उस मानर की तुस्तती आहु में मेरी बर्जमान माहु दुसरी हैं।" पहि दोनों का बर्जमान आहु बा बोराबार 50 वर्ष हो, हो उनको आहु समय प्रतम बताओं।
- (६०) एक महामा ने मान्ते होत हुआँ में महानी मृति इस अकार माँसे कि पहले हुए को हींदी एक्ट मृति मिली; तुमते की मान्ते मृति का है मान, भीत होती की इतनी मृति मिली दिवसी पहले दोनों को मिली भी। होती का मान्य कतनम्बत्तम बतायोंदी
- (६०) एक वेदापी को एक राये का भाग बगान्य उसने पूर्य स्तिय जानमा करन का न्या अनेन बगाई हुई स्तिय को . से एगा का दया अपना माध्य हुई स्तिय को उसका उसस जान बाद्याय उस्तर माहित के बाद्या बनाकी. को राया कर्याया

५० मूल गणित
(६६) पड चक्छो के है, माग का रंग लाल है, है माग का पीड़ा,
हो भाग का हरा, चीर है, माग का काला रंग है। यदि
राफे रोप माग की सम्बार्ट 175 इंच है. तो उसकी कला

दसके रोज मान की खन्बाई 175 ईच है, तो उसकी कुछ खन्माई बताकी। (४०) 64 चीर को तीन पुत्र्चों में इस प्रकार चीटी कि पहले को मूसरे से निनाना पन मिले चीर तीसरे पुत्रव को बहुई दो पुरुषों के

धन का एक निहाई मिस्रे।

चौधा अध्याय

सरल युगपन् समीकरण

Simple Simultaneous Equations (हो स्टब्स्ट ग्रांशयों वारे)

(१) इस कायाय में हम ऐसे सरस समीहरूलों की स्पारता करेंगे जिनमें एक से कथिक कायका राहित्यों होती हैं.

वैसे र∸ए=10

यस :-+ y=10 सम यदि इस यह करपना करें कि :=1,2,3,4,5 इत्यादि तो y के मुख्य इस प्रधार होंगे :--

==	1	2	3	i	5	6	7	8	इस्पादि
y=	9	8	7	6	5	4	3	2	इत्यादि

स्तय है कि say=10 समोध्यय, s श्रीर पृष्टे क्रमिनत मृत्यों द्वारा मंतुय हो सहता है। इससे यह परियाम प्राप्त हुका कि दो क्षमक राशियों बाजा एक समीकरण क्षमिटीत होता है, क्षमीं उसहीं क्षमक राशियों s श्रीर पृष्टे मृत्य निरिचत नहीं किये वा सहते।

परन्तु पदि पहले ममोक्स के माथ साथ : और १ का सम्बन्ध सृचित काने वाला एक और ममाक्स हो दिया जाय. तो हमें : और १ के केवल वे मूक्त्य मानने पढ़ेंगें जो दोनों समोक्स हो हो सन्तुष्ट का मकें। श्रव विद्z+y=10 के माय y=z+4 दिवा जाय, तो y=z+4 में z और y के मृत्य इस प्रकार होंगे :—

z	1	2	3	4	5	6	7	8	≇त्यादि
y=,	5	6	7	8	9	10	11	12	इन्यादि

दीनों सानीदायों में 2-3, y-7 ही सम्पन्त सामियों के ऐसे मूर्य दें जो दोनों सानीदरशों हो सम्बुद्ध कर शहते दें। इसविद् यदि यह दोनों सानीदरश एक साथ जिये जाये को इनका इस केश्व यदि यह दोनों सानीदरश एक साथ जिये जाये को इनका इस केश्व यदी दोगा कि 2-3 कीर y-7

परिभाषा—यदि दो या दो से ऋषिक समीकरणो को, उनकी श्रव्यक्त राशियों के मूल्य एक साथ सन्तुष्ट कर सकते हों, तो उन्हें सुगपत् समीकरण कहते हैं।

(६) यदि दो दिवे हुए क्षमीकाणों की क्षम्यक राशियों व और प्र हों बीर बनले हम एक ऐसा समीकरण निकाल से दिश्म केतल व हो या वेवल प्र हो, तो हम इस नवे समीकरण की दिश्म करवाय में बताई हुई विश्व द्वारा हज कर सकते हैं।

यदि इस दी दिये हुए समीकरकों में से निकाल दें चीर एक ऐसा समीकरक्ष प्राप्त कर से नियमें वेजल / ही अध्यक्त राशि हो तो यह कहा जायना कि इसने टकी लुप्त कर दिया।

यह कहा जायना कि हमने र की लुप्त का दिया। सन किसी धम्यक राजि को लुप्त करना, मानो उस राजि ये बुरकारा याना है धर्यात एक ऐसा समीकरण श्राप्त करना इ जिस स (४) इसमे हमें दो कस्पनत राशियों वाले समीकरतों के एक जोहे को इल करन की यह विधि द्वाप समी। दोनों समीकरतों में से एक कस्पनत राशि (अही सही) सुन्त बरके एक ऐसा समीकरण प्राप्त करो किस में देवल प्रष्टी कायका राशि हो। इस समीकरण को इस बरके प्रवासन समीकरण को इस बरके प्रवासन सहिता हो। इस समीकरण को इस बरके प्रवासन सहिता हो। इस क्षेत्र के महत्व मालूम हो उसे हिये हुए दोनों समोकरणों में से किसी एक में इसे क्यात पर रम बर अबी प्रवासन हो जायेंगे।

हम विया की तीन पृथक् पृथक् विधियों नीचे ही जाती हैं :---पहली विधि

इ का बह सूच्य ।। में साबे से

```
मूल गणित
82
         x - 2 = 3
 या र∞5
 .:.x=5
v=1 ] उत्तर
  दसरी विधि
   वदाहरमा (२) वय-करो :
  31x-3y=50 ...(1)
   y का यह मृक्य (1) में स्थने से
   34x-3(5x+15)=50
   पा 34x-15x-45=50
               19x == 95
   या
                 z - 5
   या
   ∡ कायइ मृ<del>ए</del>य (३) में रश्वने से
       25-v=-15
        y= 40
    गा
       · * 5 ]
                        जपा र
   उदाहरण (३) हस्र करो :--
   x+2y=3-4x-y
इस के दो समीकरण इस प्रकार बने
   x + 2y = 3
               (1)
   4x-y=3 .(2)
```

```
ह हा दर मृत्य (2) में रखने से

4(3-2y)-y=3

पा 12-6y-y=3

पा -9y=-9

पा y=1

y=1 पर मृत्य (1) में रखने से

2+2=3
```

ं हुन्ती जनर तीमरी दिदि ज्ञाहरूर (४) इस बरो :— का-देश-5------(1) ज्ञाहरूर (०) : (2) बह इस होती सर्वकाली सेंश्व के सुल्ड कराडा बरहे श्वे हुए होते । कह इस होती सर्वकाली सेंश्व के सुल्ड कराडा बरहे श्वे

r-1

र्दार १६ को : से तुरा क्या क्या क्या के हुए को शहे हैं है कुएक बाहर ही जारेंते । इसकि है (1) को १ से तुरा को की (१ को १ में)

चुटी बारे में, 127—िन्≅मंदे स्थ्य

क्षित्र-देन्-15... ६ तुः में से तुः को क्षापे से जिल्हा

र क्ट क्टू क्टूब्ट । स्टब्स् र

```
मृत्र गरिएत
20
```

12-2v-8 -2v --4 2-3] 377 उदाहरण (४) इल करोः— 4x+2y=1(1) $5x+4y=2 \cdots (2)$ (1) को 4 चौर (2) को 3 से गुणा करने से 16x + 12y - 4(3) 15x+12y=6 . (4) (3) में से (4) की घटाने x = -2

(1 में उके स्थान पर -2 रावने से -8+3y-1

3-9 w-3 #=== 3 3 THE

उदाहराम् (६) इत्र करीः--4z-2y=13. . (1)

2s - 2y - - 1.... (2) दीवी समीकाणीं को समा कारे से 64-12 z-1

```
₹1 27=5
चा ४=०!
   ::===

v==1] ===
बिंब:--

    इंद्रिस्थान पर थे और १ दे स्थान पर थी सबने से

        4z+2g=5+5=13
   <del>$\dagger</del> 2=-2;=4-5=-1
   इसतिये 🕳 भीत 🕫 के यह मृत्य दोनों समोकारों को सन्तुष्ट
स्रदे हैं।
    द्याहरूए (७) हट ब्ले-
     5:-3:=1,....(2)
      (३ में से (1) घटाने से
            5=6
         दा र=2
       (2) में न के स्थान पर 2 रखने से
                10-5;=1
                   _3;==-9
     ₹1
      ₹1
                   (दाँदः∽
           2-19=212-313=4-5=-5
         चेत्र केट-केइ=३ २३ - ३ २३ -
       सिवेरे न बेर हर पर पत्त होते पत्ता बच्चे में
    करते हैं।
```

ತ≂

30-2+10

(ts) 5x - 3y + 9 = 0

बतायो । (32) 7u = 2 - x

x + 6y + 15 = 0

3x + 7y = 1

6x - 12 = 55u

(20) 9x = 18 - 25t

(23) 4x=2y+5. $2v \Rightarrow 11 - 4x$

निम्नलिखित युगपत् समाकरणों को हल करो और अपने बत्ता की आंच करोः—

(1) x+y=6(3) x-y=3

x-y=2

x+v=5

(8) x - 3y = -5(v) 2x+y=11

x + 2y = 5x+y=7

(x) 3x + 2y = 31(4) 3z - 2y = 10

3x + 5y = 37x + 3y = 7

(9) x+4y=21

(=) 5y -7x = 4

4x - y = 168y - x = 7

(#) 2x-3v-0 (to) 5x-4y=1

3x - 4y = 213x+11y=81

(tt) 11x + 2y = 33(13) 7y + 5x = 297x - 3y = 378y + 9x - 43

(22) 4x + 7y = 23(tv) 12x - 5y = 16x - 5y = -1210y + 21x - 1

(2x) 7 = 2x + y(15) y=4x-10

x + 3y = 24 = 2x - v

(10) 3x = y + 23(t=) 4y = 7 + 9x

(2) प्रति 2x -5v=1. भीर 7x+3v=24. तो x-v का सक्य

$$(\pm 5) \frac{2}{4z+k} = 2;$$

$$(73)$$
 $\frac{7}{4} + \frac{5\pi}{3} = 12 = 5\pi - \frac{5\pi}{3}$

$$(72) \ \frac{2}{5} - \frac{3}{5} = 7$$

्रै **+}**=§

एक विशेष उदाहरस

रदाहरस्य ं≂ाहत्र को . −

12--11--58(I)

115-125-57... ...(2)

इसमें क्षिप रोति से बान विचा वादना

दरते (I) भौर भी को बना क्यि।

हो १३३-१३४=115

किर 💢 पर भार देने में

=-1=5 (3

घर 1 में ने 2 को बराया.

तो. ≠− • = 1

3 की 4 के उस किया

हो 🏊 🖛 ६

उने से अब्देशकार

मूल गणित =0 तो 2y≈4 v-2 उत्तर प्रश्नावली २१

हल करोः-

(3) 23x+17y=63;

(v) 11x+12y=58

 $(9)_{2x}^{2x} - \frac{3y}{x^2} - 1;$

17x+23v-57

12x+11y-57

3-24+1=0/

(2) 2x+3y=7, 3x + 2y = 8

(8) IIx-13y=46. 13x - 11y = 50

 $(x) \frac{1}{2}x + \frac{1}{2}y - 1;$

 $\frac{1}{4}x + \frac{1}{2}y = \frac{1}{4}$

ऐसे समीकरण जिन में अन्यक्त राशियों के ब्युर

प्रयुक्त हों। परिभाषा-विद को समियों का गुधनकत एक क

डकाई हो, नो उन्हें एक दूसरे का स्युश्नम कहने हैं। तैसे उ व्युक्तम है, प्रका , क्षा , , , का ।

जिन समोकरको ¹सीर ¹प्रयुक्त हाउन्हें देश करने संय

। चोर कमक्य साधारण राति स निकाल ना फिर र चीर र

मुक्य पुनः स्थापन हारा ।

े उदाहरण (१) हल बरोः--

$$\begin{cases} \frac{1}{x} - \frac{1}{y} = \frac{5}{6} \\ \frac{1}{x} - \frac{1}{y} = \frac{1}{6} \end{cases}$$

महीकारों की जमा काने चीर घराने से.

<u> -1</u> €# ² = ; $\frac{1}{1} = \frac{1}{n}$ $\frac{1}{n} = \frac{1}{n}$

ं रूर्वे । इसर

उदाहरए (१०) हल वरोः-

 $\frac{4}{\pi} = \frac{3}{5} + 1 = 0...$ (1)

.84.5 = 9(2)

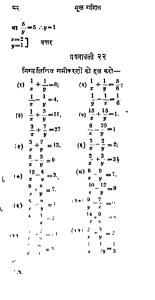
(1) बोड में चीर (2) को उसे पुरा करें रोगें की ज

दिया, हो

", ~= 51

z == :

(३) में १ के क्या पर प्रेक्स.



सरल युगपन नमीक्र्ए

 $=3=\frac{5r+1}{2r}$

सरल युगरन समीक्र्स्स (12)
$$\frac{3}{x} + 5y = 2$$
; $(12) \frac{11}{x} - \frac{8}{y} = -5$; $\frac{1}{x} - \frac{5y}{y} = 8$ $3 \begin{bmatrix} 2 \\ 1 \end{bmatrix}$

(12)
$$\frac{3}{z} + 5z = 2$$
. (18) $\frac{11}{z} - \frac{8}{y}$ $\frac{1}{z} - \frac{2}{y} = 8$ $3 \begin{bmatrix} 2 \\ 1 \end{bmatrix} \cdot 17$

t-0= 4

 $\frac{3}{z+1} - \frac{3(y-1)}{4} = 9$ (t=) 6=+55y-125=0=34z-132+15y

(10) 3r - v+1

(1E) ·5==·4(z+y)-·3; "2" = 7/v - -1 .

$$(12) \frac{3}{2} + 5z = \frac{2}{2}, \qquad (12) \frac{11}{x} - \frac{8}{y} = -1$$

$$\frac{1}{x^{-1}} = \frac{3}{4}; \qquad (12) \frac{2}{x^{-1}} = \frac{1}{1}$$

$$\frac{1}{x^{-1}} = \frac{3}{4}; \qquad (12) \frac{2}{x^{-1}} = \frac{1}{1}$$

$$\frac{1}{x^{-1}} = \frac{3}{4}; \qquad (12) \frac{2}{x^{-1}} = \frac{1}{1}$$

मुल गणित 42

से गया किया, तो 3x + 2y = 48....(3)चौर 9x-5y=45(4)

> [जॉच 5"+ (=8 zîr 10 ~ '=1]

इम समय स्थानका है ?

बचता है। वे संख्याएं प्रतीत करी।

चनुसार

4x+4y=8.....(1)

चीर 1x-1y=1... ..(2)

(3) की तीत में, गला करके (4) में से घटाने पर -11y = -99v=9 वा

y=y स्वतं से 9x-45-45 था 9x=90 x = 10इमजिए वे संख्याएँ 🗤 चौर 9 हें ।

भिम्लों से धुटकारा पाने के जिये (1) को 6 से चौर (2) को 45

उत्तर

उदाहर्स (३) वह सनुष्य ने सपने पुत्र से यह हहा-"मान दर्ष हुए मने पायु कुछाने प्रायु य मात्र गुत्रों थी। चीत्र सर्व में मेरा चायु तुम व तिस्ता होता।" बताचा, पिता चौर पुत्र की चायु

मान स्रो कि वे संख्याएं क्य़ीर प्रहें ती प्रश्न की शर्ती के

चीर पहली संख्या के } में से दूसरी संख्या का ¦ घटाने से 1

भाषे में दूमरी का तिहाई जोड़ा जाय तो घोगफल 8 होता है.

मान लो कि इस समय पिता की शायु अवर्ष है श्रीर पुत्र की y वर्ष. तो धव से 7 वर्ष पहले पिता की आयु (x-7) वर्ष भी श्रीर पत्र की (x-7) वर्ष । द्यव से तीन वर्ष परचात् पिता की चार (x+3) वर्ष हो जायेगी चौर पुत्र को (y+3) वर्ष ।

चय प्रश्न की शतों के धनसार

 $\frac{1}{2}(x+3)=3(y+3)....(2)$

(1) में से (2) घटाने से

-10=4v-5S

ਤਿਸ਼ਸ਼ੇ tr== 12

(2) में v=12 रखने से z+3=3(12+3)

पा x+3=45

r=42

ं. इस समय पिता की घायु 42 वर्ष है] भीर पुत्र की घायु 12 वप

प्रश्नावली २३

- (1) दो संस्थाओं का योगफल 132 है और न्यवकत्रनफल 18 है, व संस्याय प्रतीत हरो।
- २) हो संस्थाधी का योगफल 80 है चौर होटी संस्था के तिग में म वड़ी मल्या घटाने पर 20 वचते हैं। वे संख्या ∉ताद्यो ।
- क्षा दें सस्यापें बताक्षों कि पहलों सस्या दसरी संख्या । द्वाधे से 🖫 संधिक हो सीर दूसरी संख्या पहला के निगन र ुए इस्म हो ।

मूल गांधव (v) ऐसी दो संख्याएँ प्रतीत करी कि पहुंची संख्या, चौर बूसरी संख्या की एक चौचाई का बोगच्छ 35 हो। चौर पहला संस्था

EΕ

का विगुना वृसरी संदया से 7 अधिक हो। (**४) एक संख्या के ऐसे दो भाग किये जासकते हैं कि** होटे

भाग का दुगना बढ़े भाग से 5 श्रधिक हो, धीर बढ़े भाग का दुगना छोटे भाग के तिगुने से 1 अधिक हो। वह संख्या चीर उसके भाग बताची।

(६) ऐसी दो संख्याएं a और 6 प्रतीत करो । fs a-1b=b+1a=300

(७) A की चायु का तिगुना B की चायु के दुगने से 6 वर्ष क्षपिक है। धदि B की शासु A से 3 वर्ष क्षपिक हो, तो बहाफ़ी उनकी साथु क्या क्या हैं 📍

(म) A की काय का भाषा B की भायु के एक तिहाई से 2 वर्ष ध्यिक है। यदि उनकी साय का योगफल 44 वर्ष हो, सी मध्येक

की भाग बताओं ? (३) तीन वर्ष पहले पिता की बायु पुत्र से दुगनी थी। तीन वर्ष परचात उन दोनों को चाय का योगफल 7 । वर्ष हो जायेगा ।

बताची, इस समय उनकी चायु क्या क्या है है (३०) इस समय A की चायु B से 10 वर्ष कम है, चौर दोनों की काय का योगफल 70 वर्ष है। बताको, अब से 11 वर्ष धरचात् उनकी बासु क्या क्या होंगी ?

(१६) पिता कौर पुत्र की वर्तमान चायु का योगफल 70 वर्ष है। इस क्यें क्षीते पुत्र की चासु पिता से एक चौधाई थी। उनकी चासु इस समय क्या क्या है ?

उदाद्रश्य (३) एक संस्ता में दो संक हैं सोर दोनों सेकें का योगकड़ 5 है। यदि संकों के स्थान बदल दिये लाये, तो नहें संस्ता पहलों संस्ता से 9 स्रविक होतो। बतायो, वह संस्ता क्या है !

मान सो कि इकार्ट का चौक 🗷 है

सीर दहाई का सक ह है

वो बह संस्या=10४+३

र्महों के स्थान बर्जने से संख्या का मृत्य 100 + 9 हो आपना, क्योंकि - रहाई का चेक हो जापना चीर 9 हकाई का ।

भर भरत में दी हुई शंबों के भनुसार

- x+y=5 (1
- कोर 10x+y=10y+x+9 ... (2)
 - (2) को संविष्य करने से
 - **z−y=l** (3)
 - भौर (3) को बमा करने से %==6

41 z=3

(1) 표 한 (3) 말리구 다 2y=4

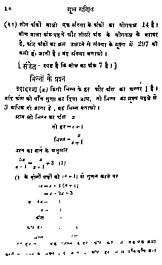
दा , =2

इस बिये इत्यित संख्या = 23 उत्तर

इत है। ए (४ ताने कही हो एक महाग के कही का सीगण है। १) है दाव काची भीव गय कही वे या ने र व बसाइन है। यदि यहन भीग नामा कही के मान काचम ने दाल दिये आये, तो सरमा के तहन ११ क्षीयक ही अने हैं। वह मीन्य दनान हमा,

== मूल गणित क्योंकि बीच वाला एंक पहले और तीमरे गंडों के सोराफल के बशबर है धीर इन शंकों का योगफल 10 है, इस लिए स्पष्ट है कि वीच बाला शंक 5 है। चय यह मान सी कि इकाई का शंक महै और सैंडडे का शंक , à ı दी हुई संहदा का मध्य 100v+50+x क्षीर प्रकेस्थान एक दूसरे से बदलने पर क्षर्यान् द सैंकड़े का मंक धौर y हकाई का शंक हो जाने पर,संख्या का मुख्य 100z+50+9 हो कावेगा । चय प्रश्न की शर्तों के चनुसार y+5+x=10(1) wit 100x + 50 + y = 100y + 50 + x + 99(2) (1) को संशिष्त करने से x+y=5(3) (2) को संचित्त करने से $x \sim v = 1$ (4) (3) भौर (4) से स्पष्ट है कि x-3whr y=2इसलिए इच्ट मस्या = 253 (१२) दो यहाँ वाली एक सध्या का दहाई का धक इकाई क धक स ें भिक्षक हैं, चीर सत्या का सूहय चक्रों के योगफल का चाउ गना है। बह सध्या मालुम करी। (१३) दाश्रको बालाएक सभ्या कथको का यागफल ११ है। यदि श्रको कम्मान बदल श्रिये और तो नई संख्याका मुख्य असली मस्या म 0 रे प्रांधक ही जाता है । वह मरूपा बताची ।





से जिल का गुरू हैं: हो जाता है। वह जिल प्रहीत करों। मान को कि दस मिल का कंछ नहीं की हा है, हो मान की

हों के बहुसार

=+1 +-1 -- (1)

· 二十二 (1) हो मंदिय हरने हैं

<u>--</u>1=-1 (2) की हरिया करने मे

11:--57=3, _.(4 ि होत्र हो हो हा हारे हैं

--: ÷ = :1

र्मीत् श्र निम्नः द्वा

· [] - [] - []

म्हर्के से से से से स्टब्स्टर स्ट्रांटर है। (11) किले किले हैं के हैं कि हुए कि हैं है किले हैं के सहस्र के इंड्रिक्ट हो। हा के कर हो।

(थ सम्बद्ध र स्टेंट्र रंग रेंट र स्टब्स् सक्षेत्रक स्थापन in primary in the second

Common Control temen (tra), a ment २१) ऐसा भिन्न मालूम करों कि उसके द्यंश में एक बसा करने में भिन्त का मुख्य 4 हो जाय, धौर हर में से एक घटाने से भिन्त का मुख्य 5 हो जाय। २६) कियो भिन्त का हर चंश से 13 चिथक है। यदि चंश में 2 जमाकर दें चौर हर में भी 2 जमा कर दें, को भिन्न

मूल गाँए:

का मूल्य 🤰 हो जाता है। यह भिम्न साल्झ करो। २७) दो निन्नों का धन्तर 🕂 दे धीर थोग 🏂 वे भिन्न मालूम கர்ப

२८) एक सनुष्य ने कुछ भुगें भीर धरगोश पाल रखे हैं। बदि उन

सब के सिरों को संख्या 22 चीर टॉलो की संख्या 70 ही. को

कितने सुर्गे चौर कितने सरगीरा हैं ?

पांचवां ग्रधाय

वर्ग ममीकरण या द्विचात समीकरण

Quadratic Equations

एक सायत का देवपल २१ वेर्गफुट है। उसकी लम्बार उसकी

हुँ में 2 पुर क्रविक हैं। उसके मुन प्रतीत करों। मान लो वि सामत की चौहाई " पुट सीर सम्मार्ट "+" पुट

तो चेत्रपत्त== (++2) वर्गपुर

. दी हुई शर्त के झनुमार म(ममेथ)-24

पहां इस समीकरण में मं प्रयुक्त है इसे द्विपति या वर्ग समी-

करण बहते हैं।

. का मुख्य प्रतीत करने के लिए हम पहले दोनों पदों में एक जमा करके पूर्ण वर्ग बनाते हैं।

·.+2+1=25

या, (:+1) =5 द होनों पड़ों का बर्गमूल निकातने से r+1=5 ᇳ

्र —ः धनाम्मक मूल लेने पर कायत के मुख क्रमराः १ पुर कीर ७

झतः हम वर्ग समीकरण को. वर्ग प्रा का^{डे} हल कुट है।

कर मकते हैं

ह्म सूल गाँचन बतामी, मप्तेक नाली कवन-सक्ष्म उसे किनने समय में मर सक्सी है। कश्या को कि पहुंडी मान्नी टंकी को x पंदे में भर सक्सी है। वहुंडी नान्नी टंकी को x पंदे में भर सक्सी है। वहुंडी नान्नी टंकी का $\frac{1}{x}$ मान एक प्रपर्द में मरती है। दूसरी नान्नी टंकी का $\frac{1}{x+3}$ मान एक प्रपर्द में मरती है। . ' श्रीमों मिनकर टंकी का $\left(\frac{1}{x} + \frac{1}{x+3}\right)$ मान एक प्रदे में मरती है।

परम्तु वे होनों एक बचटे में टकी का $\frac{1}{2}$ आग पा $_{1}$ रे आग $_{2}$ रे आग $_{3}$ रे आग $_{4}$ रे आग $_{5}$ रे आग $_{7}$ रे आग $_{7}$ रे आग $_{7}$ रे आग $_{8}$ रे $_{1}$ रे $_{2}$ रे $_{2}$ रे $_{3}$ रे $_{1}$ रे $_{2}$ रे $_{3}$ रे $_{2}$ रे $_{3}$ रे $_{3}$ रे $_{4}$ रे $_{2}$ रे $_{2}$ रे $_{3}$ रे $_{3}$ रे $_{3}$ रे $_{4}$ रे $_{2}$ रे $_{3}$ रे $_{4}$ रे $_{2}$ रे $_{3}$ रे $_{4}$ रे $_{4}$ रे $_{5}$ रे $_{5}$ रे $_{7}$ रे $_{7}$ रे $_{8}$ रे $_{7}$ रे $_{7}$ रे $_{8}$ रे $_{7}$ रे $_{8}$ रे $_{7}$ रे $_{8}$ रे $_{7}$ रे $_{8}$ र

होनों वचों को 182 (x+3) से ग्रुवा करने वर, 18 (2x+3)=55 (x+3), सपदा 53*-21x-54=0 स्व (x-6) (5x+9)=0 ... x=6 सपदा x=- (

.. रूप्ती शास्त्रा रूप्ता : रूप्ता असर आधान सहने। दूसरा असर आधानस्य है दर्गालय हुए से बीक नहीं सान सहने। हुके जमर से हम कर परिवास पर पहुंचने हैं कि पहली नाजी रेकी 16 वर्षटे से चीर तूसरी 9 वर्षटे से सर सहसी है। उटाहरण (: सिर एक पहले 15 पर्यंत्र से बेचो नो सुर्क उपने रिक्त नाम हुणा सिन रुप्त से से ने बहार्स सो से व्यासी कररमा करो कि घड़ी का सपग्रप == रुपये, सी

विवय मृह्य == $\pm \frac{x^2}{100}$

 $\therefore x + \frac{x^2}{100} = 39$

समीवरण को एल करने पर.

z=\$0 eq -130

च्यापाट मूल्य का कोई चर्च नहीं इसक्ति इसकी द्वीड़ दिया।

बतः क्रयम्स्य =30 रपये उत्तर

प्रश्नावली २५

- (१) हो संस्ताकों का कोगणत 14 कीत गुप्तकन 24 है। दह संस्थाएं कहाको।
- (व) ऐसी ही स्थातार मंत्रवाई बताबी बिनवा गुलब्धक 503 के बताबर ही ।
- (६) देसी दी क्याला सम संस्थाई बताबी दिनका दुरानवड 288 के प्राप्त हो।
- (४) ऐसी हो लगातर दियम मेन्साई बठाओं जिनका गुस्तराव
- - है। है। क्रांचित क्षेत्र भारताच्या प्रतिकार क्षेत्र का का का क्षेत्र क्षेत्र के क्षाकर हो।
 - क्षेत्री हा संस्थाएँ बनाको विज्ञा काल्या है। हो की उनक क्षेत्रों का दण्यात के हैं है।
- (० एक माधान का चेत्रपात की दानुत है समझी बन्द्रमा चेत्राह्म से 3 कुत चर्चिक है । बसक सुन्न दर्गान बस्ता ।

(३) एक संख्या और उसके ब्युक्तन का भन्तर 🐫 है। वह संख्य प्रशीत करो । (१०) दो संख्याची का गुरानकल 729 दे, चीर विद एक संख्या कं दमरी पर भाग दिया जाय तो भजनकल 9 है। संख्याय मालम करी। (११) दी घनात्मक संत्याएँ बताको जिल्हा योगफल 12 हो की उनके स्युक्तमों का योगफल दे हो। (१२) एक भिन्न का हर उसके चारा से 4 मधिक है। बादि उस भिन्न को उसी से गुणा करें तो गुणनफल के हर और भंग का अन्तर 40 होता है। भिन्न प्रवीत करो। (१६) एक सनुष्य की चायु उसके पुत्र से 20 वर्ष भ्राधिक है, 5 वर्ष परचान दोनों की बास का गुबानफल 576 होगा। बताबी, उनकी चातु इस समय कितनी कितनी है ? (१४) एक मनुष्य चौर उसके पुत्र की चवस्थाओं का ओड़ 60 वर्ष है चौरतकी चाय के संकों का गुरानकल 576 होता है। दोनों की भवस्यामें बताधी। (14) पूक मनुष्य ने 1 रूपवा 8 भाने के कुछ सेव जिये उसने सब

सेव एक धाना चाच पाई प्रति सेव की दर से बेच दिये चीर इस प्रकार उसे बतना क्षाभ हुचा जितने में उसने युक सेव मीव दिया था । बताशी, उसने कितने सेव मोख विये में धीर प्रत्येक

(१६) एक बायत का चेत्रफक्ष 1200 वर्गगत है। यदि उसकी चौदाई पुरु गत क्रथिक होती और सम्बाई दो गत कम होती तो भी चेत्रफल इतना ही होता । उसकी लम्बाई चौदाई बताओ ।

सेव कितने का मौळ जिया था १

मूल गणित (म) एक संख्या और उसके म्युष्टम का मोगकल ³्र है वह संख्य

800

प्रतीत करी ।

द्यधिक मिलने लगें, तो एक दर्जन नारंगियों का मोल 4 धाने बार हो आय । बतायी. एक बोर्डा नारंगियाँ कितने में मिल रही हैं ?

(१८) एक धावताकार मेत का चेत्रफल 48 वर्गगढ़ है और उस के करां को खन्दार्ट 10 गज है। उसको सन्दा; चौदाई दताची। (१६) ऐसी संस्था बताधी जिसे उसके वर्ग में जमा किया जाब ती

घोगपल उससे धगली संख्या से नीगुना हो जाय ।

(२०) एक मनुष्य ने बुध कुमियाँ 200 रुपये से मोल सी । उनमें से 5 थोरी हो गर्ट । रोप वृत्तियों में से उसने प्रायेक कुर्मी को हव

मुल्य से 4 रुपये क्यांबर मुख्य पर येचा की। इस प्रकार उसे

40 रापे वा लाभ हथा। वतायो, उसने दिननी विस्तां सीव सी थी थीर प्रापेक बुर्मी कितने की मोब सी थी ! (२१) एक मन्त्य ने धारती घड़ी 75 रुपये में देखी सीत उठने प्रतिशत

साम उटाया दितने रूपये की मील सी थी। यही का क्रय मुख्य रताची ।

(२२) मैंने एक सेंच 14 राजें 1 कार्त को देखी कीर उतने प्रतिशत साम उराया जितने रुपये की यह मेज मीज सी थीं, मेज का वय महय दहायी।

जांच पत्र (पहला खराड)

१ हम - स्थाप्त क्रिक्ट स्थाप्त क्रिक्ट स्थाप्त

2*+29*2+9* का 2*-29*2+9* से गुणन करो
 गुणनशंह करो :- (क) 2*+42-52-45

(81) $xy(a^{2}+b^{2})-a^{3}(x^{2}+y^{3})$ 1. y = u[q x=b+c, y=c-a, z=a-b,

यो सिद बरो कि x³+y³+x³-2xy-2xx+2y=4b³ ४. हल करो :--

४. हल करो :— (क) 2−2 (x−3)=4x−4(x−3)

(a) 3x+4y=41; 5x+3y=50(a) $x^3-5x=0$

 (ग) ड"-०४०००
 एक कारे की चौदाई 10 पुट है। यदि सम्बाई 3 पुट अधिक होती और कोवार्ट 1 पर कार सो नेपालय में कोई असार न

होती चीर चौदाई 1 फुट कम, छो चेत्रफल में कोई सम्तर म होता । सम्बाई माल्म करो ।

पत्र २ 1. a*+4b* को a*—2ab+2b* से भाग दो।

२. गुणनसंह करो : -(क) 2xy−3yz−4ax+6az

(₩) (a+b)*+2c (a+b)+c*

(n) 16a4-81x4

३ यदि $x + \frac{1}{x} = 5$, को $x^2 + \frac{1}{x^2}$ का मुख्य बताओं।.

(E) (2x+3) (3x+5)=(6x+1) (x+1)+74 . इल करो :-

(E) 41x+31y=133,

31x+41v=\$3 एक संख्या दूसरी संख्या से 1 क्षिक है तीर दोनों का जीव (n) ==-0r+14=0 36 है। मंख्याएँ माल्म करो।

पत्र ३

(a+b+1) (a-b+2) हे गुरानस्त को

(a+b-1) (a-b-2) के गुरुवस्त में जोती. सीर a=5, b=2 मान का सपने उत्तर की जीच करी।

२. गुणनसंह करो :--

(¥) Sl=4−1 (EI) 1652-ñ

(a) 6(a-p)2-1

(a) 205-52

३. मृल्य निर्वालो :--(æ) 2003×1997

(a) 800.1×159.6

संकेत—रूस मृत्र से कान को त्रा—धे= (a+b) (a—b) हल हरो:-5x-12 - 3x-5 = x-1

.a y=3=-2.y-1=4=

(1 152==-%

 हरि के पास श्याम से तिगुना रूपया है। धदि हरि श्याम को 250 रू दे दे तो स्थाम के पाम हिर से दुगुने हवये ही आएँगे । बताधी दोनों के पास कितने कितने रूपये हैं ?

पत्र प्र

1. 41 x-2, y-3, a-4 तो 7ax - 5a 2y - 10x a + 50xy + 3ax - 20y x 1 174

क्या होगा ?

शुरानशंडकरोः ⊢

(w) a1-b1+c1+2ac

(m) ca(c-a)+ab(a-b)

(n) x4+x2+1

(T) x4-5x3+4 गुणनसंड करके मृश्य प्रतीत करे।:—

(%) -769 × 769 - 231 × ·231

(a) {(814)*-(187)*}-63} e. इल करो म्—

 (π) $3+\frac{\pi}{4}=\frac{1}{9}(4-\frac{\pi}{4})-\frac{5}{4}+\frac{1}{4}(11-\frac{\pi}{9})$

(a) 3+3-30, 9-2+ 5

(a) 2x1-x-210=0

 दिना की बायु पुत्र की बायु में वॉच गुनी है। 24 वर्ष परचल बुत्र की सामु शिका की बर्नमान बायु के बराबर होगी। दोनी को वर्गवाम चायु वताची।

 एक मैंस्या में दो कंक है जिनका योगण्ड है। यदि उस संख्या में 27 जोहें तो संब उत्तर जाते हैं। संख्या मालून इसी पुत्र ६ १. (٢-٥٥) (٢-١٥) को हो बर्गों के बन्तर के रूप में प्रवृक्षित

(n) =2-5x-24 (B) =+4x-00]

४ हल करो:-(5) = = = 120 (11) 4=-3y=12, 0=-y=16

ह्यो ।

१. (क रोम प्रमास निम्म प्रस्ति करो (स) 18म - 59म + 18म - 5 में 3म - 5 का भाग हो ।

२. गुजनसं^ह इसे :--

(5) 6x3+29x+35 (E) 302°-612+30 (11) 821 - SI - S المان المن ا

36-c-2a, श्रीर 2s-6+3s के योगकत के बराबर ही ! ४. इल करोः— $(z-\frac{1}{2})^{2}-(z-\frac{1}{2})^{2}=z+2$ (\bigcirc) 2x-3y=5, 3x-4y=6 (η) $2x^3-10x=3x-15$ २. 9 सेर गेहूँ चौर 18 सेर जी का मूल्य 3 रु॰ 15 था॰ चौर 21

३. बताचो 3a-5b+7c में से क्या घटाएं कि शेष a-2b+3c.

सेर गेहूँ और 9 सेर जी का मूक्य 5 का 1 था। है। एक सेर गेहूँ धीर एक सेर जी का मुख्य मालूम करो। पत्र ७ 1, 2a-3 (b-c (2+ a)) और 3c (a-1)-(b-2a) को सरख करी

चौर पहले बर्वजक को दसरे बर्वजक में से घराची। २, (क) यदि $x = \frac{1}{x} = 10$, तो $x^2 + \frac{1}{x^2}$ का मृत्य वटाको ।

(ea) यदि a+b=9 स्तीर ab=20, सो a2+b2 का मान शाव क्ती ।

६, 49a + 70ab में क्या जोड़ दें कि यह ब्यंजक एक पूर्ण बर्ग बन , 30 TEZ 9

४. हल करो.— (5) $\frac{x+2}{2} + 2 = \frac{x+4}{5} + \frac{x+6}{2}$ (xx) 12x-15y-3x-24=1

(n) 2x1-3x-629=0 र एक वु'जड़ी ने कुछ सेव एक बाने के धीन के हिसाब से बीर उतने ही सेव एक थाने के चार के हिसाब से मील जिये। सब

सेवों की 2 काने के 7 के हिसाब से वेच दिया। उसे 3 काने का घाटा हुया। वतायां उसने कुल कितने सेव मोज लिये ये और कितने में जिये थे ?

पत्र ८

१ ६८ ÷ 1524 ÷ 20 – 2524 – 524 को 424 ÷ 5 – 5 से साम हो ।

२ सरत ≅रो—

(E) (2-5-c-6)2-(2-6-c-6)2

(स) दरि c=1. i=2. c=2. सी

(६+१+९५ स्टब्स्ट्रेस्ट्रेस साम्यासम्बद्धाः स्ति।

🔪 गुएनखंड क्ते :—

(モ) ジュー・シュー・シュージニ

(E) 22-02-0-1

(T): 1-19s-120s*

६ हत इसे :--

(e) \$\frac{5}{2} + \frac{1-2}{5} = 2\frac{5}{2} - \frac{5}{2}

 $(7) \quad \stackrel{\circ}{=} - \stackrel{\circ}{=} = 2, \stackrel{1}{=} - \stackrel{1}{=} = \frac{1}{2}$

(*) 4x²-16x÷15=0

रे एक संस्था 12 से जिल्ली क्षतिक है उसके स्मुख्य का ३० हुदा ई से उत्ता ही इस है। यह संस्था मासूम करी।

प्त्र ९

९, देश-देश-देश स्ट स्थान देश कीर -देश्य से इसे के कोरकार की इर्-, इ. से सुद्धा बरो ।

२. गुएनखंड क्रो:-

(#) (2=-1)=(s-2)

(41 1-454-12-42)

(4) Stat-45-45

इसरा खएल श्रंक गणित

छटा अध्याय ग्रह्मनखराड श्रीर श्रपवर्त्य

Factors and Multiples परिभाषार्थै

दि एक संख्या किसी दूसरी संख्या को पूर्व रूप से विभाजित करदे दिश्री संस्था की गुण्यनखंड या श्रपवर्तक कहते हैं और दूसरी प्रप्यत्र्य कहते हैं। जैसे 15, 5 से पूरी तरह बंद जाता है चत:

पांच का श्रपवर्ण चौर पांच पन्द्रह का गुशनसवड है। जो संख्या है से जिसक हो जाय उसको सम संख्या, मौर ंख्या दो से त्रिभक्त न हो उसको विष्म संख्या कहते हैं --

पथा 2, 4, 6, 8 बादि सम संस्था है। चौर 3, 5, 7, 9 बादि विश्वम संख्या है।

हो संस्थाप एक दूसरी के परचार साधारण रूप में बनागर हें उनकी क्रमागत संख्याएँ कहते हैं। वया 1, 2, 3, 4, 5 चाहि।

और 11, 12, 13, 14 वादि । puls संदया अपने से थीर इकाई से विभक्त दो सकती है। संख्याचे जैसे 3, 5, 7, 11, 13 धादि केवल अपने से काई से ही विभक्त हो सकते हैं. इनको ग्रामाज्य सरूपी

ž ı



115 मुल गणित (ण) मदि किसी संकवा के चान्य में शुरूव हो, तो वह संख्या 10 से पुरी चंट जःथगी। यदि सन्त में दी शून्य हों ती 100 से और वित नीन भूम्य हीं, तो 1000 से परी बंद कायगी। कारख स्पन्द है रे (४) वहि हिमी मॅन्या के सन्त में गून्य वा 5 हो तो वह मंत्या 5 से परी बंद आचला । यथा 290, 295, 225 मादि। (हारण- बड़ी है जो उपर (1) में बनाया गया है। (६) यदि हिसी संस्था के चान में तो शत्य हो या चान के तो चंड 25 में बंट सकते ही तो बह संख्या 25 से पूरी बंड जायेगी, ਜੈਕੇ 250 ਦੀਏ 275 । [कारगा: बड़ी है जो ऊपर (2) में बनाया गया है ।] (a) विद दिसी संख्या के चल्त में तीन जुल्य हों या उसके चिलास नीन चंद्र 125 से बेंट सहते ही नो वष्ट्र संक्या 125 में बैंट करोगी, बैंसे 19375 सीर 19500 t [कारण: बड़ी है जो कपर (3) में बनाधा गया है।] · इ. चरि किमी संस्था के श्रीकों का बोगन्तव 3 से पूरा पूरा वेंड जाय तो वह संख्या तीम से वैट जायुगी। प्रेमे 531 वर्षोवि 5+3+1m91 SECTO: 531 - 500 + 30 + 1 AS 50+1,+3 (9+1;+1 -. . 50+3 - 9- . +3+1, . er errere - 5 - 5 - 1 बन कोक, बान व दूस बन बाब बन अहे सी बह

(३) क्सि मंद्र्या के घंडों का चीन ? से पूरा पूरा पंट बाद सो कह संस्था भी ? से पंट बादगी; दैसे 531, प्योंकि 5+3+1=?

[कारण:-वही को करर बजाना यमा है।] (50) यदि कोर्ट संस्या 2 कीर 3 दोनों में बंट जाम को यह 6 में भी बंट जायेगी; जैसे 546।

(11) यदि कोई संक्या 4 की 3 से केट आप को यह 12 से से भी क्ष्र आपेगी; जैसे 46116 ।

(१२) दिस संदेश के सम् और दिश्म स्थातों के बंबों का - कम्पर मून्य हो पा 11 में पूरा पूरा बंद सकता हो वह संदेश 11 में बंद खायेगी; बैसे स्थेपित ।

(7+9+6)-(6+5)=22-11=11

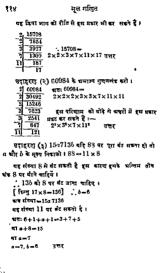
=6 (9999+1)+5(1001-1)+ +0+0+00+2000+2000+2001-1)+

=22-11=11 ्रेपरि (१+9+6+6+5), 11, में परा पूरा मंद्र बाद सो १९९७) भी मंद्र जातेगा 1

दी हुई संख्या के असाव्य गुरुवलंड कराना।

दस मेंच्या में प्रभाव्य मेंच्याओं का भाग देका देशी। पहले 2 का भाग हो किर 3, 5, 7, 11 जादि का भाग देकर देखी। पदाहरूए (१) 15708=2×7854

> =2X2X3X13X9 =2X2X3X13X9 =2X2X3X7X157



(25) 625

(33)

975

चीर 25 पर बंद सकती है या नहीं। (111) (tv) 989898 (tx) 765432

778775.

(8)

(Y)

द्यभाष्य गुएनसरह करो:--(15) 117 (80) 289

(12) 690 (10) 754 (11) 1230 (11) 2000

क्षमें को संस्थायें संदुषत है उनके बामान्य गुएउसएक #21:---(tv) 21 (tt) 99 (tt) 121 (ts) 221 (t=) 891

(RE) 18018 (10) 17017 (११) मोचे किसी मेरयाको में गुरे हुए बंब हम बकार असे कि बद

संस्थारे (क) 9 से (स) 11 से पूरी पूर्व बंद कारें। 5*766, 57*55, 9X*45, 9505*4 (३३ - 778596 के गुणलायक बनो चीर दिसाओं कि यह संस्था सीह इरामा संस्थाको का गुरुक्क है।

(11 सिट क्यों कि अमेरी चीर 1 + ? चलाव्य संस्वाचे हैं।

कंथि कियो मेरवाओं में बार बार को मेरवाये बासास्य है ?

ा के किए को कि ने मार्ग की . मार्ग काला राज्या है है

(६१) मिन करो कि (१) 5653, 7318, (१) 9947, 7997 वरणर कमाय है।
(६६) बनाची 📅 को दिल संख्या में सूचा करें कि शुणनक्छ
ां≛ं हो काय।
(३०) 31531 के बाहिनी कोर क्या बाक रूपें कि यह संख्या
91 से पूरी पूर्व बंद आप।
(१६) चार सन्ताज्य संख्याचे हैं। पहुंची तीन संश्वाफी का गुणन-
कक्ष 1.7 है और धीलास तीच संख्याची का मुनानक
5053 है। मेल्याने बताचा ।
(६६) व्यक्ति 123a15b, 88 अनुशी बेट लक्ष्मी हो सो अवीर ठे 🤻
मस्य बनाधी।
(७०) 2,3,3,६ इन बंदी म ऐसी संस्था बनामी भी 264 में

शुल गणित

111

वृत्ती वृत्ती बंद आय ।

मानज्ञं छष्मय र्सम्स त्या धनम्ब

Squan Root and Oute Root

. १ के हार खड़ा र विश्वास स्थापन स्थापन स्थापन

The first to the state of the s रें है। उस्त के बीरे को मासाबी के के बेटी की

्रकार ११८० ्रकाल्य स

transport far ir er erfer fing والمراجعة فراعة فد والمراجية

EEA F REE IS F

षग मूल संथा घनमूल गुरानखरड बनाकर वर्गमल निकालना उदाहरण (१) 324 का धर्ममल निकाली । किया **√** 324 = √2×2×3×3×3×3×3 -2×3×3 **—18 उत्तर उदाहरण (२) 1089 का वर्गमूल निकाली।** 3|1089 3 363 किया $\sqrt{1089} = \sqrt{11 \times 11 \times 3 \times 3}$ -4/11"×3" -11×3 _33 वसर बदाइरस्स (३) 75 की किस दोटी से दोटी संख्या से गुव्या करें कि गुवानफल एक पूरा थर्ग हो जाय ? विध्या 75=5×5×3 = 51 × 3 धनः यदि इसको । से गुणा किया जाय नो गुणनफल एक पूरा क्ष्में होगा। उत्तर प्रदेनावली २७ निम्नलाधन सस्याद्यों का वर्गमूल गुणनम्बर**ड बनास्ट** विकालो ∽ a, 1298 (1) 576 (2) 1024 (.) 2916 (4) 2504 1, 1936 -) 16384 4 105625

9216 (1.) 1234321

285

(११) निम्नतियित संस्थाचों को किस दोटों से दोटो संस्था में गुदा करें कि गुरानगरत एक पूरा बगे बन आय ?

50: 72: 96: 128: 245: 768: 887; 1125: 5120.

(१२) निम्नलिवित संस्थाकों को कौन सी द्वीरी से द्वीरी संस्था से भाग हैं कि भजनपाल पूरा वर्ग दन जाय ? D2: 75; 126; 192; 108, 375; 847; 343, 864.

वर्गमल निकालने की साधारण विधि

बह तो क्याधियों को पहले ही पता है कि 1 का वर्गमंत्र 1: 4 बा 2: 9 का 3: 16 का 4: 25 बा 5: 36 बा 6: 49 बा 7: 64

का 8: 81 का 9: चीर 100 का 10 होता है।

धव बरोहि । वा वर्गमृत । ई कीर 100 का 10 ई इसकिए को संख्या 1 और 100 वे दोच दी है उसका वर्गमृत 10 से इस होगा. चीर 10 से बम संस्था से एवं चंद होता है; चतः 1 चीर 100 के बीच की किसी भी संस्था के वर्तमूख में एक बाँड व ली संख्या होती।

इसी प्रकार 10% का कर्ममूल 10 ई; कीर 10 00 का कर्ममूख 1(h) है। इसलिए 1(H) से 1(HHH) सह द! सह मंत्याओं दा दर्गमुख 10 और 100 दे दोष वाजी दोई संरथा होगी, ब्रायांत्र 3 दा 4 क्षेत्रें बाडी मेरेयाको वा वर्धमूल बोर्ट हो चंडी बार्ड, मेरव्या होगी। इसी पदार 5 था 6 धंदों दाखी संत्याची दा दर्गमूख दोई 3 धंदों दाखी संख्या होती ।

यत यह दिसे संश्या से चेंद्रों दी संस्था सम हो ती तम दे बगस्य में धार्वे के सरमा इस म धार्य हारो

इहाहारात बहि सक्या स . . . च्या हा ला बरीसूब से

बसर . ३ घर होता.

वदि कियी सँल्या से बंहों की वितती दियम हो, जैसे 3, 5, 7, 9 (भाषि, तो उसके वर्गमुख में चंडों की गितती $rac{3+1}{2}$, $rac{5+1}{2}$, $rac{7+1}{2}$ +1 $rac{ au}{2}$, भागवा, $2,\,3,\,4,\,5,\,$ होगीः।

यगंम्ल तथा धनमूल

850

इस विधि द्वारा हम तुरस्त अत सहत है कि किसी स तथा के लीमुक में कियन चंक होंग । इसलिए किसी संख्या का बर्गमल निकासने समय यहाँचे हुचाई से चारकत करके यह यह सीह सीह कर सीही के त्यर विरुष्ट समा देने हैं। जिसने 'बरुपु होंने इतन ही बर्गस्थ के चौड़

in the 2 5 6 क बर्गमूच में 2 चेक होते. **दापश्रमा**न 1 2 2 5 के बर्गमूल में भी दे श्रेष्ठ होते. कीर

witz. 1 2 4 8 0 3 के बर्गमूज में उर्धक होंगे। नम पहले पर स्टेडो कि a - 614 - a* · 2 a6 + 6* - a+ + 6 (2a+ b) हमी बचार (चुराई + हक्षाई .+ -

(4412) + 4412 - 4412 + 4412 उदाहरण १४, 17 का वर्ग प्रपट की रीति से निकासी । क्रिया 17 *±40+7 *

-19* + 7 4 - 19 - 7. m (18) - 7 (2) - 7

ar ar ara faura-ar

प्रदा . . . क सकी 18 करता बनाने या जाते व प्रता है कि इस

and at every sai to ever wing affere & रहात का श्रम का देवार का कब क्षेत्र कर संस्था (१४)



```
वशमूल संयो धनम्भ
  यह किया इस प्रचार किसी हा सकती है।
        10×2+8= 28 2 2 4
2 2 4
                                वर्गमञ्जू = 18 उत्तर
 उदाहरण (३) 1225 का कांमूब निकालो ।
     किया:--
       30×2+5- 05
                      वर्गमूच = 35
संचिप्त रूप में यह किया इस प्रकार लिखी जाती है।
                 65 -
                         3 2 3
                          ×
                                  क उत्तर
उदाहरण (४) 124609 का बर्गमूख निकालो ।
  किया—
                65
               703
                      वर्गमञ्ज = ४५४ उत्तर
```



१२४ वर्गमूल तथा धनमूल किया √835 - √161 -15 3TC उटाहरण (६) 1424 का वर्गमूल निकालो । किया 🗸 । 👸 = 🗸 १८५९ -12 -145 3TK प्रश्नावली २८ निम्नलिचित मंख्याक्षां का वर्गमूल निकालो :— (7 - 196 (1) 529 (1) 576 (x) 1024 (2) 1089 (3) 2116 (9) 2704 (=) 2509 (4) 3969 (70) 4356 (tt) 5184 (tt) 9801 (72) 3481 (tx) 10384 (tx) 103623 71 19044 (to) 57600 (ta) 27556 (1 t) 255025 (30) 521284 (37) 1234321 (34) 36072036 (33) 95069409 (3V) 289170025 (41) 429135971041 (33) 214 (32) 134 (₹=) #7# (₹2) 105-# (48) T25 (30) 412 (30) 1411 (44) 2444 (8x) 407, 87 (३४) √1433×2दरं×ाई का मूख्य बतायो। दशमलय का वर्गमल उदाहरण १ 1280 9241 का बर्गमूच निकासा । क्रिया — 1290 9241

दरामलब में पहले को चंक हैं उन पर पहले प्रतों की मांति पिन्तु हरापि, फिर दरामण्य के कि ह में बगता चंक द्वीहकर दूसरे चंक पर देन्द्र सताया चीर पुरु पुरु चंक होरका दिन्दु सगाये।

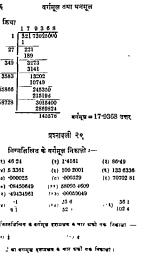
वर्षमृत्र=35-79 उत्तर

सहाहरस्य (२) २^०००²३ का कर्ममूच मालूम करो ।

बर्गम्ब = राष्ट्रिः इसर

चताहरता २) 331 75/00 का वर्गमृत रूरमन्त्र के चार चंकी तक मानुस कर्ग ।

मोट -रगमन्द्र ६ चार घडों नड वर्गमृत मातृस बरते है जिए इरामद्वद विन्तु स चार भेचडों हा घासप्रवच्या है । यह मान से पहले हो है इसदिय नीन विन्तु चीन सार दिये ।



```
विया
  1.4 1 4 2
```

मुल गिर्मत

१२७

निम्नलिखित का वर्गमूल देशमलब के चार संकों तक निकासी :--(₹•) 3 (4<u>4)</u> -0 (२६) एक बर्गाहार सेत का एंडक्ट रें। एकद है, उसकी एक मुखा (२०) हु व मनुष्यों ने 96 रुप्ये चन्दा दिया, प्रत्येक मनुष्य ने चतनी ही हुम्मिन्ती ही विवने मनुष्य थे। बवामी हर एक ने क्या :=) एक बर्गाकार सेंत का चेंबपन्न 10 एक्ट हैं, उसके वारों चीर

बाह लगाने का सर्व े घाने () पाई पति गान की दर से एक उपान में 22801 काम के हुए इस प्रकार बगारे गये है हि बुक्तें की जितनी पंक्तियां हैं उतने ही मत्येक पंक्ति में हैए हैं। बताओं, उन हुएों की कितनी पंस्तियां हैं ?

144 ष्टीमृत तथा चनम्ल (१०) एक बर्गाकार शेत का क्षेत्रकन्न ६ । वृक्ष्य है । बतानी, उसने वारों भीर है सीच पनि चन्द्र की चात्र से कोई सनुव्य र राजरंक रक कमल में कार विषय (रेग वृक्त कायन को क्षम्बाई कि तम 🕹 कुट है और चीहाई 🕏 सक्त है पूर है। यदि उसके बरावर मुख्या काचा अन्य धी बर्ग की मुक्त जिनमा होती ? (३२) बतायी, 8600 में से पना बताय कि पूरा वर्त बन आप ? (११) 57(भ) में प्रदा कोड़ में कि मुत्र बर्ग बन क्षाप ? (१४) बर शंक्या मालम करा जिसका का 10% और 1460 के धोगकम के बराबर हो। (१६) बतायो, 1800 धीर 2100 के बाच स किननी ऐसी सक्याएं हैं को पूरे वर्ग हैं है (३६) एक है जोमेंट में 68246 सिपाड़ी है। जब उनको एक ठोम वर्त के बादार में लड़ा किया गया तो 🎞 विवासी वर्ष रहे । बनाधो, सामने को एंकि में किनने थियाड़ी हैं ? (३७) एक सेशपति चपने 11559 सैनिकों को एक ठोम को के चाहार में सहा करना चाहना है। उसने देशा कि इस वर्ग को परा बरने के लिए उसे 75 और मैनिकों का सावश्यकता होगी। बताबी, इस वर्ग की सामने वाला पर्न्छ म किनने सैनिक होंगे १ धन मल (१) यन मृत्य-विकिक्षा यह या क्रांत यस स्थान गणन स्वयद्ध हा ना इनमें से प्रायेक गुणनव्यवह को उस लक्ष्या का प्रभूमूल कहती। चस ≟कायन २४ - >कायनस±े રેલાધન ≟ેં "ુેલાધન નુના,

4 का धन 64 है; 64 का धन मूल 4 5 का धन 125 है; 125 का धन मूल 5

2×2×2 को 2 की तीसरी शक्ति कहते हैं और हसे इस प्रकार जिसते हैं 2º 1 हसी प्रकार 3×3×3 को इस प्रकार जिसते हैं 3º इस्पादि 1

धनमूल का चिन्ह ³√ यह हैं। इस धिन्ह को सदा उस संख्या से पहले लिखते हैं जिसका धनमूल लेना हो।

(२) गुएनखरड वनाकर संख्यात्रों का धनम्ल प्रतीत करना ।

यदि हम किसी संख्या के गुणनखयह बनाकर उन गुणनखयहाँ की तीन भागों में इस प्रकार बांटे कि प्रायेक भाग में समान गुणनखयह हों, तो इनमें से प्रायेक भागको उस संख्या का पनमूल कह सकते हैं।

उदाहरण (१) 39304 का घनमूल प्रतीत करो । 2 39304 2 16052 2 9826 2 9826 17 4913

17 <u>289</u> =34 उत्तर

उदाहरण (२) 456533 का धनमृत निकालो ।

वर्गमूल तथा घनमूल

130

चाटवां द्यघाय

Arcrage द्यौतत द्ययना मच्चमान

(१) एक ही प्रकार की कृत राजियों के योगकत की उ पर भाग देने में जो राज्ञि भाष्त हों, उसे उन राज्ञियों का मध्यमान बहते हैं।

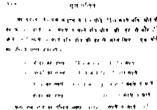
दहाराटतः बनात्मम हं पात ४ रचते हैं, बावकान् र रादे की कोरनजात के पास 6 रादे। रन रादों का

कता राष्ट्र है कि इन रावों का कीलत में रावें है। इसकी इस दहार बर सहने हैं : - हैंग्य हार्ल को हारियों को संस्ता से बरों। बर्रि पुरुष्यम सब शारिकों हे बोल्सन हे बताबर हो हो दस उस्र देश है।

المناوع المراوع والمناوي المناوي المراوع المراوع المناوي المراوع المناوع المنا कामाराम है। मेर्ड में बबस बबस 19, 4

رد مشرة چيز قد ولات Egin = 1.13

. 18 10-



CALMAN . S DIE POST as to comment of the second was a second

mode F . . Ex ## move & ale gar enel 4 and 4-pt M In med. I work in the faces a way it also and will other and fi There was to see at a favor to anyther of the the there

we see a course to to the terror we will be seen to the terror to # took there and de per me that

Appendicate and the second

- -- Ande

WAR BANK F

े गाडी की क्षीयत चाल = *** सीव प्रति वयरा

्र गाड़ा का सायत चाल सं क्या साल मार बच्टा स्वयुक्त मील मीत घएटा उत्तर

उदाहरण (१) एक केटी में 30 दात्र थे। इनकी चहरपाची का संभ्यमान 15:8 वर्ष था। इस केटी में 5 दात्र चीर भरती किये गये। इनकी चहरपाची का संभ्यमान 16:2 वर्ष है। बतायों कव उस थेटी

के दाओं की शहरधाओं का संख्यान क्या होगया है। पहले 30 हाओं की शहरधाओं का योगफल... 15:5× 50

#474 वर्षे 5 वर्षे क्षात्रों की सहस्थाकों का योगपन # 1625 5

5 वर्ष क्षात्रों की शहरमाध्ये का योगपळ = 10 25 - 56 वर्ष

35 द्वाडों की चवरपायों का योगमळ == 474 + 86 = 560 क्ये

ें बाद कीली के सब लाही की

द्यवादाही का राज्यात-504-55

∞ीं वर्ष इसह

प्रश्नवती ६१

(1) एक लहरे को बालु 13 वर्ष है, इसरे को बालु 17 वर्ष बीस लीगरे की 6 वर्ष (बलाबों लाने) को बीमान बालु बिनाने हैं हैं (4) कोसवार को संर्थ बाल 27 करने बा, संतलकार को 20 करने,

कुरकार को 1 - करते कोड नृहत्त्वीलकार को है। इनके ह

tr. es ila d. eine ein e'ini (

f. Stangages weather of another dece of

** 2	क स्वसीपत
*1	रेण के उर देश है। स्वाप ते शाब किया, 1 सेह की देश कार्ये में जोक 5 तक हत के असमा ते तत्त्व में देशी का भीत्रक दुस्तक बनात्ते के
	रके कह रें के लाव जाता है, ब्राटन हार्या आवा औप हैं। अंदरन क्षार वीचर जाने का क्षेत्रक क्षारे करायी! विस्ते रहा के राज बालकर सही से जा क्या हुनै, उस
	From your B. Call and B. S. S. S. C. Bro. Note that B. S. S. S. Bro. S. Craft B. S. S. Bro. The graph B. S. S. S. Bro. The graph B. S. S. S. S. Bro. The graph B. S.
	e Amp A 1. C & T promp A 2. C ac m A 2. C & T which R 2 = 2 f t
	ge of the street on the same. And it has been now to get the same and the same of the same and
٠	The second of th



835 मूल गणित 41. 4 प्रतिशत काम बांटा गया। बताची बादवें वर्ष किनने प्रविशत जाभ बोटा गया । (११) साव मार्मो की भीसत जन संख्या 1000 है यदि पहले हा मार्मी की जन संख्या कमरा 980, 1023, 945, 900, 1100 चौर 803 हो, तो सातवें प्राप्त की जन संख्या प्रतीय सर्वे । (१६) एक श्रेणी में 35 बालक हैं। उनका चीयत सार 34 पौड है उस खेलों में एक नया बालक भरती हुआ, तो क्षेणी का चौसरामार 35 वींद्र होगया । सबे बातकका भार बतायो । t (10) 20 बालकों की एक धेलों में एक बालक की सबस्या 13 वर्ष दो साल है। यदि यह बालक श्रता आय और इस के स्थान पर एक नया बालक भरती कर लिया आय. तो सब वालकों की श्रवस्थायों का भीमत दी महीने श्रधिक ही जाय । यताची मये बालक की धवस्था क्या है ? (१८) वर्ष 12 स्काउटों की टोली में से एक स्काउट जिसकी क'बाई 5 फुट 4 इंच है चला जाय और उसके स्थान पर एक नया स्काउट मरती कर लिया जाय, तो टोली की चौत्रत खंचाई है इंच घर जायगी। नये स्काउट की क चाउँ बतायो । ८१६१) द्वाव से तीन वर्ष पहले एक परिवार के उँव्यक्तियों की

श्रीसत चालु 17 वर्ष मी, कुद माम के परणार एक बावक उत्पत्त हुया। वस वस परिवार की श्रीमन पहले जिल्ली ही है। कमारो बावक की पायु हम मामर किना है? (२०) एक समिति में ते सरस्य हैं। पहले 5 महत्त्वों में से अरोक में 25 रुपये जन्म दिया और तुरे सरस्य ने सब सरस्यों के मन्त्रों के मण्यान में 7 रुपये चरिक दिये। बतायों कुत किना चन्द्रा स्टूड हुया?

दसवाँ अध्याय

प्रतिशत या प्रति सैंकड़ा

मित्रगत या प्रति मैंहड़ा का पर्य 'सौ पीढ़े 'या 'सौ पर 'है। यह उदाहरूए देखों :—

सन् 1504 के घारमा में रोहवानदुर की उन मंदवा 56350 थी, जो को के घन्त में 55904 हो गई। उसी वर्ष के घारमा में विजयदुर की उन्होंदवा 178300 थी जो उसी वर्ष के घन्त में 183649 होगई कब मन यह है कि किस नगर की उन मंदना में चिक्र वृद्धि हुई है।

प्रस्त में यह हो स्थाय विदित होतहा है कि विजयपुर को जनसंख्या एक वर्ष में जिन्हों को है उदनी सेहतासपुर की नहीं कहीं । परन्तु हमने हम यह परियास नहीं निकास सकते कि विअपपुर को सल्लेख्या सेहतासपुर में कविक पर रही है। हो। यदि यह पद्मा जाय कि दोनों नगरों के हर 100 सनुष्यों के पीछे बर्गमर में किन्नी जनसंख्या कहीं हो हम इस होनों नगरों को उनसंख्या में बार्षिक क्षांत्रेगी की सुक्ता कर सकते हैं की यह कम सकते हैं कि विजयपुर की उनसंख्या में कियक हित हुई या सेहतासपुर को जनसंख्या में । इस सिदान्य के कपुतार हम होनों नगरों का जनसंख्या में जो प्रतिशत बरोजरा हुई उन्ने प्रजीव हम होने नगरों का जनसंख्या में जो प्रतिशत बरोजरा हुई उन्ने प्रजीव

रोइन सपुर को जनपन्या में को कृष्टि वर्ष मा मेनुह तः एक मनुष्य पीले जो दि हुई . प्रतिशत बद्धि $= 2254 \times 100$ 56350 = 4 जयपुर की जन संख्या में =183649 -178300=5349 । बुद्धि वर्ष भर में ह*ई* तः एक मनुष्य पीछे जो टे हुई प्रतिशत पृद्धि $=\frac{5349 \times 100}{178300}$ विजयपुर की अनलंटया की यथार्थ वृद्धि रोहतासपुर की जनसंख्या यथार्थ युद्धि से चाहे र्याधक है, किन्तु दोनों नगरों की जनसंख्या की तशत वृद्धिको तुलनाकरने पर प्रतीत हक्या कि विजयपुर को जन-ध्या में उसनी बृद्धि नही हो रही जितनी रोहतामपुर की जनसंख्या उपर की ब्याल्या से यह स्पष्ट है कि प्रतिशत का चाराय वह

व्यक्ति या भिन्न है जिसका हर 100 हो। जैसे 23 प्रतिसक्त का धर्य ⁸³0 यह बात धारे आकर मालून हो जायेगी कि मतिशत के प्रस्त हाजने में धनुपान के नियम से काम खिया जाता है। प्रतिसक्त के प्रस्तों की किया करने की रीति नीचे जिये

ाइरलों से समझ में बाशायती। इदाहरला (१) १ को प्रतिसत या प्रति सेंक्का दर के रूप में टकरो।

·= ्, =40 प्रतिसन

इस परियाम का यह कर्य हुआ कि किमी संद्या का ई उस संद्या के 40 प्रतिरात के बराबर है।

उदाहरूला (२) हिसी संख्या का 75 प्रतिशत उस संख्या का कौतसा मिन्त है !

 $75 \text{ state} = \frac{75}{100} = \frac{4}{100}$

(४) हल किये हुए उदाहरए

च्दाहरस् (१) एक पारसाबा में 720 विद्यार्थी पहते हैं। उनमें से 36 द्वां सामु 16 वर्ष में स्थिक है। दवाकी क्रितने प्रतिशत विद्यार्थियों को साम 16 वर्ष से स्थिक है।

इष्ट उत्तर=: र्टेंट=:रे= १र्टेंट

= ३ प्रतिशत इत्तर

डवाहरूए (२) सन् 1905 में भारतवर्ष में 5581 नई पुस्तकें सूची। इनमें में 1544 उपन्याम थे। बताबी, उपन्यास कुल पुस्तकों का किलने मनिवास में

इष्ट उत्तर = }(\$4 = 25 लगभग

≔ • ≄ सगभग

उठाहर स्म ३) एक रुपया 4 आने, 10 रुपये का कौन सा प्रतिशक्त भाग है 4

140 मुख गाणित Ex art - 11 + 100 - 121 ≈ 12∮ মণিয়াৰ उदाहरण (%) 1250 का 6 विकास क्रमेल करे । 1250 का 6 विशास = 1250 × 100 ~ 75 THE इदाहरण (५) अ३ वीड 10 मिश्रित का 13 प्रतिसत बताओ। 81 वीर 10 हा॰] =813वी॰ × 11 -143, att -11 83 att -11 ale 16 ferfan 71 die 1970 प्रदाहररा (६) वर्ष शिक्षा सनुष्य हिसी नगर की कनसंख्या का 12 प्रतिशत भी तो दल ततर की समस्य अन्यंख्या बताची। सारी प्रजनक्या का 🔐 ~ 81(x) बारी क्षमबंख्या का 1 = 8100
 1.2 धनः वारी जनवेनवा द्याः (१८०) = १३००) x १८४३ . 15 .41 मुक्तुकाम् । क विकार राष्ट्रमाका से ३१० विकास विकासी सीमी क्किसो स क्टब हुए । ८ जीनलन को क्लिमों से और 😲 प्रीनान क्षा विकास वा अन्य कारणाव्या वा । विकासी बर्डम हो जो बनाम्बर्ड SEAR SOUND FREE BARRET

प्रातशत या प्रात सक्छ।

123

```
😷 सफल विद्यार्थियों
                   =20+36+32
  का प्रतिशत
∴ धसफल विधार्थियों 7 = 100 - 88 = 12
धतः धतफल विद्यार्थियो 7 = 12
= 100 × 750
                       = 90 सत्तर
```

खडाहरण (=) भारत के पुराने सिक्कों में 40 भागों में मे 37 भाग शह चान्दी होती थी और शेप सीट मिलाया जाता था। बताबी, शह चांडी कितने प्रतिशत होती थी ?

· 10 भागों में से 37 शब चान्त्री है

एक भाग में से 👬 शह चान्दी है।

ं. 100 भागों में से 👫 x 100 श्रद चान्डी है

चतः इष्ट प्रतिशत ≈ 👬 × 100

= 05.2 344 = 340

उदाहरण (६) एक मनुष्य ने 150 दुकानें 46240 रुपये की मोल जीं। दुकानों में कुछ सुधार करके यह दुकानें 15 रुपये प्रति दकान की दर से किराये पर दे दीं । इस प्रकार उसे धपने सारे धन पर 45 प्रतिशत भाग होने लगी । बताभी दुकानों को सुधारने में उसे क्या

शर्षे करना पदा था ?

दुकानों का किराया = 1.50 x 1.5 रुपये = 2250 suù

हिन्तु 41 रुपये किराये की] = 100 रुपये प्'जी ं पुरू रुपया किराये की] = (100 x :) रुपये

पं जी

मुल गणित 485 चौर 2250 रुपये किराये $=(100 \times 2250 \times \frac{9}{9})$ रुपये = 50000 suù धतः वह हरया जो दुकारों]=50000 हपये - 46240 हरये की सुधारने पर खर्च हुआ =3760 रुपवे उत्तर उदाहरण (१०) एक व्यक्ति अपनी चाप का 10 प्रतिशत बचाया है। हिसाब लगाने पर उसे मालूम हथा कि यदि बढ़ भएने व्यय में 10 प्रतिशत और बुद्धि कर दे तो केवज 100 रुपये वर्षेंगे। उसकी स्राय वदाशी। क्यपना करो कि चमको भाग-100 रुपये तो उसका खर्च ~ 100 ~ 10 ~ 90 रुपये । धव यदि सर्च की 10 प्रतिशत बढ़ाया जाय. तो यह 90 + 90 × 120 + 99 हो जायगा, चौर क्चत = 100 ~ 90 m 1 उपया किन्त प्रश्न की शर्त के धनुसार बचन (१॥) चव, चुकि उसकी साथ का ,' lt#। रूपये (IIXXX) हप्ये उत्तर धाय प्रक्रमायली ३२ (१) यह मनस्य का मालिक धाय 621 रुपये हे चीर खर्च धाय की 🔞 प्रतिशत । बताधो, उसका मासिक बच्चत किननी है । (२) एक मन्द्य न ंत्र) रुपये सं स्थापार करना चारम्न किया । पहुंचे माल उम ं।) प्रतिशत लाभ हथा। यह लाभ का धन उसने चपने पहले पन में मिला दिया आह दसरे वर्ष फिर स्यापार किया । परस्तु इस बार उसकी क्वन 🕯 प्रतिशक्त साम

क्या । बताको तथा साम उसे हितने रुपते का साथ क्या ।

१४३

शाला नहीं घाये ।) एक विद्यालय से 25 विद्यार्थी एयररेंस की परीचा में बेटे । उनमें से 64 प्रतिशत पास हो गये १ वताची, कितने लडके देल

हप् ? t) एक घात के हुकड़े में 23 भाग सीना. 2 भाग चाँदी चीर 5 भाग बलई है। बताबी उस बात के दुकरें में चाँदी हितने प्रतिसत है है

() एक घात के विंड में 17:25 कींड टॉन है और यह बुख तोख का 5.75 प्रतिस्त है। धान दे दिंड का समस्य बीस दवाची। o) हिमी नगर में 36000 सहुष्य इसते हैं। इस नगर में 4750 बातक उत्तरन हुए चौर रुख के बारए 5070 मनुष्योंकी बसी

गई। 😄 एक सेना के 🚶 प्रतिरात सैनिक दीसारी से सर राये। रोप सेता के 14 प्रतिरात सैनिक तहाई से मारे गये । यहि बद 84624 केंब्रिक रोप हो। को बताओं प्राप्तक से कियने मैंब्रिक थे ! तान संगरी की जनमध्या सन् । 💉 में कमा 15%ी.

होगई । बताबी वर्ष के बन्त में दितने प्रतिगत उन मैल्या वर

्र ^क वा - ' भ व' झीर ! ' में पहिले दो नवसें हो उनसंख्या । तथा ५ अंतरात दर गर्र होर तीमरे स्या ही इस्फरवा _ प्रतिशत वट गई | इतादो नामी स्मामी ही समस्य अनसंख्या हिल्ला दर ध्रयंता घर गई ।

एक स्यापारी को अपनी पू जी के एक तिहाई पर 30 प्रतिशत.

तथा चौपाई पर 👫 प्रतिशत लाम हचा: घौर शेप पूँची पर

١:

15 प्रतिग्रह पाया हुआ। बताको, उसे सारो प्रंजो पर किनने प्रतिग्रह लाम हुआ। है । वित्र लाम हुआ। है । (११) एक प्राथशी ने 10000 पॉक से स्थापार चारास्म किया। पर्से वर्ष में उसे 10 प्रतिग्रह लाम हुआ। हुस बाम को उसने मूज-पम में ही मिला दिया। दूसरे वर्ष उसे 20 प्रतिग्रह लाम हुआ। प्रति करे 20 प्रतिग्रह लाम हुआ। हुस बसे उसने हुआ प्रतिग्रह की प्रति प्रति के 1000 पीरों प्रति की स्थाप हुआ। हुस बसे उसने हुआ प्रत में से 6000 पीरों

का कितना धन समा हुथा है।

का एक खेत भोत से जिया। बताची, श्रव उस ब्यापार में उम

मुल गणित

455

रिणालय के एक विभाग में 156 लाइ है। यह जबके इस विभाग के विद्यालयों को संख्या का 65 प्रतिस्तर है। इसरें विभाग में 162 लाइके हैं और यह उस विभाग के विद्यार्थियों को संख्या का 45 प्रतिस्तर हैं। बजाओं, राज्यालय में कितने प्रतिस्तर लाइके हैं। (१३) एक स्तर्गक के पास 300 रन गृष्ट भीर 65ई यीक कारते हैं। सुद का स्वर्ग 1 थींद 16 स्तित्या प्रति रन है। वहि गृद का स्वर्ण 6 स्तित्यत यह जाय और कारों का स्वर्ण देंदें वेंस प्रति

(१4) एक शिपालय में लड़के और लड़कियां इकड़े पहते हैं। उस

पौंड बड़ जाय तो बताची जसके पन में दिनती बसी पा वृषि होंगी? (१४) एक नतर को अन्तर्वस्था पहले वर्ष में हर वर्ष 2.5 मतिशन बड़ जाती है। यदि दमको जनवंब्या 1892 हो, ना बनाची तोत बर्ष वहले इमको जनवंब्या 1892 हो, ना बनाची (१४) एक नदस्य कियांचे क मकान म दहता है। अकात का बितायां

> इसकी संप का ्रंभाग है। किराया इन रूपमान जो कृष बचता है उसका भागारिकान मोजन बस्त्र साहि पर साथ ही

- जाता है। यदि उसकी वार्षिक बचत 1260 रुपये हो, तो उस की चाय क्या है ?
- (१६) किसी परीक्षा में 'A' ने समस्त धंकों का 48 प्रतिशत, चीर 'B' ने समस्त थंकों का 33 प्रतिशत खंक प्राप्त किये। यदि दोनों के एंकों का बोद 567 हो तो समस्त धंक प्रताधो।
- (10) SI इंच लम्बी मोमबची 12 याने प्रति दर्जन विकती है हसी प्रकार को 101 १ रूच लम्बी बर्चा 14 याने 8 पाई प्रति दर्जन विक्रती हैं। बतायों कांन सी मोमबचियाँ सहती हैं धीर मस्ती मोमबचियां मोल खेने से मुक्ते कितने प्रतिशत बचत होगी ?
- (12) मेंने 10 रुपये के कुछ लेव लिये। यदि सेवों का मूल्य 20 प्रति शत घट जाय तो सुमको 120 सेय प्रधिक मिलें। वृक दुर्जन सेवों का मूल्य प्रतायो।
- (18) एक दिवालिये की उन्न सम्पत्ति का मुख्य 1832 पीट है। चीर उसको 21140 पीड च्या देना है। यदि दिवाले का सर्च उस के जान का 121 प्रतिशत हो। वो दवायों ,च्या दावायों को एक पीट में क्या मिलेगा?
 - (२०) मेरे महान का मृक्य 11400 रुपये और बीमे की दूर 5 प्रतिशक्ष है। में हम महान का शितने रुपये का योगा कराऊ कि यदि महान नहें । भाय तो मुक्को महान का मृक्य और बीमे बा क्या (शिमियम होनो प्राप्त हो जाएं ! स्थता | 100 - = 95
 - (रुपये ही बस्तु हो १०१ रुपये हा बनाया जाय)
 - (२९) एक यन संप्रतिशत पर चाशास निरुष्ये । इसके प्रश्ति जिल्ले पेर क्षेत्र तसे असीतशत काला दियं गयः यदि प्रश काला पाइस समय रिप्त भाषा ता वताया । युक्त कितने अ

मुल गणित (२२) एक म्यक्ति 12 दिन में चार घराटे प्रति दिन चल कर 360 मील की यात्रा समाप्त कर लेता है। यदि वह धपनी चाळ 20 प्रतिरात श्रविक कर से भौर 450 मील की बाबा 20 दिन में समाप्त करे, तो बताओं वह धतिहिन कितने धयटे यात्रा करेगा १ (२३) यदि किसी यायातकार चेत्र की सम्बाई 20 प्रतिरात बदा दी जाय चीर चीदाइ भी 20 प्रतिशत बढ़ा दी जाय, तो बनाची उसका चैत्रफल किनने प्रतिशत बर जायगा है (२४) यदि किसी भायशकार चेन की खरवाई 15 प्रतिशत बड़ा दी जाये और उसकी चौबाई 15 प्रतिशत घटा दी जाये ती बतायी इसका चे प्रकल कितने प्रतिशत कम या थश्रिक हो जायगा ? (२१) एक परीचा में सम्पूर्ण चंद्रों की संदया 1000 थी। इतमें 'क' ने 'ख' से 20 प्रतिभत चित्रक चंड प्राप्त किये चौर 'ख' ने 'ग' से 10 प्रतिशत व्यक्षित, चीर 'ग' ने 'घ' से 20 प्रतिशत कम। यदि 'क' ने 060 चंड प्राप्त किये हों तो बतायां 'य' ने युद्ध चंकों में से किनने प्रांतरात चंक प्राप्त किये ? (२६) एक परीचा पत्र में 5 प्ररूप थे। 5 प्रतिशत ब्रहकों ने सारे धन्त इल किये। उं प्र'तरात सबकों ने किसी प्रश्न का भी उत्तर नहीं दिया । 🕹 प्रतिशय सहकों ने केवस 1 ५२न इस किया। और _U प्रतिशत अवको ने । प्रश्न हवा किया । इसके अविशिष्ठ 20 प्रतिशत सदकी ने दा प्रश्न इस क्रिये, तथा शय 200

सदकों ने 3 प्रश्न दक्ष किय । बताका प्रशिक्त व किनन विद्यार्थी

42 ù 1

126

ग्वारहवां अध्याय

लाभ श्रीर हानि

वय होई स्वाचारी या दुकानदार क्याचार कारम्भ करता है तो उसे यह घारा होती है कि विस मील पर मैंने माल जिया है उससे क्रिक मील पर ये वह मूख्य दिस पर यह क्ष्यना माल येवता है, क्रिय मूल्य क्यांत् वह मूख्य दिस पर यह क्ष्यना माल येवता है, क्रिय मूल्य क्यांत् उस मूख्य से विस पर उसने माल जिया था, क्षिक हो, तो उसको लिम होता है। सतः हस अवस्था में लाभ = विकृत्य मूल्य —क्ष्य मूल्य । यदि विकृष मूख्य, क्ष्य मूख्य में कम हो तो स्थापारी को होनि होती है।

उदाहरस्यतः यदि में एक मकान 2000 रुपये में मीत सूं धौर उसी समय 2500 रुपये में बेच टालू तो मुक्त 2500—2000 घ्यात् 500 रुपये लाम होता. धौर यदि उस महान को 1800 रुपये में बेच दें तो मुक्को 2004—1800 = 200 रुपये होनि होगी।

यदि दिल्लायी यह नियम समसलें नो उन्हें लाभ स्थीर हानि के प्रश्न हल करने में कोट कष्ट न होगा :—

- ः साम द्वीर हानि सदा क्य मल्य पर होता है।
- २ द्रश्न संबद्धिः बङ्ग्य सून्य िशः र नो क्रम्य सून्य निकाल जिस्सा अप
- .३ प्रजन से बरि जाम और हानि बनि मैंकडा दिया हुआ हो तो निम्नजिखिन मिदाल्नो हारा ऋथ मूख्य चार विकय मूक्य निकाला जा सकता है।

```
क्य सूख्य = \frac{12\pi\alpha}{(100 + \sin 2)} स्व सूख्य \times \frac{100}{(100 + \sin 2)} सा \frac{100 - \sin 2}{(100 + \sin 2)} सा \frac{100 - \sin 2}{(100 + \sin 2)}

विचयत्त्य = \pi\alpha सूख्य \times
= \frac{100}{(100 + \sin 2)}
उदाहर्राण् (१) मैंने एक पक्षे 150 रुपये में सोब को धौर 2

प्रविद्यात काम में देव दो, बतायो, मैंने बड़ो कितने में देशों थी। मुंगे

कितने रुपये का साम हुआ।
```

मल गणित

= $150 \times 9\overline{q} + 150 \times \frac{2}{150} \times 9\overline{q}$ = $150 \times 9\overline{q} + 30 \times 9\overline{q}$

= 180 ह्यये : लाभ = 180 ह्यये - 150 ह्यये

= 30 रुपये बतः विरुष मृत्य = 180 रुपये

थीर क्षाम≈30 रुपये उत्तर

185

उद्गाहर ए (२) पक स्थापारी के साल का विकय सूचय उसके अय

मुख्य से $12\frac{1}{2}$ प्रति सैंकना धिषक है। यदि वह अपने प्राहकों को विकय भूक्य पर 4% कमीशन है, तो उसे प्रति सैंकना कितना क्षाम होगा fसान को कि क्रय सक्य = 100

त्रो विकय स्थ्य = 112} स्थापारी विकय स्थ्य पर 1 शीत सैंकडा कसीशन देता है

स्थापारी विकय सुरुष पर 1 शित सैंकडा कमीशन देता है . कमीशन = $11\frac{1}{2}$ का 1 प्रति सैंकडा

धतः वास्तविक विकय मृह्य = 1124----14 == 108 धतः लाम = 8 रुपये

∴ उसका प्रतिसेंकड़ा साभ = S उत्तर

उद्गहरण (२) एक बस्तु के वेचने में 17½ प्रति सेंब्हा साम होता है, पिंदु इस साम 56 रुपये 14 धाने हो तो यस्तु का कय मृत्य बतायों।

जब 175% साम दोता है तब कय मूल्य 100 है। जब 1 साम होता है तब क्रय ... 100 x 2

त्रदा सामहाताह तद क्रय ,, 100 x : 35

56 रुपये 14 धाने धर्यात 🛀 लाभ होता है तब

हर मृहय $\frac{455}{8} \times \frac{100 \times 2}{35}$

= 325 हुपूर

्र इ.च मृत्य = 325 स्पर्धे उत्तर

उत्तहरण (४) 5 रुपये गत के भाव में बन्नात बेचने में 4 प्रति

सेंहड़ा की हानि होनी है, बतायों, में किय भाव में वेच् कि 5 प्रतिशत साम प्राप्त हो ?

प्रकाश बन्नात का पहला विकय मृहर=5 रुपये

चतः एक गत रप्पात का तम मृत्य – $5 \times \frac{100}{100-4}$ – $5 \times \frac{100}{96}$

भौर इसरा विक्रय मृत्य कर मृहद र 10045

5 रुपये 7 धाने । पाई उत्तर

हराहरमा (४) वृक्ष महान 2400 रुपये में देवने से 20 प्रतिशत हानि होता है यो, वहां महान । १० रुपय में वृष्टा अप तो दनाझी दिनने प्रतिशत कार्य प्रयोग होता होता ११० सूल गोण्डि ।

20 प्रतियम हानि का कर्य है 100 के 80

बाब विद्यय मुख्य 80 है, जो अब मुख्य −100 हमये

बाब विद्यय मुख्य 80 है, जो अब मुख्य −188

बाब विद्यय मुख्य 2400 है जो अब मुख्य −2400 × 100

—3000 हमये

बाम =3500 रु − 3000 रु − 500 हमये

3000 यर जाम −500 हमये

1 यर बाम =339

100 पर साम = $\frac{100 \times 500}{3000}$ चतः लाभ . 16् प्रति सैंकड्रा प्रदनावली ३३

क्षेत्रर 15 प्रतिनात के जान से येथना है, पुस्तक का दिव्य पूर्ण निज्ञांथे। (२) पूर ब्यापारी ने 300 पात बण्डा 120 रुपये में मोख जिया और इसमें से 250 पात, 7 बारे 6 पार्ट् पति पात की इस से और शेष 3 पाती मति को देर से क्षेप, स्वाची उसे कुछ मांब पर विजने वितास जाभ या हार्बि हों!

(1) एक पुस्तक थेदने वाला एक प्रस्तक को 7 रुपये 8 द्याने में मीख

 (६) एक बदी 20 विकास के साथ में 15 रुपये में दिवसी है, वदी का क्रम मुख्य करायों।
 (७) एक स्वापारी को दिला करदा। रिपये दि बाले बित सब के भाव ने वचन में 15 विकास का दानि रहती है, यक सब करते के अब करता का बात।

एक बोडा घोता ७ रपथ । याने को देखने से द्वानदार की 10

प्रतिरात साम हुआ; धनाधी यह उस लोई की कितने में येथे कि उसे 20 प्रतिरात साम हो।

(६) एक दुकानदार ने कुछ माल 5 मानसब की हानि से 76 रुपये में थेचा यताची यह उसे क्तिने में वेचे कि उसकी 25 मिन यन लाभ ही ?

(७) एक स्पापारी धपने माल पर क्रय मृत्य से 25 मित सैंक्टा धिक दाम दालता है; परम्तु अपने माहकों को रोकदा दाम देने पर के मितरात कमीरान काट देना है; बताधी उसकी मितरात नया लाग होता है ?

(म) एक स्थापारी का दिख्य मूहब क्रय मूहब से 20 प्रतिशत प्रथिक हैं: यदि यह अपने प्राहकों को विक्रय मूहब पर 6 प्रतिशत कमीशन काट दे तो उसे कितने प्रतिशत लाम होगा ।

(६) एक स्यापाता घपनी लागत पर 15 प्रतिशत लाम घाइता है; यताची कि वह घपने माल का दान कप मूल्य से कितने प्रतिशत व्यथिक रखे कि वह प्राइकों को अप्रतिशत कर्माशन दे सके।

(१०) एक सेत 12: मितरात के लाग पर 5 । रुपये को विका: यांत्र वर्दा ऐत 4:5 रुपये को विकता तो क्या प्रतिरात हानि होता !

11 एक स्थानका अनिकार का भागि में उन्हर्सन है। यदि यह साथ का लिक्स भल्य । पैंच जात कि उदा है, सी इन जातका का चाम का क्या मल्य जीत यीह बताओं.

(१५) - क काम्मान पुरु बहुत हा ह्या, दार प्रार्थः । यात्रधान साम् च प्रार्थः । विवास प्राप्ताः ३ व वन्त्र को १ क बुकानद्रास के हाथ १ प्रोत्तरान साम म चन्त्र हा बुकानदार उस बस्तु हो १४२ मूल गिएल 271 रुपये 13 साने में वेषकर 12 प्रतिशत साम उडाता है, यसायो पर तमन कारीकर को किन्दों में क्लो की है

वताची वह वस्तु कारीगर को किनने में पड़ी थी ? (१६) के एक बकरी की खें के हाथ 12 प्रतिशत लाभ से वेचता है,

ख इस की ^मिक हाथ 15 प्रतिरात हानि से वेचता है, म उसकी ^मिक हाम 29 ह*े 12 चार में वेचवर 20 प्रतिरात*

साम उटाता है, बताधो कि को बकरी का क्या मूल्य देना पक्षा था ?

पड़ा था ? (१७) एक सतुच्य ने 250 नारंशियाँ मील जीं। उसने 100 नार्शित्राँ उतने मुख्य पर बेचीं जितने में उसने 250 मील जी थीं, उसका प्रति में कहा जान करायों।

तत सक्का जाना बतासा।
(१२) एक स्थापती में 12 कातुर्य 20 कातुर्थों के क्रय मृद्य पर संघी
धताधो उसकी कितने मितरात ताम हुया।
(१६) एक स्थापती में एक स्था 124 प्रतिमत काति से धेयी। सर्दि

(१६) एक व्यापारी ने एक वस्तु 12 में प्रतिशत हानि से वेची । यदि उसे किया प्राप्त मिलने तो केवल 10 प्रतिशत की हानि तीनी, वस्तु का क्रम मुक्स चताओं।

लाभ और हानि के कंठिन प्रश्न

भोका देने वाला प्रदन बदाहररा (१) एक स्पन्ति ने री. महान वेचे सीर प्रापेक का 3090 रुपये मोल लिया। एक महान वर उसे 7ए साथ हमा सीर दूसरे पर 7ए हानि। बताया उसे उस व्यापार में हिनने प्रतिगत साम

बा हानि हुई ⁹ विकय मुख्य (प्रांध) रूपवे स्थाप प्रतिशत रि राम और दानि 123

ं पहले सकार कर] — (११५० - 169) रहते कर मृत्य] ल (१९६६ - Chias ret तिश्य मृहय - 3 m बर्गीते ⊈्रेगाच ्रमुक्ते बहार हा] ्ठ ७००, १००, इस सहय दीरी बहारी का बद-मृत्य - ३५ ०० - ३०० रुपये -X 441 775

होती महारी का दिवस सुम्य असेराग अस्ता = 1981 हार्ति । १८ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १ १

् हानिकविष्यम् = च्यार्थाः = दे

-: TTT

एकपुररा १२ द र सुद्द गरंभीदर्ग दृष्ठ घाने की लीत के भाद से को क्षाचे की उत्तरों ही नारेरोची पूछ कार्ने की ही के भाव से सेक्ट सह कारेगोर्वी हो गाने की पीच । भाव से देख हो आहें ही बताओं क्या प्रतिगत हानि हा साथ होता ै

इस मान में पार्त एवं एवं नाती का दाम सी । दोनों प्रकप **हो एह एवं नारं**गी हा इयनुरच=: गाना चौर ने चाना है । े ही बारियों का कामूल्य=हें सहें = , प्रारा

हो नात्मीको का विद्ययम्बद = (x2= : द्यान

> (** FRE = 1 x x 10) = . s erig ras

राजरा । रक्षणाचा । याने का । येर लय जीत जेला है

ोर बसमें कुछ पानी मिशाहर 3 माने मित सेर के भाव से वेचना है। स महार उनको 50 मितात खाश होता है। बनायो कह किनना ामी मिलाता है। चिने मस्त्रों में वाली का सूच्य — 0 सावज] वाली मित्रे हुए कुछ तुख का सम्बन्ध — 110 माने , , , विक्य , , = 10 x +32

मल गणित

श्चर्यायीज गणित द्वारी सान और किय्यामा स्मेर कृष्य स्ट सेर पारी निकारा है।

4 सेर पूथ का क्रय सबय न (4) श्राने (4 + ट) सर सिध्यण का क्रय सुबय 10 क्राने

राती को 15% द्वानि दोना दें। यदि यदि कमा म की आप, सो वर्षे मने प्रतिमान नाम दोगा ? कमाना को कि इस सम्मुका कम मुख्य, 100) स्थय, सी 15%

न होत स %5 राज रूप रहते हैं, यह %5 राप्ये समयो किरमपूर्ण अर्टी है, कार समयो किरन सुग्न इस स मुनना संचार 85×2 17 / है

स्थाद है कि इस गिल साम दोगा।

्रेज्ञप्रतातः । से वद कानुदाः । प्रान्तनन दानि से वेचवा है। र सुध्य क्षेत्रप्रस्तान सः । स्थान धानुवान ना सुध्यः । प्रतिप्राप्त

। शुष्ता संस्था का स्था स्था स्था करायाँ संदेशका । संस्था का स्था स्था स्थापका

23



१४६ मृल गणित स्वाहरण (७) एक बचने वाले ने 150 गळ कवना 350 र

में भीव जिया चौर इतने में बेचा कि उसे 25 शत कपड़े के दिन मूच्य के बराबर डानि हुई। बताओं उसने यह कपड़ा किस दर से वे 150 शत का कप-मूच्य ~350 रुपये

150 गत का क्रय-मृत्य≈350 रुपये इस कपड़े की बेधने में हानि 25 गत कपड़े के विक्रय-मृत्य

इस कप इका बचन य होति 25 गत्र कप इ के विक्रय-मूक समान है।

स्मान है । चतः 150+25 या 175 गज कपदे का विश्रय-मुदय=350 ।

श्रयया बीज गणित दारा

मान को कि एक गत कपने का विशय-सून्य=x रुपये, सो 150x=350-25x

чт 150x + 25x=350

या 175 r=350 र∗ 2

सांक २० प्रतिशत साथ से वेचता थे। उसे 78 रुपये चार्यक क्षित्रणे पुत्र सन स्वांत का स्थ-स्वय बनायो । करपना को कि एक सन सांत का सप-स्वय - 1 रुपया

दशहरसः (=) यह स्थापारी 30 मन स्रोड 5 प्रतिस्थाय साम । स्रोट 40 मन स्रोड 15 मनिरात साम में वेचना है। यदि सह सार

. 30 मन का कव-मूक्य - 30 क्यये 30 मन वर भि. साम = 30 का भि.

30 सत्र पर भि∑ क्लम=30 का औ =30 ...

चीर ३० मन सांच का तम-सन्य ३० रचये

ं इस प्रवार बुख साम=\$+0-7} रुखे यदि बहु 70 मन खांड 20 प्रतिशत साम से येथे तो उसे 70

यदि वह 70 मह खांड 20 प्रतिगत लाम से वेचे तो उसे 70 का 20 प्रतिगत लाम होगा।

.. इत साम = 70 का _{१सी} =14 कार्ड

पहले सीरे की बारेका उसे दूसरे सीरे में 14-7!=6} कांपिक साम होता है।

बद यह बन्तर 6} रचये हैं, हो एक मन का ऋप-गुह्य ≈1

बह बन्दर 78 रुपये हैं. तो I मन का क्रय-मुख्य

=1×2×78

=12 रपदे

भवः मय-मूल्य = 12 रुपये प्रति मन उत्तर

ड्दाहरण (६) एक कम तीतने बाल दुकानदार जिस भाव भागव साता है उसी भाव पेच देता है। पदि वह प्राहक की 5 सेर के स्थान पर 4 सेर 11 मुद्रोक भगाव दे; तो बताभी उसे कितने प्रतिदात साम होटा है!

. . 4 सेर 11 वर्षक पर साम = 5 सेर ~ . 4 सेर 11 वर्षक) - े वर्षक

क्षेत्र !! वर्षेकदा " द्वांकदर साम = वर्षेक

• वर्षे≽ स सान् = ं गार्फ

१४८ मृल गणित = $\frac{20}{3}$ −6% चनः साम प्रविसत = 6% उत्तर

चतः साम प्रावसतः ≈ छ ; उत्तर् उताहरण (३०) एक मनुष्य एक वस्तु मोज क्षेता है सीर उसकी 20 प्रतिस्तर साम से येथ देता है। यदि इस वस्तुका क्रयसूरण

20 प्रोतकीत सामें से येच देंशा है। यदि इस बस्तुका क्रयसूच्य 20 प्रतिज्ञान कम होता थी। वह उस बस्तुको पहले से 15 सिक्रिय क्रम में वेचना से देने 25 प्रतिस्तत सामे होता। वस्तुका क्रय-सूच्य वनायी।

कश्चना करो कि तय-मृत्य = x रुपये सो बहुदा विद्रय-मृत्य = $x \times \frac{120}{100}$ x

 $\frac{80}{5} = \frac{4}{5} x$

ह्तरा विश्वय-मृत्य = $-x \times \frac{125}{100} = x$ तोनो विश्वयम्त्यो में सन्तर = $\frac{x}{5} - x - x = \frac{x}{5}$

यह धन्तर धरत में 15 जिल्लिंग बनाया गया है - चन्नर = 15

या z = 75 जितित

कतः द्वय मुख्य = 3 पींड 15 जिलिय वटि यह दस्त प्रदर्शालय हो स हथ करना हो, यो सायवानी पे

ब्रह्मा इ.स. १८५४ प्राप्त को इस बहार बहुन आ वह जन्म्य वह बस्त आप करते हैं भी उसको और विशेषण

वक् बनुष्य पर कान साथ जना है घार उसका उर प्राथमण इ.स.स.चन हैना राज्यार उस कानूका क्यान्यूच्य ≛ा बनिधन इ.स.काना घार वर हुमें प्राप्तात नास पर योगना, ती उस पम्नु का विज्ञायमस्य पहले में १५ शिलिंग कम होता। मयमस्य प्रतास करो।

सर कराता करो हि वसमूच्य = 100 शिक्षिम सो पहला विजयमूच्य = 12 शिक्षिम कृष्या वसमूच्य = 80 शिक्षिम कृष्या विजयमूच्य = 880 शिक्षिम = 100 शिक्षिम

वित्रय मृत्यों में धम्तर = 12/-1(n)

= 20 হিচমিন

दर दर भागा 20 मिलिंग है सो प्रयमुख = 100

.. .. 1 = 100

= १८ स्तिका = 3 पीट 13 सिविस

प्रसावली ३४

(1) एक महत्त्व किसी वस्तु को 10 मेरिहत की हानि से वेचता है। स्वीर उसे 34 रुपये करिक मिल बारे, तो 123 स्रीतरात साम होता। बतायी उस वस्तु का स्वमृत्य क्या है !

(२) हू- का मीत 25 प्रतिशत का गया है। बतायी सुमाने स्तिने प्रतिशत १५ कम दौना चाहिने कि मेरा शर्वा न को !

(१) एक स्मापारी एक सार्वेष्ठिक के जिसे हुए मील का 25 प्रति सैक्स कमोरान देकर भी उने प्रति सैक्स साम उदाता है। यक्का वह एक सार्वेष्ठिक का किनने प्रति सैक्स मोल क्षत्रिक जिलाह है।

्र मेन इ' बांडे '" बाँड में भीख खिये। उनमें स एक की सैने

15 प्रतिशत को दानि चीर नृमरेका 19 प्रतिशत के साम प्र बेच दिया । यदि दोनों घोड़ों का विकयमूलय बरावर हो, तो हर थक घोडे का ऋत्रमस्य प्रदीत करी।

250

मुल गणित

(१) वक रुपये की 12 मार्रिंगयाँ बेचने से मुक्ते 10 प्रतिशत शानि होती है। बताओं एक रुपये की कितनी मारंगियाँ नेयु कि मने 35 प्रतिशत साभ हो ? (६) एक स्थापारी एक बस्तु की कुछ मितिरात हानि से बेच रही है।

वृद्धि उस वस्तु का विक्रयमुख्य 10 व्यविद्युत श्रापिक हो जाए नो उसको 20 प्रतिसन साम हो । यताओ वर्ष उस वस्तु की कियने प्रतिशाद हानि से बेच रहा है। (o) 7 रुपये 8 माने प्रतिसन कुथ बेचने से एक ज्या है की 10 प्रतिसत हानि होती है। बताची वह किनने बानै प्रति सेर के

मात्र सन्ध वर्ष कि उसको 10 प्रतिशत क्षाम 📢 📍 (=) 10 भाने अति दर्जन के भाव नार्रियाँ वेचने हो एक स्त्री की 74 प्रतिहात हानि उठामी पहती है। यदि वह 12 बाने की lo नारंक्षियों क्य को इस विद्यान प्रतिसन साथ का हामि

द्वारी ? (६) एक कुँबरे का मेर का बाट 15 दर्रोड का है। बहु गुढ़ कार्य मर चेंगुर मीज बेहर ! रुपये मेर के मात्र ही बेच रक्षा है।

बनायो वह किनना प्रतिगत लाभ उठा रहा है। (६०) ८। पूरतको का ऋषम्बन्ध १५ पुरुषको क विकाससम्बन्ध के क्साकर

है। इतिशत साम बनायों। . ६६३ किया संभावत है विषयमध्य में १० व तमन का बार्स **सर्थ**

4 - 1 अंतरत ६ मान मान है। बन का सबकी बहुते TERMON TO 117 -4 . THE END F

८०४ ६० धारा १२६ रुप्ते से देखने से बस्सूरत के हुं ह ब्रावर साम होता है। ब्रासूनर बहामी। ११६) एक सरहे में बुद सम्बंद एक बाने के बार-बार कीर उक्त मनारे एक बाते हे पॉय-पांच हे मान में मोज जिपे, बीर ज नियाहर को कार्न हे मीनी हे भाद से बेच दिया। बता उमही हिन्ने प्रतिस्त साम या हानि हुई।

(१६ पूर स्थानमी ने एक हुँबानमा को २० प्रतिसद साम से सा रेचे. पान्तु हुकानदार का दिवाला निकल गया चौर बस हरदं में 11 मार्ने हा मुगनान हिसा। द्यामी ह्यांचारी ही हितने मितरात साम या शानि हुई। (18) एक ही दवा है हाते के दिए के माद में बुद्द काम मील खेला है

कीं उतने ही काम 3 को है है है। व मान से मीत सेता है । बर दनहों निजा दर 3 काते ३ 20 के भाव से धेच देवा है। उसहा लाम का हानि प्रश्चित क्याप्ते। (14) एक ब्याउनी में भी बोहें भी भी रुद्धे में देखें। उसने से एक पर को 20 मनिस्त लाम हुआ और दूसरे पर 25 मतिसन

हाल । स्वादो उसे बितने प्रतिसत साम या हाति हुई। [संदेत-साम पा हात धपमृत्य पर ही होती है, विद्यमृत्य

बा इस को 20 प्रतिशत कम में भीत सेता की 1 सिवित इस में बेबता को उसे 25 प्रतिस्त साम हरेगा। उस वस्तु का कदमूब्द दवाको । (१० ५० वन्तु ३ मतिसत साम संवेषां गयो । करिका कानु ३ भावरात कम में मोत्र को जावा की, | मिर्टिंग कम में तैसी

दर नहीं] (10) पुर मनुष्य पुर बस्तु को 20 प्रविस्ता साम से पेपता है। करे

जाती, तो 10 प्रतिशत जाम होता। उस वस्तु का क्यमुख बतायो। (18) एक मतुष्य ने कुजु रुपये क्षेत्रर स्थापार धाराम किया; परंते स्थापार में मुख्यप्त कर है भाग बादा देखर दिन रेख रुपये से दूसरा स्थापार किया और उसमें उसने 10 द० मैक्दा बाग उठाया, तोसरी बार एक और ब्याचार किया और जनमें पूँजो के हैं, माग की हानि हुई, पराचु चीथा बात को बायार किया उसमें उसे 605 हुएये जीव मैक्दा जाम हुमा और उस समय उसके बास 10,000 द० थे। बतायो उसने कितने रूपये केंब स्थापार धारमन किया था? (१०) एक थोदा 40 पींट को ओज जिया और 8 मास की ज्यार प्

मूल गणित

252

4.5 वीड में वेच दिया। यदि बगात की चारिक दर 6 वीड प्रति तीडडा हो तो प्रति सेंड्डा बगा आप हुया। (२३) एक क्लिट के लेख में एक देखेरार ने एक नियत मोच पर 125 प्रतिश्वत लाग उडाने के साराय से 24 मनुष्यों के भीजल का के? लिया। 3 मनुष्य चनुपरिकत रहे, रेख 21 मनुष्यों से निवा सोख प्राप्त हुया चीर देखेरार को 2 ड० को हानि हरे, बचाने वर्ग प्रयोग मनुष्य के भीजल का बया। मोच निवा किया गा। (२२) एक प्रसार्थ में २ राज्ये मन वाले 20 जन बचार्यों में 3 दर 8 चाने मन वाले हुय बचारत निवाश है चीर निचय की 3 दर

12 चाने सन वेचने से 10 रुपये जाम उठावा है। हगाओं उत्तर कितने वाचल सिवाए चीर चापनी ट्रंकी पर प्रति सैटा क्या लाग उठावा ? (२६) एक मनुष्य 5 छिठ सीर नीवत को इस से महिरा सीव छैठा है चीर उसमें पानी मिलाकर सिम्प्य को 4 छिठ महि सैवार के माल में क्या कर 123 शत सैवहरा जाम उठावा है, जो निर्मा

रीखन से पानी की साथा बताची है

लाभ कौर हानि

(१४) एक चतुर स्त्रों एक दुबान पर गर्द करें हैंगा कि विकर में दे क्षातिस निवाद है उनते ही सम्मान कि है। उनते हत्ते £\$3 रवंग मार्रेषव मोव विष् भीत एक गारिस्त के स्ति में सार्वे कि ? सार्वे के बहुते में है महिला के कर कत 8 महिनाम के कहते में देश महि। करते में उ महिन के बहुत में 8 बेर मोब जिल्ला कारण 3 के क्या अपने के उमहो लाम हुँहा दा हाति :

वारहवाँ श्रध्याय सावारण न्याव

(१) जो स्पिक राया उपार लेता है और इसकी कुछ समय कक अपने काम में लाता है, वह अपने घनी की नियत समय के पीतने पर उस रुपये में काम लेने के पहले में कुछ रुपये देता है। इसका नाम स्यात है।

है। इसका नाम क्याज है।
(२) क्याज को दर स्पादनात हर सौ राये पर एक वर्षे के जिये
व्हार्स जानी है हमें वार्षिक मनिशात दर करने हैं। इस

वापिक प्रतिशत दर से सारे रुपयों का क्याज फैला सेते हैं। असे पदि वापिक प्रतिशत दर है रुपये हो तो

∴ 100 रपये का बराज एक वर्ष के जिए = 6 रपये ∴ 200 रपये का बराज एक वर्ष के जिए = 12 रपये चीर 50 रपये का बराज एक वर्ष के जिए = 3 रपये चीर 25 रपये का बराज एक वर्ष के जिए = 13 रपये

इत्यादि । (३) जिम साँश पर स्थान सगाया जाता है उसे मूलधन कहते हैं।

(४) मुलधन में ब्याज और देने से जो शक्ति बनती है उसे निश्रधन कहते हैं

भारतवर्ष में माय. स्वांत प्रतिवर्ष प्रतिशत खबवा प्रतिमास निरुपये की दृर में लगाया जाता है । इन प्रश्नों की किया की देख हर यह बात स्पष्ट हो जायेगी !

यह बात स्पष्ट हो जायेगी। उटाहरुस (१) 625 स्पर्यका स्थान 3 वर्षके विदेश की

ाल प्रतिवयं €ी दर सं।नदाला ।

(४) ऊपर की किया की देखने से हमको स्याल निकालने का बह नियम प्राप्त होता है:---

नियम - किसी राशि का स्थात, किसी विशेष प्रतिशत दर सं, किसी विशेष चर्चाक के लिए

> _ मूलपन × दर × श्रवधि 100

(६) यदि मिश्रधन प्रतीत करना हो तो मूलधन में स्वाज जोड़ दो।

जैसे कपर के उदाहरण में क्रिश्चन = 625 रुपये + 75

= 700 xuù

यदि केवल मिल्रधन प्रतीत करना हो, तो किया इस प्रकार

100 रुपये का मिश्रधन तीन वर्ष में = 112 रुपये

. . 1 रुपये का मिश्रपन तीन वर्ष में = $112\div100$ रुपये छतः 625 रुपये का मिश्रपन तीन वर्ष में = $625\times112\div100$ = 700 रुपये उत्तर

सदाहरण (२) 256 रुपये का 3; वर्ष का ब्याज 3 प्रतिशत ति वर्षे की दर से प्रतीत करों । इयातः मृलघन × दर × ऋवधि 100 मुलधन=256 स्पर्य $\overline{q}_{\overline{q}} = 31 = 10$ चविष =3? वर्ष=¹? वर्ष $= \frac{256 \times 5^{\circ} \times 1^{\circ}}{100}$ 32 64 235×10×15 =32 रवये उत्तर -200×2×4 सपाहरण (३) 292 रुपये का 50 दिन का क्यांत 5 प्रतिस्व तिवर्षं की दह से प्रतीत करी। 292 × 5 × 50 द्वस्य स्थातः = 100×365 $=-\frac{73\times4\times5\times50}{4\times25\times73\times5}$ - 2 रवये उत्तर नोट -- यदि शवधि दिना में दो गई हो तो वर्ष के 365 दिन न कर दिनों को बयों के भिन्न में बदल स्तो । यदि धदि महीनों र दिनों में दी हुए हो तो सहाने के 30 दिन और वर्ष के 12 सड़ीने नकर प्ररत इस करो । प्रवाहरण (४) 3260 रुपये 10 बानका स्थात 5 साम 10

न के जिए 🕯 प्रतिशत प्रति वर्षको दर संप्रतीत करी।

मल गणित

έξ

3265 रुप्ये 10 माने = ध्रीध रुप्ये

$$5$$
 ਜਸ਼ਜ਼ 10 ਇਸ= $5\frac{10}{30}$ ਜਸ਼ਸ= $\frac{16}{3\times12}$ ਵਖੇ

$$x = \frac{26125}{8} \times 4 \times \frac{16}{12 \times 3} \times \frac{1}{100} = \frac{1}{100}$$

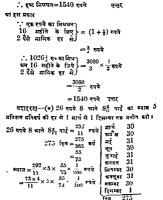
$$= \frac{1045 \times 25}{8} \times 4 \times 2 \times 6 \times 3 \times 5 \times 4 \times 5$$

=58 क्ष्में 101 पार्ट उत्तर

प्रकारम्स्य १) यदि स्वाध की मानिक दर 2 दैमें प्रति रचया हो को 49 करने का ठी मान का स्वाध प्रतित करें।

=7 रादे 10 इन्दे हे बाई दसर

त्राहरस्य (३) 1026 स्तवे 10 आहे 8 पर्स् का निश्यव एक वर्षे 4 नाम का 2 पैसे प्रति स्वसा नामित स्त में प्रणीत करी।



मल गणित

= १ रचया उत्तर नाट --वर्ष स्थात कियो विशय जागम से कियी और जारीस

नक निकासनाहो, नो पहले दिन या प्रतिस दिन संस्थल एक

85=

, दिन ही का स्थान जगना पाहिए।

साधारणा दिस दिन कर जिला तप उसने कार्य दिन में बसाद नगाया दागा है। इस दिन पहला दिन दोंग देंग कार्यि।

क्षेत्र के ब्लॉ में बन्ता के 20 रजती है। इस किरे क्षेत्र का बर्ग महिल्ली हिन्द

हार्गुरमा १६० (20) सन्दे का बराब ३० मानगर है। मार्ग को इस में 2 वर्ष ६ मान 15 दिन का मानून करें। उत्तर प्रकारन नाई तक हो।)

स्तातः च <u>स</u>रकाश्रहा ४ व्यक्तिः १५७

मुहरूब = 2200 बरहे इर = =5- प्रोनसम्बद्धिः मार्ग

= ## + ## 13 (77 = 4 \$) ## ## ## ## = 41 \$ ##\$

=4, द स्त्री

सम्बद्ध = 220) x 👸 x 🕏

=25'x1'x19 =2147

=स्र सर्वे द्विक्रोगी स्थ

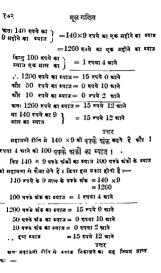
=८ गरे 12 स्वेश्स्य हस्

मीर-सार रण्यों ४ ताप त्या प्रमाण्य १०० सू ६ सारा संपर्दा स्था हुए या ५२४ शास स्था सार्वा हुए

er we can a succession to

8000 मल गणित प्रश्नावली ३५ व्याज निकालो∙— (1) 670 रुपये का 4 वर्ष का 5 प्रतिशत दर से । (२) 682 रुपये का 5 वर्ष का 5 प्रतिशत दर से । (1) 216 रुपये का 61 वर्ष का 4 प्रतिशत दर से । (४) 8800 रुपये का 41 बर्प का 31 रुपये प्रतिशत वार्षिक इस में। (४) 21606 रुपये 4 चाने का एक वर्ष 73 दिन का 5 प्रतिशत वापिक दर से। (व) 1833 रुपये 5 धाने 4 पार्दका पुरु वर्ष 292 दिन का 🛂 प्रतिशत प्रति वर्षे दर से। (७) 9307 रुपये 8 माने का 200 दिन का 7 प्रतिशत वार्षिक दरसे। (म) 10666 रुपये 10 छाने 8 पार्टका 4 साम 15 दिन का 21 पैसे प्रति रचया प्रति झास की दर से। (३) 1708 रुपये 10 धाने 8 वार्टका 6 बाम 12 दिन का स्याम 2 रुपये 4 प्राने मैक्डा मामिक दर से बनायो । (10) 2666 हवते 10 साने 8 पाई का 4 मास 8 दिन का स्याज 1 रुपया 5 धाने 4 वाई प्रतिशत मासिक दर से तिकाली । (11) 373 रपये 5 थाने 4 पार्ट 6 वर्ष 5 मान 15 दिन का स्याज 1 रुपया 10 साने 8 पाई प्रतिरात मासिक दर से बताओं ! (१२) 8176 रुपये 14 बाने का मिश्रपन 15 बाने सैंडवा सासिक दर में 🗦 क्यें 🕏 साम से क्या दोगा 🤊 निम्नलिखित प्रकों में दर उसाही दी हुई है। इसाह (१६) सुनवन 1122 स्वयं 10 बान भेषाड्रा दर एक बाना 2 दैसे व्यक्तिक स्वर्ण । सर्व 5 साम 10 दिस ।





नियम:—वर्ष किसी शिष्ट का क्यांत कृत महीनों का निका-सना ही चौर क्यांत की दर मैंडका प्रतिमान थे हुई हो. तो मृतपन को महीनों की मौरपा से गुटा करों। जो गृहनकल प्राप्त हो उसे पत्तकी शिक्त समस्यो चौर दर प्रतिशत को शिंग पत्तक चंडी का क्यांत

मान इर सारे परके संज्ञों का ब्याउ निकास लो ।

(२) अपर के उदारस्य में क्यांत की दर प्रतिगत मानिक दी हुई है। इस में दर (1 रचया 4 जाते) 100 पकड़ चंकों का ब्यांत है। किन्तु परि च्यांत की दर प्रति रचया मानिक हो, तो दुर एक परके शंक का ब्यांत होगी।

हदाहरू ।२५ छ। स्पर्वे का स्पाद 2 पैसे प्रति स्पन्ना सामिक दर में ठें साम का प्रतीत करी ।

३) रवपे के 5 साल में वरके शंक = 30×5

= 150

एक पहले चीक का ब्याज = 2 दैने 150 पहले चीकों का ब्याज = 150 × 2 दैने

[04] ∠42 graft at equal == 100 / 7,7 dg

= 4 रचचे 11 दाने उत्तर

(३) जम समिवि दिनों में दी हुई हो तो मुख्यन को दिनों की संद्या में दुष्पा करते हैं और पुष्पनकल को दुरूचे छोते. करते हैं। करवे संकों को निश्चर माग देवर पहंदे संक मनामें जाने हैं।

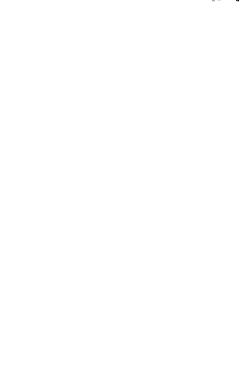
स्वाट्रस्य (३) 750 स्वयं का 18 दिन का स्पाद 123 कोने सैक्डा मातिक दर में निकालों।

क्रिया—750 रुपये के 18 दिन के करने संक = 750×18 = 18500

13500 ਵਾਰੇ ਵੱਲੋਂ ਦੇ ਵਰਕੇ ਵੱਲ=135(4)+30

=450100 पक्के श्रंकों का स्यात = 12 श्राने 2 पैसे 400 पन्दे चौकों का स्यात = 3 रूपये 2 चाने 0 पैसे 50 पक्टे चंकों का स्यात = 0 रुपये 6 भाने 1 वैसा स्ट ध्याज ⇒3 रुपये 8 काने 1 पैका तत्तर (४) जब सर्वाच सदीनों सीर दिनों से दी हुई हो, तो पहते सूत्र-धन को महीनों की संख्या में गुशा करके परके चंद्र बना खी. इसके परचान मुक्तधन की दिनों का संख्या से गुका करके करने शक बनाधी धीर उनकी 30 पर भाग देकर परके र्थंड बनाजी, फिर सारे पक्के चक्कों का स्थान निकात स्त्री । उदाहरण (४) 360 रुपये का ब्याज 7 मास 10 दिन का । चाने मैं इंडा मासिक दूर से मालम करी । क्रिया-360 रवये के 7 महीने के वर्ष श्रंब = 360 × 7 =2520360 रुपये के 10 दिल] = 360 × 10 = 3600 3600 करने संहों के = 3600--30 = 120 ं. सम पुरुष संबों की संख्या = 2520 + 120 = 2640 100 पण्डे चंदी दा स्वाम = 9 थारे 2(80) प्रके संबों का स्वात = 11 रुपये 4 कारे E(x) वस्त संकों का स्थात = 3 रुपये 6 साने 25 वर्ग्ड संक्षेत्र हा स्वात = 0 रचवा 2 धाले 1 वैसा 12} वक्टे चंडों हा स्वात =0 रुपया र साना ई पैमा

मल गोणन



सूल गातान

प्रस्तायली ३६ •याज निकालीः—

- (६) 270 रवते का 6 साम का 2 पैते स्वया माविक दर से ह
- (*) 1250 रुपये का 8 काने सैंडवड की बुर से 2 सबीने बार
 (३) धना रुपय का 3 कामून संबंध 1999 में 3 केंड संबंध 1998
 - क) अन्तर करण कर 3 कामून संबन् 1999 में 3 जेड संबन् 1999 - वक्ष का 1 कुरमार सैंकना सामिक नह से क
- (रा २ मा राज्य का । याद जीत स्थला सालिक कृत से 7 साल का । (रा) । मा राज्य का उर्देश राज्या सालिक ता से 10 सहीते का ।
- १६ ६७ माने का 25 पेन कर अन्या क्रांतिक पर छै । भाष छ। दिन कर।
- म का राज्य का अ वाद काल स्वया साधिक दूर से 5 सरीत 10 दिन का ।
- (६) स्थान का छ थाने सेन्द्रा आहि के तह से छ अर्ट १ दिए।
 (इन्द्र का छ)
- ३१.२० व्यव कः १५ कावा विकास माधिक नर वे 8 महीने काः
- ्रात्रः स्वापः का १५ त्यामा शिक्षुः साधिकः वत्ये हैं साधः १० तिन का १ १ । तिन कार्यं का १ ९मा समाध्यास्त्रासः वृत्ये हैं वर्षेका है
- इंडर काम ६ वान वा 12 मान देखन मांगद वर से 3 मान 12 काम दा
- ६ अन्त्र का इ. ६ क्ष्मून सक्त शामाद से 13 कामाद से ही अन्तर दक्ष करा कामा सेवदा सः सह दर व ।

440 W



रेध्य मृत्य गरियत

स्यात निकासने की इस रीति की कुटवाँ क्याज कहरे हैं।

नीचे दिये हुए उदाहरण से करवाँ क्याज का नियम समक्ष में
भाजायेगा।

उदाहरण—एक किसान ने किसी चर्चा से 11 बैसास संबद्
2004 को 200 रुपये, एक रुपया 9 थाने सेक्या मामिक दर से
उपात बिल् थीरे 5 सावन संबन् 2004 को 120 रुपये के मेंद्र भाजा व्याप बिल् थीरे 5 सावन संबन् 2004 को 120 रुपये के मेंद्र भाजा व्याप सुकाने के लिए देनाया। यदि यह 11 संगतर मंबद 2004 की भागना सेला शुक्ता करना चारे, यो उसे कितने रुपये देने पड़ेंगे ?

धनी के चंक

200 रुपये के 7 महीने के पुत्रके संक = $200 \times 7 = 1400$ किसान के संक

120 रपये के 6 दिन के करणे संक = 120 × 6 = 720 720 करणे संकी के पत्रके संक = 720 ÷ 30 = 24 120 कर के से प्राप्तिक करणे संक = 120 × 4 = 120

120 रु के 4 महीने के पश्के खंक = 120 x 4 = 480 किसान के कम पश्के खंक = 480 + 21 = 504

हिसान के कुल पनके मंत्र = 480 + 21 = 504

भनी के शेष परके चंक = 1400 - 504 = 896100 परके चंकों का स्थात = 1.60का 9 काने ∴ 800 पत्रके चीकों का स्थात = 12 स्पर्ध 8 चाने चीर 96 पत्रके चीकों का स्थात = 1 स्पर्ध 8 चाने

> .. धनी का सारा क्याज = 14 रुपये धनी के मूलधन में से शेष = %।

(200 sou - 120 sou = 80 sou)

. कियान को की रुपये हैंने हैं. वह ≈ 80 + 14 रुपये

= १३ रपये उत्तर

प्रश्नावली ३७

- (१) एवं विसान ने किसी हुदानदार से अल्प नवये उथा निया उसने नीत महीने वीदि अल्प नवये व यह हुवानदार को दिया और 6 महीने वीदि विसा अल्प नवये कीर उथार छ तथा। 9 महीने वीदि सारा कर्या खुड़ा दिया। विद विसा कर्या है नवया है काने महिन्दर मानिव हो। तो दतायी क्रियान ने हुवानदार को क्रिके रुपये दिये।
- (4) एवं संपुष्प ने विश्वी वैद्या से 12 चित संदर 2003 वा 200 रूपये कहा विदे चीत 15 वैद्यान 2004 वो चा रूप रहत वैद्या से निवाले, चित 12 केंद्र 2004 वो 200 वाहत वेद्या विदे चीत 12 वार्तिक 2001 वो चारण साम चार रमात सहित वैद्या से विचा । चहि होती चारणायों से ब्याच को तर 7 चाने सेवदा हो हो बनायों उसके वैद से विजना ब्याव दिखा चीत वाह विजना रूपया निवाल

1:0 मुख गामित का केमा भुषाया जाय हो। बनायो कुन्छ उस समय दिनका मध्यम देशा ? ब्याम की यह 12 काते बेंबबा मानिक है। (४) एक कियान ने पनुस्ती सैन की शारीनारा बैंक से 750 अपने मराण निया श्रीर पहली श्रापाद की 3(H) प्रथम सीताम श्रीर किर 156) रूपने पश्ची कार्तिक की चपार जिए कीर मणन यीय की केम्बा मुकामा । वहि बताज की पर 12 काने तैंदरा मार्थित्य हो, तो बनायो इसने क्षेत्रा चकाने समय किनने and fed 9 (४) एक किसान में चयन तीच के किया में 15 सामन सेवन 2005 की 5.30 करते कीर 10 कार्तिक 2005 को 140 रुपये क्यार रिक कीर परवा चीच अंतात की अंता बच्चे के बैच बनिये at & fra afr an 18 he must al mitt aunt bain र्माहत स्वाप, ना बताको हमें बना देना परिमा है क्यान को पर १५ व्यया संख्या माधिक है। ६ ०६ माहराज्यो वर्ग में वद प्रमुख का केल इस प्रयोग है 😁 #1 FF 4.71 11 4 4 51 , 41 57 , 1:30 201 47 12 903 3 44 & Cet & AT. E) E 7 MAI p energy of an a and 444 514 61 31 87 C 481 man are a first to arm a कार करक . वास्त्र ६ क्ष्मा स्कार वा वर्ग क्या हैना

मृ्लघन, दर श्रीर श्रवधि प्रतीत करना

(1) ब्याज के प्रश्नों में चार राशियों का होना चावस्यक है, चीर शाशियाँ यह हैं :--

मृलधन, दर, श्रवधि, न्याज

इनमें से कोई सी तीन का पता हो, तो चौषी को मानूम सकते हैं। स्पाञ निकाजने की रीति तो तुम जानते ही हो, अब ह रोप तीन राशियों को मानूम करने के विधि बनाते हैं।

(२)(क) दर, अविधि और न्याज माल्म हों, तो मूलध् प्रतीत करना ।

(स) दर. श्रविध चौर मिश्रधन माल्म हों, तो मूलि प्रतीत करना।

उदाहरसा (१) हिमा मृलघन का ब्यास 3} प्रतिरात प्रतिवर्ष दर से 4 वर्ष में 630 रुपये हो जायगा १

एक वर्ष में 3^{1}_{-} रुपये = 100 रुपये = 100

 $rac{4}{4}$ वर्ष में $rac{3!}{4}$ रुपये $angle = rac{100}{4}$ रुपये

 $\frac{4 \operatorname{er} \hat{\mathbf{u}} + 1 \operatorname{eval}}{4 \operatorname{eval}} = \frac{100}{4 \operatorname{eval}} \operatorname{eval}$

4 = 4 = 4 = 030 = 4 = 000 = 000 = 4 = 3 = 000

= 4.% () राये । उसर

देखों अपर को किया से मुलधन सालस करने के खिये ब्याज 1181 से गुरा। करक दर और अवधि क गुरानफल से भाग दिया ग है। स्रत यह नियम सिद्ध हुसा 143 मुख ग्राणुत

मृक्यन = स्याप्त x 1()() इर x सर्वार

पदाहरमा (२) विस स्वयन का निभयन 4 वर्ष में 3 प्रतिसय बानिक दर में 3080 रुपये हो आयेगा है

मिध्ययम् = (११६)। स्वयं सर्वात = 1 वर्ग

बर = 3 प्रतिशत वाणिक

करामा करी कि मुजाब = 100 रावे

100 जाने का ब्वाज । वर्ष । = 100 × 3 × 1 = 12 का 3 प्रतिज्ञ कार्यक वृत्त में । = 100 × 3 × 1 = 12

∴ 100 काथ का faszan = 100 + 12 = 112 काथ

विद निष्यत्व 112 राजे हो तो। संवयत् = 100 वर्षि सिश्चयन । साथा ही भी स्थापन $= \frac{100}{100}$

महि मिलवत अल्प) सर्व हा नो मुचनन म हिंदा प्र अल्पा

वहताकती ३८

(1) किन मुख्यन का स्थाप 3 वर्ग में विश्वीतमन वार्षिक दर मे

m 277.761 mg 4 4975

Till mit gir mitere ?

(६ किन स्वास्त्र का क्यान है। क्रिय में हैं| ब्रियाण वर्णिक हरे

4 23) era et mant t 13. विकास सामान्य का कराय 2. वर्ष में २५ व्हेंग्सन वर्णाक पर में

1" 999 P 2" 1" "



\$5% मूल गणित (३) (*) मूलधन, स्याज, अविधि माल्म हो नी दर माल्म मूल्यन, मिश्रयन थीर श्रयथि माल्म हो हो हर साख्य करता। उदाहरण (१) यदि 1650 हश्ये का ब्याब 21 वर्ष में 132 रुपये ही, सो स्यात्र की दर प्रति सैंडदा प्रति वर्ष मालूम करो । · 1650 रुपये का क्यांत्र } = 133 रुपये 23 वर्ग में .° 1650 रुपये का स्थात युक्त वर्ष में } = 21 tqq } = 100×132 - स्वये =31 erà बातः बुर प्रतिशत प्रति वर्षे = 3 | कावे उत्तर जबर को किया दिलाई गई है उस से स्वय है कि प्रवाहराम् (२) 225 साथे का मिथवन 3 वर्ष में 259 कार्य 12 बाने हो, तो दर प्रतीत हरों। 225 स्पर्व का } =259 स्पर्व 12 काने -225 स्पर्व -2 --= 33 रुपये 12 प्राप्त

साधारण ज्याञ

व्हाहरण (=) किस दर से बोई राज्ञि 20 वर्ष में दुगनी ह

बादेगी १ ी। । : [(M) रचये का क्यांज | = 1(M) रचये

े (10) रचमें का | = 100 रचमें व्याद्व | वर्ष में | = 20, रचमें

= 🤉 रुपये

मक ब्याब को दुर = ने मनिशत मनिवर्ष । उत्तर

या इसं इस प्रहार हत करेंगे :

. दर = ब्राड × (11)

मृत्यम । धर्माय $\therefore \mathfrak{R} = \frac{1000 \times 1000}{1000 \times 200}$

= ३ मतिसत मतिवर्षः उत्तर

(१) किम प्रतिरात इर से 250 रुपये पर 3: वर्ष में 30 रुपये 6

(र हिन बिसत दर से 715 स्तदे पर 11 वर्ष में आ रावे 7

के। किस मितात हर में 700,। रुपये पर 2 वर्ष 73 दिन में

िहिस प्रतिहान इत से 7,3%। रुपये पर पहली महें से 24

1=5 मस गणित (१) किम प्रतिशत दूर में वृक्त त्यवा 4 धाने वर वृक्त महीने में 6 पाई ब्याज हो सायेगा ? (4) किम दर में 4615 क्यूबे 13 क्यू में 6114 क्यूबे 14 भाने हो अर्थेत १ (*) किम प्रतिशत दर से 9258 इत्ये 5 द्वारे 4 पाई का सिध-धन 31 वर्ष में 11526 रुपये 10 धाने हो जायेगा ? (ब) किय दर में 301 कपने 10 बाने 8 पाई 3 बर्प में 430 रुपये 13 बाने 4 पाई हो जापेंगे ? (4) हिम दूर से 2 थाने 1 वाई 331 वर्ष में 1 तथवा 14 थाने 4 पाई हो कार्येंगे ? (१०) किय प्रतिराज कर में कोई शनि 25 क्ये में दुरानी हो अवाचे की (11) दिय दूर से 3000 न्यदे का क्याब 12 जून से 5 नदस्यर गर्क 54 रुपये ही आयेगा ह (१२) दिन पर प्रतिशत से 31 वर्ष में दिनी शांत का व्याप्त मृत्यन का 16625 हो आयेगा ? (४) (क) मलचन, व्याव भीर दूर की दूर की, को धार्व प्रभीत करना । (क मुल्यन, निश्रपन भीर दा री हुई हों, वो आसि प्रतीत करना । बुदाहरम् (१) दिनने समय में 9700) इत्ये का स्थान है प्रतिकृत बार्विक कर में 2007 रुपये हो बायेगा र

· = | #4

100 ment ar 1 art

ब्याह हो हो सब्द



या इस शकार अवधि = स्याज × 100 मूलधन × दर 16103×100 37500 ×1 __13125×100×4

मूल गणित

8 × 37500 × 7

= 21 वर्ष उत्तर उदाहरण (३) एक शीरा का मिश्रपन साजारन स्थात

455

ब्रुट में 3 वर्ष में 411 क्ष्य के 6 बारे, बीर 5 वर्ष में 440 व

10 माने हो जाता है। मृत्रधन भीर ब्याब की दर प्रतीन करी।

मिश्रपन ≃ स्थापन + स्पान

थनः समयन + उत्तर्भ का ब्याब = 41 ई हरवे छ चाने ची। मुक्थन + 5 वर्ष का क्यात = 440 द्वाये 10 माने

un: 3 ağ aı eqia = (440 erà 10 ail-114 erà

यक बर्च का उदात = 13 तरद 2 बाने

. 44.14

u

aur ! mi mr. saru = 39 no 6 mib

••

= 20 syd 4 wid

= 414 स्पर्व 6 व्याने-39 स्पर्व a 375 814

= 25 de 1 ml4 a 177 - ... ea ...

6 wit

६ पाने ।



710 मल गशित (१०) एक मतुष्य एक क्षाल रुपये 4 प्रतिशत वार्षिक र उधार क्षेता है और हर वर्ष 8000 स्प्रधा है हैता

वनायो 3 वर्ष के परचात् उसे कितना ऋष देना रहेगा । (११) एक शारी का मिश्रधन 550 पींड होता है जब कि ब्यान दर 4 प्रतिशत है भीर समय 2 वर्ष 6 ग्रहीने है। यदि पर प्रतिशत को और समय 3 वर्ष 6 महीने को नो उस व

का मिश्रधन कितना होगा है (१२) यदि 4 वर्ष में 2520 हम्पे का निश्चयन 3021 वर्षे हैं है, सी दिलने समय में उसी दूर से 520 इपये का निध 611 रुपये होगा ? (१६) दिमी राशि का निधयन माधारण क्यात से 3 वर्ष में 3 क्यमें 8 बाने कीर 71 वर्ष में 453 रुपये 12 बाने हो म

दै, तो मलधन धीर ब्याज की दर बनायी। (१४) यह साथि ज्ञान करी जिसका क्यात्र 37 प्रतिशत वृह 3 वर्ष 4 महीने में उनना दी हो, जिनना कि 160 वींड 2) प्रतिशत तर से 2 वर्ष 6 महीते में होता है। (१२) मैंने 500 रुपये क्षपार जिए सीर 9 महीने परचार 15

करने चीर दथार जिल, परम्तु इस बार स्वाप की वार्निक ह पहले में 🛂 प्रतिरात प्रधिक थी। तुमरा व्यय केने हे 💯 है परचान् मुक्ते 2024 रुपये 2 चाने देने परे । स्वात की वर्ष दर बनाया ।

14) एक सनुष्य कथास 3,2(X) वींकथे । इनसे से उसने कुष) वर्ष के जिल्ला है जिल्लान वार्षिक वर में क्यांक वर बा^{न्य} मार राय उन का ६ वयं के अन्ये 5 विश्वयत कार्निक हैं

रक्षत्र । वर्तनमन वर विनास यह बासवा शा है

पर बनावा वार प्रायद बन का स्वाप क्रावर ही, मी बनावे



रापता नहीं देगा वह दूसरी वर दियों यन (6000 रपते) में ये वं बहा नार केगा। यह बहा जनना हो होगा जिनना हम दूसरी रपने पर तेथ पास्य का स्थास बनना है। यह बहा बहा का कह रे रपने पर तेथ पास्य का स्थास बनना है। यह बहा इस इकार का जाना है जये ट्यान्स्ट्रास्ति सहा बने हैं।

स्वास्त्राहि बहा = हुवही के यन का माधारण स्थात । यदि घटले से यह पणा हो कि हुवही का हरसा किम तिर्वि समया तारीध को भागा है, तो हुमसे 3 दिन सीर निया विव जायेंगे। यदि कोई निरिचन तिथि न जिस्सो हो, वेबल सबधि जिमी

व्यावहारिक बट्टा निकालने की विधि

हो, तो तीन दिन मही ओड़े आहे।

प्रतिदरण (१) 750 रवये को हुन्नी 25 जनवरी 1945 को सुन्नाम की अवधि पर जिल्ली गर्द। इसका रचना 7 मार्च को 3 मिला पर्वेश परवेश पर्वेश परविदेश पर्वेश पर्वेश पर्वेश पर्वेश पर्वेश परविदेश पर्वेश पर्वेश परवेश परविदेश पर्वेश परविदेश पर्वेश परविदेश पर्वेश परवेश परविदेश परविदेश पर्वेश परविदेश परविदेश परवेश परविदेश परवेश परविदेश परविदेश परवेश परवेश परविदेश परवेश परवेश परविदेश परवेश परवे

यह हुयही 28 जनवरी को जिल्ली नाई है, धनः इसे आने की सरील 25 जुजाई होगी। हिन्तु इसमें नीन दिन की स्वर्णि भीर कोइनी होगी इसजिए इसे भरने की शक्त गरील 31 जुजाई है। स्वावहारिक इस्टा इस्पूर्ण के पन का साराएक बराज

1∔क्दिन

•पावहारिक **प**ट्टा ट्वाहरस्य (२) बतामी, 524 पीट की दुपको दे कितने ए रैक से मिलेंगे वर्षक हुएडो का रचया ठ माम में मिलता हो सं ब्यात की दर ई मितिरात हो ? बपना उत्तर निकटतम देंम ता निष्टाली। equatifies at 160×12 wis = \frac{75}{1048} vie

= 13 वाँड 19 सिन्निंग हैं देंस (समझग) चतः देह इस हुएहों के (524 चीट-13 चीह 19 सिवित

⁸ देंस)

या 510 वींड 6 देंस देगा उत्तर ^इदाहरण (३) यदि किसी हुएडो का ब्यावहारिक वहा 3 मीतरात को दर से 7 रचने 8 काने ही कीर उस हुएडी का रूप्या ? नास में निजना हो, तो रताधी वह हुएडी किनने रुपये की है ? स्वरमा क्यों कि हुएडों 100 रुपये की है। 10.) स्वयं का ब्यावहारिक वहा = $\frac{100}{100} \times 3 \times \frac{2}{1} = \frac{2}{1}$ स्वया यदि स्वावदारिक बटा ई रचया हो, तो हुएको 100 रुपये की है " " " " 200 हतः वह हुएहो 1500 स्पर्व की है। उत्तर

प्रस्तावली ४१ ं रिं रचमें की एक हुएडों , करवरों को ए महीने की घरणि वर जिस्तो गई भीर 13 जुलाई की भुनाई गई। यदि स्पात की त्र रूप संहदा शति वर्ष हो तो स्पावहातिक वहा बतायो।

(४) 7512 नवने भाने का हुमरी 11 मई भी र महीने व क्षत्रिक पर जिल्ही गई और 21 जुलाई को उर्देश की पर वे भुनाई गई । स्थाबदारिक बड्डा बनाची । (४) 13% का पुर से 250M रुपये की हवादी का स्थापप्राप्ति बद्धा प्रतीत करी भी 33 जागत को 6 महीने की चर्चा रह जिल्ही गई वं। धीर .. धण्डुबर को भूनाई गई थी। (६) 29%) स्पर्य का हुमडी छ। समान को 12 सहीने की स्पर्य वर दिला गई थीर 🕹 अनवरी को जुनाई गई । 5% वा वर्ष है

· • . . . का पर से ३१३(म) स्वयं की हुमदा का क्वालगारिक पा जनान करा था है करवरी का 10 सहान की कर्या नर जिली कड़ या चीर 13 सिनाव्यर की मुनाई सई थी। च १८७ चीड की हुँची \$3 स्वयंबर की 6 सदीने की मार्चेंड स fewir me wie b and at gent mit 1 4", at to A Ed

 १८८ त्या का एक हैवा । साथ कावाल वेच है। उद्ये हैं। er a m verte at att ar gu fer & fant mit fes

कारक र अंदर्शित वा त । क्वांबर की हैंग er de gerra ve ber ra ergan er ber fib

- 71.7
 - (१) 25% की पर में ि साय परचान देव 517 पींड 10 मिडिंग

 - (६) 1425 वींच की हुएडी 15 विनम्बर को 3 महीने की अर्थ
 - बर जिली गई बीर 12 धण्डूबर की भुताई गई। 41%
 - वर में उसका ब्यायदारिक बद्दा प्रतीत करी।

- जिल्ही गई लया 14 ध्यारत को भनाई गई।
- की हुएती का स्थारतारिक बद्दा प्रतीत करी, जो 9 प्रित्र व

क्यावराधिक वहा प्रशंत करें।

बा करकार्याह करा करा हाता है

4417

दस समय ब्याद की हर 6% सी । क्यादो समूद्रार में मुखे बदा दिया था ! (11) 1820 दौर की हुँदों 1 स्वपूचा को देव हैं। दौर हुँदों 3 डर्क्स को हरू ही इसमें मुलाई बाद को समझ क्या

न्यावद्यारिक दङ्ग

(15) 1250 रुपयं की एक हुँकी 16 दिसम्बद्ध सद् 1940 को 6 मानि को कर्य पर लियों गई क्या न कर ब सर् 1941 को

एक देव में शुक्तां नहें । देव में उस हैंबा के 123 । बारे द बाने हिए। बदाज के दर बनावाँ। 18) 1310 चेंट को हुँचा 10 मार्च को 3 महाने का अवीच पर जिलां कर बाँग के बाँग के कि बाँद ए क्लिक्स में बेंब हा मही। बलकी हुँदी कीए अने बाई ने ब्याव की हर क्या ا به چند (वंक) एक हुए। 12 क्योंने परकाद केंग्रेन पदि उट्टी की कर के रमदा क्यांसारिक क्या अक्रान्ते ६ कारे ही, तो क्यांकी सर हुस्ते किन्ते कार्ते का है।

 (4) क्या के एक हुए । यह है की ती की कर में भेगाई करें, को उसके 1017 करते जिल्ले । कराकी कर हैंदी दिस हिंग हैर हा। धीर है, को बार है। बहें हैं पह के बहुत कर है

्रा देश के का दूसरा १ जाति के स्टूर से किसी स्टू धन्ति भी । बनावी का हिए किस तिक दिसी भी की की

चीदहर्वा प्रध्याप

समय और कार्य के सम्बन्ध में यह दो कार्य सहर बार र^{वर} व्यक्ति कार्य के सम्बन्ध में यह दो कार्य सहर बार र^{वर}

(१) चीर कोई समुख्य एक काम को 9 दिन में को, मो कर एक दि क्या काम का 1 मान केना। इसा बता विद् वह इस काम काम दिन में को, नो वह दी दिन में उस काम का में आगा करेगा।
(२) विद् किसा बेन का 10 मान कर दिने आप विदेशों स्थिति

) वर्ष्त्र किसा लेत क 10 आग कर दिये जाते चीर चौदे लिलि कुछ दिन से उस लात का एक भाग जीते, तो वद कुछ बीड की 10 डिल से जीतता।

10 दिन में जीतता। इसी प्रकार विद् त्यन के इ लाग का दिये आये, मी वह स्थान इस सेम की महिन में जीतता।

कर कर को निर्देश के काला है। इंडाइन्स ने के कुछ बाम 25 दिन में, हा 3ई दिन में, में 5 दिन में क्यार-काला कर सकते हैं। वनाओं तीनी प्राथक बात नाम किनने दिन में समान्य करेंगे हैं

े कु बुक दिन में है बाम कर सकता है। ह्यू कुक दिन में हैं हु काम कर सकता है। मुज्ज दिन में है बाम कर सकता है।

समय और कार्य $=\frac{13}{15}$ धतः वह समय जिसमें ् वीनों मिलकर पूरा काम । = 13 ममाज कर होंगे $=1\frac{2}{13}$ दिम हत्तर वदाहरका (व) बादि 3 सहाय बाँद 3 स्तरके एक बास को 4 दिन में समाप्त करें की। शे मतुष्य की। एक सरका उसी काम की 3 दिन में ममान को तो एक मनुष्य की एक जनके के काम की दलना बरी। ी मनुष्य बीर ने सरवे एक बाम को ई दिन में बरते हैं। : 12 मनुष्य कीर 12 सहवे उस काम को एक दिन में ₹(à·····(1) किन्तु () सनुष्य कीत एक सरका उसी काम की 3 दिन में रते हैं। ं 18 सहस्य कीर है लगहें उसी काम की एक दिन से Em 12 H3th + 12 Heel et eth = 15 H3th + " ere' er erm . 1. mgm' er em हा दे बहुं हि एड सहेत्य एड संडड संस्मार क्षांस बासा है। and the second s को क्षेत्र क्षेत्र के स्वतः हिन्द

ş

338 मूल गणित

में करें। तो बवाची, 3 मन्त्र्य चौर 9 लडके उसी काम को किउनी देर में करें ने ! 😳 12 मनुष्य चीर 7 लड़के सारा काम 9 दिन में बरने हैं

∴ 12 सतुष्य श्रीर 7 सदकों का एक दिन का काम = 1

 24 मनुष्यो और 14 खड़कों का एक दिन का काम $=\frac{2}{6}$... (a)

8 मनुष्य धीर 13 सपढ़ सारा काम 11 दिन में करते हैं।

ं. 8 मनुष्य और 13 सहकों का एक दिन का काम = $\frac{1}{11}$ भथवा 24 मनुष्य धीर 39 सदकों का यक दिन का काम = $\frac{3}{11}(b)$

परियाम (a) की परियाम (b) में से बटाने पर 25 सक्ती की एक दिन का काम = $\frac{3}{11} - \frac{2}{0} = \frac{5}{93}$

े पढ अवके का एक दिन का काम $=\frac{5}{00-05} = \frac{1}{40e}(c)$

ে 14 মৰ্ডীকাণ্ড বিদ্কা কাম $= \frac{14}{405}$

धनः (a) के सनुमार 24 मनुष्यों का एक

 $f_{7} = 41 + 10 = \frac{2}{9} - \frac{14}{10.5} = \frac{96}{495}$

क्द समुख्य का यक तिम का काम ≈ 167.

तमय जार कार्य ं 3 महुष्य और 9 ं असदाय कार । बहुदे विवने समय में } = 1 — 1/2 = 42 मारा काम करेंगे, यह डवाहरसा (४) चाँद क, स चौर ग एक सेन को 15 दिन में बाट सबते हो, स, म और च हो। दिन में, म, च चीर क है। दिन में चौर

व. क चौर सा 27 दिल में, तो बनाबों दे सब मिल बर रम स्तेत को विश्वे दिनों में बार होते ? क. वर क्योर स एक दिन में हुई व्यक्त कारने हैं et, e; ... # 5. F . F

£' & " st.

संस्थे औरते से

S (ब + स + श + घ) का एक दिनका काल

ात. इ. स. ए की ह किए कर दह दिए के दिल्ला में रूप

धनः वे स्तारः दिन में लेत को काद सकते हैं

167% दिन समार

एक चकरा देने वाला प्रक्रन

उदाहररा (४) क. रा चीर स दृष्टकाम को 6,5 चीर 🛂 क्यते में कर सकते हैं। वे सब मिखकर काम करने खरो ; यह तो करन क्क काम करता रहा किन्तु हुए काम समाप्त होने से 🙎 बच्छे 10

मिनिट चीर हा 1 रे बएटा पहले काम छोब कर चले शरे । बनामी, काम कितनी देर में समाप्त हुन्या है

क, व्य, गका एक वयटे का काम म है+ है+ है⇔ हैं है स्य 21 वर्षर में जिल्ला काम करता = \$ × 18 = 1 य 14 वर्ष्ट में जिनना काम करना म है × है = है वर्षि बाम के समाप्त होन तक स चीर ग काम करने रहने | == 1 + \$3+3=98 तो जिनमा काम होता. सह

चनः इप समय = -45-43-3 वर्षे 3 वर्षे उत्तर

चन इस वहां बरन बात्र गाँवन द्वारा इस करने हैं। कात को कि काम अन्दे में सवाध्य हुन्छ। et pareta - 24 + tla 14,-1

कार्रेक्टर को इस करने व . स 🕽 तक प्रदीदम प्रदन

इद राण । एक बाम का कु चीर हतु मिलकर 12 दिन में क्षेत्र हर कीर रा प्राथवर रागे बाग को 10 दिन से कारे हैं। वर्ति

ict.

स में जिस तक और हा ने दिन तक काम करें, तो हा होथ काम की 13 fen bimmen ur bei fi unich a unn und en un को कितमें हिस में समाप्त कर सकते हैं।

सा का 5 दिलका बारा न रहा का 5 दिल का काम न दुः हर का है हिन का काम + शु का है हिन का काम ...

ere afta er

स् का ी दिन का बास + रह का है दिन का बास + शुका पी रिम का बामन (१० हेरा है

नो रोप काम की शु ने 11 हिन में समाप्त किया।

३०३

ग्रथवा थीजगणित दारा मान लो गुढ़ज काम को ४ दिन में कर सकता है, तो

गकाएक दिन का काम ≕ ~

$$\exists \ " \ " \ = \frac{1}{10} - \frac{1}{x}$$

新 " " " = 10-[1-1] श्रव प्रश्न में दी हुई शर्त के बनुमार

5 [1 - 1 + 1] +7 [1 - 1] + 13 = 1

$$41\frac{5}{12} - \frac{5}{16} + \frac{5}{x} + \frac{7}{16} - \frac{7}{x} + \frac{13}{x} = 1$$

$$\mathbf{v}_1 \quad \frac{11}{x} = \frac{11}{24} \qquad x = 24$$

उदाहरण (७) क्र और ग्रामिश्रकर एक काम को जितने समय में करते हे उन उस कीम को उसम विगन समय में कर सकता है। की

चौर स्व मिलकर उसी काम का जितने समय स करते हैं हा उससे 💯 नै समय में करता है। तानों मिलकर इस काम को 10 दिन संकर केंद्रे

ह । बनाचाय शकल धकल इस काम को किनन दिन से कह सकने हैं हैं कः चौर ग्रा∓। काम ⇒ ∉ स्वाका काम । डोनो पचीम ख≉। कीम चंडने स

क्र खर्मीर ग्र≋ाकाम ⊭ ∤ (ख़का काम)



मूल गणित

🙏 व्य इस काम को 45 दिन में समाप्त कर सकता है

208

क का एक दिन का काम $=\frac{1}{20} - \frac{1}{45} = \frac{5}{180}$

ं क इसे 🔣 अर्थात् 36 दिन में समाप्त करेगा ।

क इस काम को 36 दिन में चौर स्व 45 दिन में समाज

करेगा । वदाहराए (१) एक देवेदार ने एक काम 80 दिन में करने का

देका जिया चीर 60 मान्द्र काम पर कतावे। 20 दिन में दुकान ममाप्त हुआ। बताओ, सब वह सीर कितने महानूर काम पर सगारे

कि काम नियन समय पर समाप्त हो जाय। ्रकियाः -20 दिन में ∮काम डीसमान ही सका, शेप 60-

विनों में 🕽 काम चीर करना है। ∤ काम 20 दिन में हो सी सत्रन्तों की सनवा≕ 60

1 .. 20 . =60×4

. . 60

ें देकदार ५0 -- १४० = ३० मत्रदूर चीर, काम वर खगाये ही

म समय पर समाप्त हो सायगा।

_11 BASA 370F

व्यक्तावली प्रश

agra ru sin st enn fen a ein fun 15

anea 'tau er as . g . ाद बाम का समुख्य । दिस स दर सदर है । बताबी,

क्तर मनुष्य भीर सर्व र य व काम र दिन में समान्त

- (६) एक दोबार को 15 मनुष्य 12 दिन में दना सबते थे। चरि यह दोबार 20 दिन में दनी हो, तो दताची दिनने मनुष्य काम पर नहीं चाते थे?
- (४) क् 6 दिन में उतना बाम करता है क्षितना ह्या दिन में; भौर ह्या 3 दिन में उतना बाम करता है क्षितना ह्या 4 दिन में । क्षाभों कु उस बाम को भवेला कि तो दिन में कर खेगा जिसे कु, ह्या भीर हा मिलकर 4 दिन में क्सा कर छेते हैं है
- (१) एवं बाम के बरने में कु बी साचि उनती ही है विवर्ता खु कीर गृंबी मिलवर । यदि कु कीर खु मिलवर इसे 9 प्रदे 30 मिनिट में कीर गृंकवेलां 48 प्रदे में बर छे, की बताओं, का कवेला उसे दिनवें समय में बर छेगा ?
- (६) क् भीर खुण्ड बाम को 24 दिन में, खु भीर शु 40 दिश में भीर सु भीर कु 30 दिन में बर सकते हैं। बताको, भारेक कलग-कलग इस बाम को विश्तने दिन में समाप्त बर खेला ?
- (a) क् एक बास की 10 दिन में बर सबना है। बा चीर पर सिख बर उस बास की 10 दिन में बर सबने हैं। बनायी से चेबेबा मार्र बास बता की मार्ग बिनने समय में बर केगा?
- (म) की स्वास मिल्कर एक बास को 8 दिन से बर सकते हैं। की की स्व बसी बास को 10 दिन से की पर की ला 12 दिन से बर सकते हैं। बनाकों के की राज्यों बास का कि विशेष से की स्वास का कि की दिन से से की से की

20€	मूल गिखत
(4)	क भीर स्तु एक काम को 8 दिन में, स्तुकीर सु 20 दिन में
	चौर शुचीर क् 12 दिन में कर सकते हैं। बनामो, इन में
	से प्रत्येक चलग-सलग उसी काम को हिनने दिनों में समाज
	कर सकता है ?
(1+)	and a second and and second market
	में। 4 दिल काम करने के पश्चाल राम धला गया, और
	ष्ट्रप्य चीर मोदन ने सिलकर राय काम को 12 दिन में
	समात का निया। वनामी मोहन महता उस काम की
	कितने दिनों से कर सकता है ?
(11)	क् ते एक काम का , भाग 🍪 दिन में समान्त करते 🤻
	परनात हु की सहायता से शेष काम 6 दिन में समान्त
	का जिया। बनाधो, उन्च धकेला उस कास को दिनने दिनों में
	समाप्त बर सकता है ?
(11)	क् एक काम को ९ दिन में कर सकता है, इस् 12 दिन में।
	न्दोलों ने मिनकर काम करना चारस्य किया । रे दिन के परवन्त
	क्ष क्रम होन्द कर चन्ना गया । बनायो शेव काम हा दिनने
	विभी से पुरा करेगा ?
(11)	कु युद्ध काम बाम को 12 दिन में बर सकता है कीर स्त्रु 🌃
	तिन से । दोनी ने स्थितकर काम करना कारकम किया । कृष
	रिमो ६ वरणात ह्यू बाज दोल कर पत्रा गया। रोप बाज की 🚓 🕒
	ने ३ दिन म समाप्त कर दिया १ बताया सारा काम किर्तन
	समय में समन्त्र हुया '
٠	बच्च स्थान्त्र में अनुभव काम रम क्ष्मार्थ किन्तु है दिस हैं



	Ç
(२०)	कु भीर सु निलक्ष एक काम को 12 दिन में कर सकते हैं। परले कु ने भवेले 4 दिन काम किया, दिर सु उपके साम या निला और रोनों ने मिलकर शेष काम 9 दिन में ममान्य किया। बनाओं, मोर्क भागा-भागा इस काम को किनेते साम में कर सकता है?
(₹1)	क् का 5 दिन का काम खु के 0 दिन और मुक 9 दिन के काम के बराबर है। कु ने 12 दिन, नथा खु ने 24 दिन काम करके एक काम का चार्या भाग समाप्त किया। बनामी राष चार्या काम मुक्तिने समय में समाप्त करेगा?
(२२)	ठेका लिया चौर 4 सनुष्य काठ दिन तक काम पर सगाने के परचार प्रतीत हुचा कि काम का देवल के माग समाप्त हुचा है। बतामो वह किनने मनुष्य काम पर चौर सगाये कि काम समय पर समाप्त हो आय ?
₹\$)	क, ह्य, भीर गुमिचकर एक काम को 8 दिन में कर सकते हैं। कुभीर ह्य उसी काम को 12 दिन में भीर ह्या भीर गु16 दिन में। बताभी, कुभीर गुउसी काम को किन्दे दिनों में कर खेंगे?
₹₩)	क् एक काम को 6 दिन में समाप्त कर सकता है, हा 8 दिन में भीर मुडतने ही दिन में जितने दिन में कुभीर हा मिलकर। बताभी, हा भीर मुस्लिकर उस काम को कितने दिन में कर खेंगे?

मूल गणित

- (१४) क एक बात को 20 दिन में, स्व 24 दिन में कीर स्व 30 ÷ 0 į दिन में बर सबका है। कु बीर हुने काम को बारस्म विया। हुए दिन कान करने के परकार सु कला गया। सु
 - हे जाने पर का चौर मुने रोप बास । स्त्रि से सनाप्त बर जिसा। बताबी, स्र किनने दिन व परणाह समा।
- (६६ १०८०) महान्यों के पास 5 संस्थाह का ओड़न सामक की बारत दरूरे किंग समुद्द बीर का हिने । बनावा बब दर मामारी दिनने दिन में मामान ही जादेगी न (co) एवं हुए हैं (co) मिनवों के जिसे हैं। मान्यार को सावत
- रामार्थ थी। उनमें से 3 वी मीनड बाहा यह नहें। बहाडा, बन बर सामग्री दिनने दिन बहुती " (ब्हा) हुंड तेला है है है। ब्रोडिट है पान १० मान्या है। ब्राइट सामाने हो । दल से बुद् बीत सीत्रेष का सित्र । बाँद बद् MINES I HER E M E) HERER ET DIE EN ENTEN TEN है। इब हुई है 1000 में नेब से बीन हरत दास 1. सरनाह बने
- ेश कारण की दे उन्हें संबंद के ने कहें की का مراسي المراسية مع وقي المحافي ومع المراسية المحافية rè è , ta jeinig . Lite bie ein eine Bie er fer
- Can an gree Course and as more life a config द परे का हत दल बाल हिंद कहा सहात हाल है। contract en fent ten tent en en en en en en en en والمناوع فاستعاله ورايده

मुल गणित 280 (६१) पुक ठेकेदार ने पुक काम को 100 दिन में करने का देश विया भौर उस काम पर तुरन्त हो 30 मनुष्य लगाये। 40 दिन बीतने पर है काम समाप्त हुया। बनायो वर चौर किन्ते मनुष्य काम पर सगाये कि काम नियत समय पर समाप्त हो जाय ? (६२) 8 सलुव्य 5 घयटे प्रतिदिन काम करके एक काम की 12 दिन में समाप्त कर की है। बताबो, 10 मन्त्र्य 6 वचटे प्रतिदिन काम करके उसे किनने दिन में समाप्त कर खेंगे। (३३) 15 अनुस्य प्रतिदित 12 चयरे काम करके एक काम को 8 दिव में समाप्त का लेते हैं। बताधी, उस काम की किउने मनुष 20 दिन में समान्त करेंगे, यदि बद प्रतिदिन केवज 8 वरी काम करें १ (३४) 16 मनुष्य प्रतिदिन 5 घर्यदे काम करके 11 दिन में प्र काम समाप्त कर लेने हैं। बतायो, 20 मनुष्य प्रतिहिन कितने घरटे काम करें कि यह काम 4 दिन में समान्त ही ताय ।

(३१) 12 अमिक 6 घरटे प्रतिदित काम करके एक काम को 14 दिव में समाप्त करते हैं। यदि श्रमिकों से 7 वयदे प्रतिदिन काम जाय कि यह काम 9 दिन में समाप्त हो जाय ?

कराया जाय, तो बनायो, श्रमिकों को संख्या कितनी बगर्र

(३६) 33 मनुष्य प्रतिदिन 6 घरटे काम करके एक काम को 8 दिन ' में कर सम्ते थे। किन्तु उनमें से कुछ मनुष्य चले गये भीर शेष ममुख्यों ने 8 घरडे प्रतिदिन काम करके उस काम की 9 दिन संपुरा कर दिया बनाबो, कितने सनुष्य वने

ரும் நிர

पन्द्रह्वां द्यध्याय

समय धीर द्वी

(1) कोर चलने बाली बात, मामद की कियी हकार में जिनकी ं चल सकती है, उसे उस बातु की चील कहते हैं।

उराहररा-परि समय को इकार घररा हो, तो को सीस

इंड बरों में 30 मींब दाप उसमें चार 30 मींब मींब करता होती।

एक महत्त्व है मील की करता की कार में कलता है। एक बरहे में दर जिल्हों हुर बज़ा = 3

हों बार्ट में दह जिल्ला हर हतेगा मारे अने मोब होत हरहे में बह दिनहों हुर कड़ेगा मही अही मान

चारकारे में बर दिननी हर करेगा = है अने मीन

क्यों कर मिर्कन हुका हि

tile ein y sint

त. हात हो हि हा ई हरी है 12 होंड हरना है, हो हरू

. et !! P.a T.L. et; 8. e.a v. e.a et; f. - 57

ويد

فقيله فتدية في تالب - و ير كره فيلا في هية

रपष्ट है कि वह 15 मील 🛂 घरटे चर्चात 5 व्यटे में वजेगा। चतः

ममय = दूरी

उदाहरण (१) क एक घरटे में 4! मील, श्रीर ख एक घर 3} सील चलना है। यदि वे प्रातः काल 6 वजे एक साय चय तो बताओ दोपहर तक क. स्त्र से कितना आगे निकल जायेगा है

पहली रीति मात:काज 6 बजे से दोपहर तक का समय = 6 घरटे

6 घपढे में क. 6 × 41 ≈ 251 मील चलेगा। 6 चएटे में स्व 6 × 3} ≈ 21 मील चलेगा

∴ दोपदर तक ख़ से क. 25} ~ 21 = 4} ·मील धारे जायना है

दसरी रीति

285

प्क घण्टे में क. स्तु से (4 - 3 रे) या 🖟 सील ऋषिक चलेगा .. कः थरटे में स_र स्त्र से रे×6=4 के मील बाते निष

जायेगा । उदाहरण (२) मुक्ते किसी स्थान पर निरिचन समय पर पहुँक है। यदि मैं 3 रे सीज प्रति घएटा चल् तो मैं वहाँ निर्वात समय 4 मिनिट देर से पहेंच गा. चीर यदि में 48 मील प्रति बख्टा वर्ष तो निश्चित समय से 12 मिनिट पहले पहुँच जाउंगा, बताधी व स्यान कितनी दूर है ?

करुपना करों कि वह स्थान ! मीज की दरी पर है।

पहली भवस्या में एक मील चलने में मुक्ते_{।ई} घपटे या 16 मिनिट तोंने चौर दूसरी भवस्या में 5 घपटे या 133 मिनिट लगेंगे। दूसरी भवस्या में मुक्ते 16 – 131 = 23 मिनट समय कम लगा । या यूं कही कि 23 मिनिट को संयत होता है। परम्तु प्रस्त के

ह्युसार 4 + 12 मा 16 मिनिट बचते हैं। धतः जब 2ई मिनिट की बचत होती है तो वह स्थान=1 मीब

दूर है। सब 1 मिनिट की बचत होती है ती वह स्थान = $1 \div 2$ ीं मीज दर है।

सब 16 मिनिट को यवत होती है तो यह स्थान = $(1 \div 2 \frac{2}{5}) \times 16$ मील दूर है ।

 $=\frac{1\times3}{8}\times16=6$ मील दूर है।

घतः वह स्थान 6 मोत्र दूर है। उत्तर या बीज गरित द्वारा—

मान को कि वह स्थान क्र मीत दूर है।

को
$$\frac{x}{3\frac{x}{4}} - \frac{x}{4\frac{x}{2}} = \frac{16}{60}$$
, स्वयंत्र $\frac{4x}{15} - \frac{2x}{9} = \frac{16}{60}$

हमवा 48 x - 40 x=48, 8x=48, ∴ x=6 ३. सापेझ चाल ।

पहली जनस्था

सदाहरू : कुडीर ह्म पुरु दुम्मे से ' मीज के ब्रन्तर पर हैं। यदि कु माल प्रति घटटान्य को दीर वर्ष दीर हुद से मील ब्रिके घटटाक को बीर देश ताज किन्से समय संपृक्ष तसरे साहिस ब्राकेटे रिश्चे मूल गांशान कु 5 सील प्रति पयदा की चाल से ख़ की भीर चड़ता है, भी ख़ र सील प्रति पयदा की चाल से ऊ को चीर चलता है, तो स्प

खु क्र भाव भात पेपटा का चाव से क्र का चार चवता के वा रें है कि एक पेपटे में, क्र 5 मील खु की चीर चाता है खु 4 मीब क् की चीर चाता है।

सतः एक घरटे परवान् उन के बीच का सम्तर 5+4=9 मी। कम हो जायगा।

इसी मकार वृत्तरे घरटे में भी यह धन्तर 9 मील बीर बन रं सावेता इरयादि। इस मकार वे प्रत्येक बचटे के परचान् 9 मील समीप वा गो

हैं। बता ने श्रेट या के पर है में एक दूसरे से मिल जायेंगे। उत्तर उदाहरण (४) का यहतमर से नाहीर की चीर पना चीर उनी समय दह सहीर में चमुत्तर को चीर पन पहा। चमुक्तर ची

बाहीर के बीच में 33 मील का चरतर है। सु 45 मील प्रति वर्षा भीर रहा 34 मोश प्रति प्रवटा चलता है। वे एक दूसरे से कर निर्वेग भीर वह स्थान लाहीर से कितनो दूर होगा ? से प्रतिकृत दिशामों में भन रहे हैं

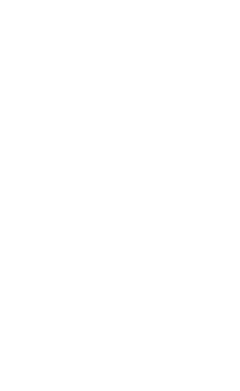
उनकी गति का बोगफल $=4^{3}_{+}+3^{1}_{+}=8^{1}_{+}$ मील प्रति वय्ही वे दोनों 33 मील, $\frac{33}{84}=4$ घरटे में चन सेंगे 4

वे द्वारा 33 मान, 81 = 4 घरट म चन सग । वे एक इसरे से 4 घरटे पत्रधार मिलेंगे स्व 4 घरटे में 35 × 1 = 15 मील धलगा

. * व चार्तार स्रोति नाचनर, ण्यान्यसिसँगः।

्रसर्गे श्रवस्था

उदाहरण ४) तो स्थान एक तुमा थ । भागा दूर है। वै



: ? & मुल गणित प्रश्तावली ध्र3 (१) के और स्त्र एक स्थान से प्रतिकृत दिशाओं में एक दी समय चले । उनकी चाल क्रमराः 3} भोल चौर 3} प्रति घरता है। बताओ, वे कितने समय में एक इसरे से 58 मीख दूर ही कार्येंगे १ (र) क् ण्कथरटे में 🕃 भील चलता है। बद् स्तु से 🚉 बरो पहले चला धीर ह्य 🛂 मीज प्रतिधन्दा की चाल से उसी सक्ड पर उसी दिशा में चला। चनाची, बद्धा के पास किस समय पर्य जायेगा ? (३) चित्र कोई अनुष्य 3½ शील प्रति चवटा चल कर किमी श्यान पर 4 सबटे 30 मिनिट में पहु"च जाय, ती पताची वरी मनुष्य 5% मीख प्रति चवश की चाय से किनने समय में उस स्थान पर पहुँच कर सीट चायेता । (क) दो मनुष्यों ने सपनी साइकियों पर वृद्ध ही। समय बादीर से ब्रमण 7 है मील चौर 10 मोल प्रति शक्टा की चात्र में प्रम्यान किया, तो बनाची वे कितनी देर में एक वृत्रीर में 🕉 मीज दूर हो बावेंगे ? (क) चित्र दे एक ही दिशा में नर्थे, (न) यदि वे प्रतिकृत दिशाओं से वर्षे । श्व मन्द्र मध्या संश्री। दसरा यहाँ। से सवा । वर्ष की मान व्यति बचना का बाज मा सीत नुमता १६ मी व वर्ता को नाम य नमा। वर्त व वक रमा य । बन्दे पाचार निर्दे AT ARISE STUDY A LINE FERST ST & ! ा व प्रत प्रवास मध्या १ । वह ह्यू से 👉 प्राप्टे वर्ष बच रव १ है, "इ कर रर रमा सबस से "१ मीच की

चल्ला की चाल से उसके चौंदे चौंदे चला । बसाका हा सुन्ध ert fugen?

(a) re sir faute a till gr mit fit faute sur cie चौच जिल्हा में गुप्त बील की चाल सामाना है। चीर चीर चीर विविद्य के एक बीज की काल कर कारता है। काक कार

किन्ही हर शामने हे काड चक्रमा वर्णमा है (घ) एक चीर हात ने क्षेत्र शास संदा सीर नह शील शीर करता का कार से महान कता। एवं कालाते उसके चीए 🕻 ६४ जात

र का चौर ६ सील प्रति धरण को चाल से करका चाल करन रामा । बनारों, बर नियारों इसे दिय समय एक्ट सना है छ और हुए क्रीली एक क्षेत्रप्रमा बाहादियाँ एवं खेराबी, स कारत ही कीए कड़े र का होंगे अंधा एक रूपने में निव्य हान er fivee and 12 mis will lit wis nie very

की ब्याब की बाते हे बनाकी हाद हा, सक्ता रहू में हारराह मह er un ner merne bie e er gim'

(१२) एक विद्यार्थी घर से 9 बजे स्कूत को चन्ना । यदि वह 3 सीच प्रति घरटा चले तो यह स्कृत के समय से 5 मिनट देर में पदु चेगा, और यदि वह 🖫 मील प्रति घएता चल्ने तो स्कूल 🤻 समय से 5 मिनट एउने पहुँच जावेगा । चताची रहत किय समय सराका है १ (१६) क, सुचीर सुक्रनसः 3,4 चीर 5 मोज प्रति घण्डा की चाल में चलते हैं। वे पूना से असताः 1, 2 और 3 बते बपे। स्य जय कर में जा मिला भी हुए ने असे एक मेरेश देश्य हा के पाम वीदे भेज दिया। बनाश्री स की यह संदेश किम समय farat 1 (१४) एक मनुष्यको ३३ मान प्रतिभवता की चात्र से हा स्थान में रह स्थान तक जाने धीर 🕸 स्थान वर बायम भाने में 🖫 🛎 समय जाता । यदि बद् ो सीच प्रति धवडा की बाज से जाता यार । स'ला परि पण्डा की चाल से बायम साना। हो इय े मिनद चिवक संगते । बतायो क्ष्र स्थान स्व स्थान से बिनती

मूल गणित

285

दर या १

श्रास्त्रपञ्च प्रीति ह्यू पठ दो यसच कियो क्यान से पठ दी इस्ताल पत्त । इस्ताल पद्माल देव प्रवास की प्रवास की या पत्त करा । सीना प्रतास पद्माल पोत्त पद्माल पत्ति । लाग पत्ति पत्ति हो चित्रपत्ति । प्राप्ति की पत्ति स्वास पत्ति । पत्ति । पत्ति । पत्ति । प्रतासी की

4 *4 ! 44! #4

- (14) क्ष एक स्थान प्रसे हमते स्थान क्षू के कोर 3 सील प्रति वयदा की कान से गया। एक परदा परकात् क्षु उम्मी स्थान से भीत प्रति वरदा की काल से कान रहा। यह स्थान पूर्व कु से 3 वरदे दहने दहने स्थान क्ष्मान क्ष्मान कु
- (14) कु चीर स्व एक हो समय खाहीर कीर बालन्यर से एक हमरे को चीर हमगाः 4 मील कीर 5 मील चीर घटटा की काल स कुछ र दे एक हमरे से इस समय मिले कर हा, कु से ११ माज करिक चल चुका था। बलाबी, खादीर स शालन्यर विजना हर है ?
- (इस) क्यान कुंसे क्यान द्यु क्यास्य अध्योत दूर है । यह दूरका क्यान कुंसे यहां कींग हमने ककते के अवदरे याकान्तक सीत क्यों से यहीं। सीता क्यान दुवसे हो। साढ़ का दूरा पर दूरके सहासिकी । सीता है सीत क्यान करता का काल से कर बढ़ा की कालायी, दूरका कि की सीत करता का काल से कन बढ़ा का की करि दूस सीता का द्यार पर अन्न के काला हमें हैं किया दूरका करें, को कराकी क्या दूरकों से किस सतक विजेटी।
- (१६) प्रयास न कालाम देश सीव हुत है। मेरा एक जिल्हा को करकी मारोक केर बार का करते में वरलाका बहुत अनेता काला न राज्यों शत्ती में केर बार करता तक को नीत करी काला में नाम केर की का करता हुई की करता में मेरा के करता से का करता करता कर कर कर सम

१०) क्राचौर खने 3 मील प्रति घयटा की चाछ से एक साथ से यात्रा धारम्भ की । जब वे दू मीज चले गये ती स्व उपी बाड से उस स्थान पर लौट श्याया जहां से यात्रा श्वारम्भ की मी।

मूल गणित

यहाँ पहुंच कर बह र्ने छयटे रका रहा । इस बीच में क बराबर चलता रहा। ऋह सुने किर से यात्रा भारम्म की और 21 घरटे में हर को एक्ट जिया । बतायी, दूसरी बार वह किस चांब

से चला है

२०

सोलहवां श्रध्याय

निष्पत्ति श्रीर श्रनुपात

1) यदि मोहन के पास 5 रुपये हों भीर किसोरी के पास 10 रुपये हों भीर किसोरी के पास 10 रुपये हों भी स्वार्ध या ½ रुपये होंगे। या यूं कही कि मोहन भीर किसोरी के रुपयों में 1 भीर 2 पा (1 : 2 पा ½) की निष्पत्ति हैं।

२) यदि दो रेलाओं को सम्यार्ट 4 इंच कौर 7 इंच हो सो पहलों रेला दूसरी रेला का ई होगी। या पूंच्हों कि पहली रेला कौर दूसरी रेला में 4 कौर 7 (4 : 7 या ई) को निम्मति हैं।

- ३) सानप्रसाद एक दिन में 15 रुपये बमावा है भीर हंसराव 5 रुपये, तो समप्रसाद की एक दिन की भाग हंसराव की एक दिन की भाग हंसराव की एक दिन की भाग हंसराव की एक दिन की भाग का १० था ने हैं। या मुंकही कि उनकी भागों में 15 भीर 5 (15:5) या तीन भीर एक (3:1) की
- निष्पत्ति है।
 (भ) यदि एक राश्चित हो और दूसरी b वो दोनों राशियों में a: b

ऋषत्रा $\frac{a}{b}$ की निष्पति है।

(२) पिरिमीपा —दो सजावाय साधियों में एक सांध दूमरी वा बीनसा भाग है भयवा एक शांध दुसरी में दिवनी बार सम्मिलित है, यह दिस भिन्नानक भयवा एतं मेंद्या द्वारा प्रकट दिया जावा है उस केवल महत्या को पहलो नया दूसरी सांध को नियास बहुत है।

ध्यान रखी कि दोनों रामियों की इकाई एक ही होनी बाकरपड़ है। यदि तीन रुपये धौर 40 धाने की निष्पत्ति निकाननी हो वी दोनों शरिग्यों को सजातीय बनाना पहेगा, चर्यान या हो दोनों राशियों के रुपये बनाने होंगे या चाने। अब 3 रुपये = 48 माने

मल गणित

२२३

धन. दोनों राशियों में 48 और 40 की या 🔭 📑 की निप्पत्ति होगी। स्पष्ट है कि निष्पति एक केवल संख्या में, यह न यन है न फ़ुट, न रुपये न घाने।

त चौर b को निष्पत्ति के है। इनमें संα को पूर्वपृद् चौर b को प्रपद कदते हैं। भौर a भौर b को निष्पत्ति के पद

कहते हैं। उदाहर्सातः - यदि व चौर b क्रमशः 71 रुपये चौर 31 रुपये को सचित करते हों. तो द धीर b को निष्पत्ति = 71/33

- 15-15 ध्यान रखने योग्य भात यह है कि परिग्राम केवल 2

है, 2 रुपये नहीं । (1) हम जानते हैं कि 60 = 6 और 6-2 = 6 शत यदि किसी निष्पत्ति के दोनों पदों को एक ही राग्रि से गुणा किया जाम था भाग दिया जाय, तो निष्पति के मुख्य में कोई अन्तर

नहीं पहला।

 (७) हो नित्पत्तियों की तुखना करती हो तो उन दोनों के प्रपृद्ध यक जैसे करने वहते हैं।



भाग नास्त्र (६) यदि निष्पत्ति के दोनों एट बरावर हों तो उसे साम्यत कहते हैं। जैसे 🖫

(७) यदि पूर्व पद, परपद से बड़ा हो तो लिप्पति के दीर्घ श्रमाम्यता कहते हैं। åà ± (क) मदि परपद, पूर्वपद से बदा हो तो निष्पति क

जैसे ह श्चनपात

लघु श्रसाम्यता कहते हैं।

(1) धार रुपये चौर तीन रुपये में ई या 4 : 3 की निध्यत्ति है चौर बील साम चौर पन्दद साम में भी 👯 = ‡ या 🛨 : 3 की निष्यति है। क्यांत् दोनों निष्यतियां बरावर हैं। इसे दम इस प्रकार विषये हैं .--

4 रुपये : 3 रुपये : . 20 भाम : 15 भान [मध्य के (चार विन्दु), बरावर है के चिन्ह (=) के चारों

सिरों की महत्र करने हैं।] 4 रचवे चीर 3 रुववे में जो निष्पत्ति है वही 20 चाम चौर 15 बाम को निष्यत्ति है। धर्यात् दोनों निष्यत्तियां बरावर हैं।

परिभाषा अब चार राशियों में ऐसा सम्बन्ध हो कि पहंची श्रीर इसरी की निष्पत्ति, कासरी श्रीर श्रीथी की निष्दत्ति के बराबर हों, तो उन चार राशियों को ग्रानुपाती कहते हैं। यह उ धौर छ की निष्यति ८ और ¼ की निष्यत्ति के बरायर हो, तो इस सम्बन्ध की

बहुधा इस प्रकार जिल्ला जाता है —

निष्पत्ति स्रोर अनुपात a:b::c:d २२४ भयवा a:b=c:d भयवा $\frac{a}{b} = \frac{c}{d}$

की राशियां माध्यमिक पद कहलाने हैं। 3, 4, 6, 8 ऐसी चार मंध्याचे हैं जिन में 3 चीर 4 की

ाच्पत्ति 6 बौर 8 को निष्पत्ति के समान है। षतः 3 : 4 :: 6 : s

ष्माने 4 पाई = 5 4 10 का

च्छुपात में पहलां चौर चन्तिम राशियां गृह्मिपट् घौर यीच

कपर दिये सम्बन्ध को श्रनुपात कहते हैं।

इस चतुपात में 3, 8 बाह्मपर हैं और 4, 6 माप्यनिक पद हैं। नित्पति चीर चनुपात के मानों को हल करने के सुख उदाहरस उराहरण (१) 5 धाने 4 पार्ट को एक रुपये की निस्तानि के रूप

२२६

नियानि के दोनों पत्तों का योग =7+9=16क्षत्र 272 को 16 पर भाग दो सजनसङ्ख्य 272-16=17

अप निष्यत्ति के प्रत्येक पद को 17 से गुणा करो । भनः इष्ट भाग 17 ∕ 7 शीर 17 × 9 हुए

था 119 चीर 153 उत्तर

उदाहरण (३) एक निष्यत्ति है के बरावर दे बीर उस का पर्य एद 7 दे। पत्यद प्रतीय करो ।

 $\frac{q_{177}}{q_{1}} = \frac{4}{3}$ $\frac{q_{177}}{q_{177}} = \frac{28}{3} = 9 \frac{1}{3}$ $\frac{q_{177}}{q_{177}} = \frac{28}{3} = 9 \frac{1}{3}$

्रे वायर = 3 = 9 } उत्तर उदादरंग (४) 33 क वेंदे दो भाग करों कि वहते भाग के 7

हि चीर नुमरे भाग के 11 नृते का बोग 312 हो। चत्रचे भाग का 7 नृता →नृमर शाम का 7 नृता ≈ 33 × 7 — 231 — कार नृत्या भाग का (11 − 7 जा 4 नृत्या

= 312 - 231 = 31 - 71 - 71 = 71

क्षीर बहुवा संग्र≘ १० = ० १ =

ક્લાન ફેલા



(१३) एक निवासि का पूर्वपद 271 है। यदि वह निव्यक्ति है के बरावर हो, तो परपद का मान बनाची । (२०) एक नित्यनि का परपत् 35 है। यदि वह निव्यति 🖁 के नरावर हो तो पूर्व पद बनामो। (२१) 36 के ऐसे दो भाग करो कि पहले के 6 तुने और दूसरे के 7 गने का सोगकल 231 हो। (१२) यदि a . b = 3 : 4, b : c = 5 : 6 सो a : c का मान मनीत करो । (२६) जब A 7 रुपये कमाना है तो B 5 दपये कमाता है, #प B 2 रुपये कमाना है सो C 3 रुपये कमाना है और अप C

मल गरिएन

445

6 करवे बताना है तो D 5 रुपवे बताना है। यदि A112 हदवे समावे. तो D क्या समावेगा ? (२४) एक मन्त्र्य की भाग चीर स्थय में 6 : 5 की निप्पणि है। वर्ष उसका स्वय 2250 क्यवे हो, तो उसकी भाष बनामी।

(२४) वृक्त गार्चा 11ई चन्दे में 3974 मीख जानी है चीर वृष्टी 8) बन्दे में 262,1 मीज । दीनों गादियों को वालों की पृथ्या

करो ।

सत्रह्वां द्यध्याय

धनुषातीय मानी में विभाग

बई बार किया सारित की ऐसे भागों में बोर्ट को भारत्यका होती है जिनमें कोई स्थिप भट्टपात हो। इस प्रकार की बीट की कीक गरित में छातुमातीय मार्गी में विभाग करते हैं। इस प्रकार के मान भट्टपात के नियम द्वारा हुल किये जाते हैं।

देने प्राणे के कुछ उदाराग नीये दिये आते हैं।

हदाहराह (1' 242' रूपने का तीर महामी हु, हु कीर मृ में इस प्रकार कोरों कि उसके मार्गों में 2, 4, 5 का बहुपात हो ।

यदि इस 242 रुखों को ऐसी देखिं समाये, कि अयेक हेरी में 24445 कपांद II रुखे हो, तो ऐसी इस देखिं ⁵⁴⁵ कपाँद 22 होंगी। इस अकत इस देशे में सू का भाग 2 रुखे सू का भाग 4 रुखे की सू का भाग 5 रुखे होगा।

घटः कु का भारः =2 रुव्ये ×22 = 44 रुव्ये ।

कीत सु का भाग=4 रहदे×22=66 रहदे।

मीर शृक्य साम=5 स्परे x 22 = 110 स्परे 1

चर 44, 88, 110 को जना किया तो 242 प्राप्त हुए, जिससे यह समय है कि समन्त अन जमा तिमे चनुमात के चनुसात केट गया है।

म द्विया के साथ पर में इस प्रकार से मार्थ मह

१३० मूल गणिन

कुछ स्था का 15 भाग = 242 − 11 = 22 रुपये . कुछा भाग = 22 × 2 = 44 रुपये

स्व का भाग = 22×4 = 88 हरवे स का भाग = 22×5 = 110 हववे

वदाहरण (॰) 180 न्यये क, स्वचीर मुझें इन समा चौरी कि स्वची कुसे दुकने न्यये क्रिलें चीर मुखी सुबै निमुने।

इस बरन के चनुसार यदि कुकी युक्त रुपया सिक्रे नी हा की इंग्येप सिक्षने भारियें भीर सुको छ रुपये।

भागः कु, राज्ञीर सुक्ष भागी से 1, ८ ग्रीर ७ का सहराण है, चीर 1 ८ 6 का भोग 9 है।

.' सु की भाग = 180 x \ , स्पर्व = 20 व्यवे ह्य का भाग = 180 x \ , स्पर्व = 10 स्पर्व

हा का भाग = 1800 × ', रागे = 10 रागे | वृश्य म का भाग = 1800 × ', रागे = 1-0 रागे | होत = 1800 रागे

उदाहरता (२, 195 स्पर क्. स्त्, म् में इस बचार कोर्स क् बनके बागों म ३, ६, का समाजवान हो।

_ d, i =1 = - a+ = 1.2

WT 1 - 1 - 1 - 1 - 1

्र । सब इन शिल्या का श्वराश्वरात बड़ा है जा १ । ६ वा है । विल्या - १

द्धान द्वां चंद्रमा ∡ स्पृत् – संस्

```
ख का भाग = 195 x 13 रपण = 60 रपण
     चीर मुका भाग = 195 \times \frac{3}{13} रपये = 45 \times 5
    इहाहरसा(४) 2:18 को ऐसं भागों से दारों कि उनसे 'ठ, 17,
195 बीर 2 का बतुपात हो।
   8+1-7+-95+2=545
   भतः हस्तित भाग यह होंगे :--
          = 2·18 # 50
         = '32' (पहला बत्तर)
```

पहला;भाग = 2°18 का 8 दूसरा भाग=218 का 17 = 2·18 (170 = '68' (दूसरा वत्तर)

सीमरा भाग = 2·18 का 5 45 =2·18 = 85 = '38' (वीसरा उत्तर) वीथा भाग = 2·18 का 3

= 21 × 2(1) े चौत उत्तर २३२ मूल गाँखत उदाहरण (४) 2700 रुवचे राम, श्वाम, चन्द्र भीर महेन्द्र में इस प्रकार वॉटी कि '---

हास का भागः श्यासका भाग=1:2 श्यासका भागः चन्द्रका भाग=3:4

चन्त्र का भागः महेन्द्र का भागः 4:5

इस प्रश्न के चनुसार यदि राम का भाग=1,

याद राम का भाग≔1, को स्वाम का भाग≔2,

बन्द का भाग =2×ई=१ धीर सहेन्द्रका भाग =९×१=१०

इस भारती का योगफ $a=1+2+\frac{5}{3}+\frac{12}{3}$

 \therefore राम का भाग= $\frac{2700}{9}$

≈300 क्यथे (पहला उत्तर) भौर स्थाम का भाग = 300 × 2 क्यथे ≈600 क्रथरे (ट्रम्मा उत्तर)

≈600 रुप्ये (दूसरा उत्तर) ग्रीर धन्द्रका भाग=300 × इं रुप्ये

≈800 रुपये (तीसरा उत्तर) चौर महेन्द्र का भाग-300 × ५० रुपये

-- 1000 रुपये (चौथा उत्तर) उदाहरण (६) 12540 रुपयों को हन्द्र, शरेन्द्र की सुसेन्द्र में इस प्रकार बारों कि इन्द्र का भाग सहेन्द्र की सुरेन्द्र के भागों का रें ही. भीर सहेन्द्र का भाग हन्द्र खीर सुरेन्द्र के भागों का

कार्रहो. १ हो ।



₹३५

्रियों है हैं सिहित हो, सीर सर्प-काइन से क्लोमिन के सिक् तियुने हों, श्रीर निर्म्लियों के बीयुने, तो बतामी कि इर उक्त के पिक्ते किनने हैं ?

मूल गरिएत

इस प्रश्न के प्रमुखार यदि उस धैक्षी में एक पर्यक्राउन हो हो शीन प्रकोरन होंगे चौर 4 शिलिंग ।

किन्तु एक धर्यनकाइन ≈ 2 शिक्षित ८ पैस चौर तीन प्रज्ञोरन == 6 शिक्षिय चत: इस घनुषात ये सिक्कों के मृक्ष्य } == 2 शिक्षित ८ पैस+७ शिक्षित र 4 शिक्षि

का जोइ] ≈ 12 शिक्षिम 6 पैस

भत यदि सारे सिक्डों को ऐसी देरियों चनायें कि प्रायेक देरी के सिक्डों का मूक्य 12 जिलिंग 6 पैस हो तो ऐसी देरियों

> = $\frac{26}{12} \frac{\text{dis}}{\text{Risin}} \frac{5}{12} \frac{\text{Risin}}{\text{Risin}} 0 \frac{3}{4} \frac{\text{dis}}{\text{dis}}$ = $\frac{525 \times 2}{25} = 42 \frac{\text{dis}}{\text{dis}}$

इस से यह जात हुमा कि यैली में से ऐसी 42 देशियाँ वर्ग सकता है जिनमें से प्रायेक में एक चर्च-काउन, 3 फ्लोरिन धीर के शिलित हों। बारा पिकड़ों की संख्या इस सकार है—

धर्ध-माउन = 42, पत्नीरिन = 42 × 3 = 120, धोर शिक्षिम = 42 × 4 ≈ 10 ×



२ ६६ मूल गरियत (18) 74 पींत्र 5 सिलिंग 9 पैस को लु, स्त्र और ग्रॉमें इस बकार पीरों कि लु को स्त्र के भाग का ∤ सिने और ग्रांको लु के भाग का ∤ा

19) मीन कमों में 222 अपने बैटे हैं, पहले भीर दूरारे कमें के अपने तो संज्या में 3 भीर किया चतुरार है पीर पूर्में भीर मीनों कमेरे के अपने से ने संज्या में 7 भी 11 का चतुरात है। मध्यक कमेरे के अपनों की संज्या वताथी.
(54: जार सम्मी में 50000 मैंतिक भारती करने हैं। यदि इस मान्ये

में 175002, 82434, 22116 भीर 20418 मनुष्य भारती होने के बील हो. तो बनाबी, अरवेड बारण में डिस्ने मनुष्य सेने वादियें ? (34) 1540 रुपयी की क, स्तु, गु, में इस प्रकार बीधे कि क का भाग स्त्र भीर गुरू आगों का हु ही, भीर स्त्र का माग क

भीर सुने भागी का है। हो। प्रेम सुने भागी का है, हो। (१-) से बहुकों की सालु 10 वर्ष और 8 वर्ष 9 साम है। यदि उनको 10 सींद्र 5 सिताम 3 देस सारितोचक निले कीर प्रयोक को उपकी सालु के सनुसार सारितोचक दिसा साथ, मी

का रुपके भाष्ट्र के पुत्रका स्थापकार हैं का लोग ... बनाकों ज्ञेष की बचा शिवेला ? (१६) 333 बीड । सिलिंग 8 वैस को क्रू का कीर सु से इस सहत्र बीटों कि हा को क्रू के सात का 14 सिलें, कीर सो क्र कीर हो के साती के बोतका के बतावर ! (१६) से बीड वक निर्धित ने वैस का क्रू हा चीर सु स इस सबस बटा कि कु कर हा कर नता कर , रिको चीर सु की सु

a ferten afra feri

- (२०' एक मनुष्य ने मरते समय यह इच्छा प्रकट की उसकी सम्पत्ति का काणा भाग 'क्ष' को मिले, एक तिहाई भाग 'ख्' नो बीर चौयाई भाग 'म्' को । सिद्द करो कि यह बदवारा ठीक नहीं है ? यदि उसकी सारो सम्पत्ति 1226 पींड 4 ग्रि॰ 6 पैस हो, तो उसकी इस प्रकार बांटो कि का ख ब बीर सु के भागों में बही अनुपात
- हो, जिस शतुपात से यह बटबारा करना चाहता था।

 (२१) 1471 रुपये S साने को तीन मतुप्यों में इस प्रकार बांटो कि पहले

 मतुष्य को दूसरे मतुष्य के भाग का साधा मिले, और दूसरे को

 तीसरे के भाग का तिहाई।
- (२२) 1628 रुपये 5 मनुष्यों, 12 स्त्रियों भीर 20 सहकों में इस प्रकार बांटी कि प्रत्येक स्त्री को सहके से रुपने भीर प्रत्येक मनुष्य को स्त्री भीर सहके के भागों के योग से दुगने रुपये मिर्से ।
 - (२३) 142857 रुपये पांच अनुष्यों में इस अकार बांटी कि पहले को दूसरे से 1½ गुना मिले, दूसरे को तीसरे का 1⅓ गुना तीसरे को चीधे का काषा चीर चीधे को पांचमें का तिकाई मिले ।
 - (२४) पांच मनुष्यों का वेतन 250 रुपये, 185 रुपये, 140 रुपये, 100 रुपये, चौर 50 रुपये हैं। बताची, यदि उनको 1160 रुपये पारितोपक में मिलें तो वेतन के चनुसार प्रत्येक के भाग में कितने
 - रुपये चार्षेते ! (२१) 1455 रुपये $\frac{1}{7}, \frac{1}{12}, \frac{11}{12}$ के चतुपात से बांदो।
 - (२६) 581 पाँड को तीन ऐसे भागों में बांटो कि पहले का चौतुना इसों के पंचानने कीर तीसरें के सत्तान के बराबर हो।
 - क्सों के पंचगुने की सोसरे के सत्तगुने के बरावर हो। iea तावा पानी से फिल गुना कीर टीन, पानी से रिंग शुनर

मूल गणित भारी होना है। यदि 20 धन इंच डीन को 30 धन इंच हरि

⇒že

में मिलायें, तो बनामी कि वह मिश्रण 50 धन हंच पानी मे

किनने गुना भारी होगा ? (२६) वरि 200 चौम देने सीने को जिसमें 24 में सं 18 मान

निरे सोने के हैं, 128 चीन ऐसे सोने से निवार्वे क्रियमें 24 में य 15 माग तिरे मोने के हैं तो बनाओ, इस मिश्रत में द्वार

(२३) जुड सिश्रमा से 100 वींद्र नोबा और 31; वीड दीन है। वोदे सं होते शंकों में तर्वि चीर रोत का निष्यति बनाची। (६०) 60 ६५ वींड को 'ऋ' 'स्नु' भी भीर 'स्नु' में इस ब्रक्टर वाँदो कि का लाळके ही लाशाच्या है। है, भीर सहस

सीन का कितना भार होता?

= 17 1 h

श्रठारहवां श्रध्याय

साभा वा पत्ती

(1) को धन किसी काम या व्यापार में खगाया शाता है उसे पंजी कहते हैं।

थ्य दी या दी से धधिक सनुष्य सिलकर कोई व्याचार करते हैं और टमर्से धपनी धपनी पूंजी लगाते हैं तो बहा जाता है कि वह आग्रेड में प्याचार कर रहे हैं।

साफे में प्रचेक साजी कपनी पूंडी के कतुपात में हानि की हो। जाभ प्राप्त करता है। यदि उनकी पूंडी काश कायर हो तो उन्हें हानि कपना लग्भ भी पराक्त करावर होता है। यदि उनकी पूंडी बरावर न हो, तो वह कपनी पूंडी के कतुपात में हानि पा लाभ करि सेते हैं।

किसी स्पापार में सब मामियों की पूंजी यदि बराबर समय तक लगी रहे तो उसे माधारण या सामान्य सामा उदते हैं।

क्ट्रैबार साम्पियों की पूंजी भिन्न भिन्न समय तक स्पापार में सभी रहतों हैं, पूंसी धवरथा में इसे मिश्र या श्रसमान साका कहते हैं।

(२) साधारण सामा ।

प्रशाहरता १ कृत्य भीर शु ने कक्षण १६६० रुपये, १८८० रुपये भीर १९५० रुपये मिलाकर स्थापन क्रिया । वर्षित उन्हें १९४० रुपये भीर १९५० रुपये मिलाकर स्थापन क्रिया । वर्षित उन्हें १९४०





उदाहरण (४) दो सनुष्यों ने एक स्थान 54 धीर को किया पे दिया। धारि एक ने 23 बोरे 27 दिन तक और दूसरे ने 21 बोरे 39 दिन तक दस स्थान पर बोथे हो, तो बचायों वे कितना किया किराया दें?

भवता व १ भवते अनुष्य ने 23 थोड़े 27 दिन तक या 621 थोड़े वक दिन तक तुमरे अनुष्य ने 21 थोड़े 39 दिन तक वा 819 थोड़े वक दिन

सब (है) सब 621 + 819 = 1440

. पड्डमा सनुष्य 54 पीड का हिंदी या 23 पीड 5 शिक्षिण ⁹ पैस दे

कौर दूसरा समुख्य केय किराया, क्यांन् 30 चीड 14 शिलिंग 3 येस दे । उत्तर उदाहररा (६) कुधीर दाने साके में स्वायार किया और स्र

ने कुसे द्वांडे रपये लगाये। काठ सदीने के प्रवान स्तु ने कपी काठी पूजी तिकाल को चीर इसके दो महीने परवान कुने क्यानी पूजी का 1 भाग से दिखा। वर्ष समास्त होने पर उच्टे 530 पीट का बाग

का : भाग शा थ्या । वय समाप्त हात पर उन्ह 330 पाड का आभ हुआ। बताबो, उन्हें यह धन किन क्रकार बॉटना चाहिये ? सान लंकि कृते 2 पींड व्याचार पर चनावे तो सुत्र ने 3 पींड !

हम्प नकार क्ष्म के 2 पेड़ 10 जानीने तक चौर 14 चौंड 2 महीने हक बा 2 + 3 = 2 चौंड एक महीन तक ब्याचार से असा रहा। हम्म प्रकार कर र चौड़ 2 महीने तक बोर 14 चौंड 1 सहीने

स्वक् मा (+। = ।'पाड (क समाने क क्यापान में बारे नहीं।



कृ का भाग = 3216 दवने का ^{67.6} = 1310 वनने

हा का भाग-3216 नवते का 1382 - 1972 करते. मुका भाग-3216 नवते का 1882 - 804 नवते.

कुको 1340, ह्यू 2032 (वेतन सहित) और गुक्रे

^{863 वर्षे} मित्रे। उत्तर प्रकायली ४६

 (3) कु चीर ह्यू ने स्थापार में बमरा। 1520 कु नथा - 2000 कु बगाव चीर दल्हें 150 काव 8 चाने का साल हुआ। अनाची

व इस बात को किस प्रकार बायस में बोर्ट ? (२) को सामियों के करमा 703 पीछ 10 मिदिन चीर 1145

वींच क्यापार में बागचे १ वनाया, 255 वींच के बान में हैं उन्हें किनना यम मिनेना ? (१) पर कारणार्थी के विकास स्वाप्ता में सामा 1997 करने 9 वर्ष

इन्हें दिशमा बन सिनेगा ? (३, शान ब्लाह्मों के फिला स्थापार में ब्रह्मण 4297 कार्य 9 कार्य 6 बाई, 5739) कार्य 2 काल, और 7162 कार्य 19 बार्य 6 बाई ब्रगाब : बरावों 9729 कार्य 11 बार्य के बाल में स्टब्स

का किनमा नाम द्वारा ? १७) न्द्र, ह्यु सु कीर सु चार मनुष्यों ने सामा किना । न्द्र ने पूँ में

का १, ह्यू में ३, ह्यू में ३ कीर उन कम सूने बताया १ वर्ष पर्ने 332) कार्य ६ काम बत्ता हो ११ ४ इस देखा प्रकार गर्ने १

(स. व्हें प्रदेश, में कुलावार स. (१४०) वर्ग समान । व्हें हैं हैं या १४०) करने कामक राज कार है। वह से साम प्रकार कारण

I med bigric it di bridgi bi labor end færet.

- (६) क् एक दुवान में मामी है और उसका महन्य मी करता है । उसने इस दुवान में 4500 रुपये लगा रुपे हैं । दूसरे सामी ख ने 6500 रुपये लगाये हैं परन्तु वह दुवान का कोई काम नहीं करता । क् को लाभ के भाग के मिनिस्मि 150 रुपया प्रति मान वेनन मिनता है । वर्ष भर के 4000 रुपये के लाभ को वे किस प्रवार वार्टे ?
- (*) क्, ख़ चौर ज्ञाने सामा दिया। चूंडो में क्राने 5425 चौड एक वर्षे नक, स्वृत्ते 5450 चौड 10 साम नक चौर ज्ञाने 6425 चौड 9 साम नक क्यांचे । चिंद उनकी 2000 चौड खाम को नो मण्डेक को क्यां निर्देश की उनकी 2000 चौड खाम को निर्देश किया निर्देश की उनकी चौड़ की 1000 प्राप्त के 1000 प्राप्त की 1000 प्राप्त
- (a) एड पुत्रक दिखेला ने पहले बनवर्ग को 80 श रपये हो पूर्व से क्यापार काराम हिया। 15 मिक्स्टर के दिन उसने एक सामी को माण मिछा हिया और उस सामी ने 11500 रपये क्यापार में माण मिछा हिया और उस सामी ने 11500 रपये क्यापार में माण में १ दिसारा के काल कर उन्हें 1654 रपये का साम हुआ हिस साम में दीनों का माण कला करना निकाल कर माणे ने इस साम में दीनों का माण कला करना निकाल माणे ने नक स्ताम ।
- (६) क्, यह चौर या में सामे में स्थापार विचा । क् ते 1000 कर, सू वे 1000 क्यों, सू ते 1000 क्यों क्यांचे । 4 साम चरवाद स्त्रे ते 2000 क्यों कि ति माम चरवाद सू के 2000 क्यों की ति साम चरवाद सू के 2000 क्यों की ति साम चरवाद सू के 2000 क्यों की ति साम में ति साम में ति ति
 - १४१ क्षु हर्ने के कारण मामार्ग है। इन्हानुष्टा के सन् रामा मान्य हरा अध्यक्ष के सामग्रीहरू के सामग्रीहरू का

186 मूल गणित माचा भाग निकास निया, भीर इसके 8 माम परवार, 2021 सः वे का श्राम बोटा गया । बनाधी व्ह को क्या मित्रा ? (१९) सु, स्यूचीर शुने सिनका एक सकान 150 चींच पनि की की तर से 2 वर्ष के लिए डिसाए पर विवा । का इस महात में 2 वर्ष वक बर समय रहा । हा इप महान में 16 मान रहा है र्शा इस मकान स 🛂 साम सब उस साथ हता. अब स्त्रः मी सकान में रहता था । बनायों, तीनो हिनना हिनना किसानी ÷, (१२) 🚁 र 1500 अवन न स्वावार शास्त्र किया, कृष मन्त्र परकात हा उसका सामी बन गया चीर उसने 21(8) नावै सताय । वर्ष के सान्त में शानी का बराबर बराबर सान अवार बनाचा, ह्या दिव सदय सादी बना था है १९६१ रामन १४१४) रुपय व स्थापार सारान्त दिया, बुद्ध समय परणार स्थान स्थवा माना बन गया थीर स्थते इस बाम में 21(8) काल बता दिन । वांत वर्ष य यान्त म द्वाना का समान कान हचा हो, तो बनाया स्वाम किनने समय प्रशास वाली बना (१९) के में 21(म) रचन में स्वापार चाराम किया : इसके 5 माम वक्तांक ह्र रहा सामा सन तता वता हा कितते स्वत् ब्रमाय स्वत्य ६ मनाचि राजवर राज्ये ही सामा

- रुपये के साम में से 120 रुपये मिलें, ता बनाशो स्व ने कितने रुपये लगाये थे ?
- (15) तीन मनुष्यों ने प्रिल कर एक रोन एक वर्ष के जिये 157 वीह में किराये पर लिया। द्वा ने 21 मेंल 7 माय नक पराये, द्वा ने 18 बेल 8 माम नक चीर सु ने 15 बेल 12 मास नक पराये। बतायो, प्रत्येक कितना किताना किराया देगा?
- (१७) क्र ने 9 मास तक स्थापार में कुछ रुपये खराये, श्रीर खुने 10 मास तक । क्रू ने खुने 1000 रुपये अधिक लगाये। 2310 रुपये के क्षाभ में में क्रू की खुने से 110 रुपये अधिक मिले। बनायो, दोनों ने दिननी कितनी पूंजी स्थापार में लगाई मी ?
- (१८) क्ष घीर स्त्रु ने सामा किया घीरक्ष ने सारी पूंजी का है, 9 मास तक ब्यापार में लगाया थीर स्त्रु को मारे लाग का है माग मिला। बतायो, स्त्रु का पूंजी कितने समय तक ब्यापार में लगी रही ?
- (१६) ह्न ने एक त्यापार 2000 रुपये खगाका धारम्म किया। 4 मास बीतने पर स्त्र धीर 6 मास घीतन पर मृजसके साकी बन गये। एक वर्ष परचात जो लाभ प्राप्त हुच्चा उसको 10:8:7 के शनुपात म घांटा गया। बताधां. स्त्र धीर मृने कितनी कितना पूजा लगाई था।
- (५०) कू ने एक स्थापार मान्यू मा है।।।। ठूपये आधक लगाय, परन्यु स्व की पाना न महीने लगा रहा नाम्यू, का 4 महीन । यदि तक्ष्मिक रूपये हे लागा मान्युक्त भागा, व कामान्य 48 रूपये प्राधिक हो। तामन्यक वा पाना मान्युका।

जाँच पत्र (दूसरा खगड) पत्र १

(1) 13 11025 का वर्गत्न निकाली ।

(२) बनाचो दिनने वींत का सरस्र स्थात 3} वर्ष में 2} वींड सैंध्या बाविक पर से 143 वींच होता ?

(६) किसी शशि के 12 प्रतिशत का मान 43 नगरे 8 पाने हैं।

बद राणि भाजम बरी । (v) A एक बाईमिटिय B को 20% के बाभ में वेचना है और B

उनी को ('के हाथों 25% के खाम से वेच देना है। बहि । को 225 सपने देने पत्रे, तो बनामी A ने वह बाईनिकड़ किनने काल म मोल की थी। (क बाँग A कोर 15 कियाँ काम का 12 दिल में कर सकते हैं

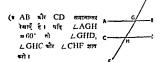
B चीर । 15 दिन में, चीर C चीर A 20 दिल में, की बनाया व करून करूने इस बाम की किनने दिन में हा

(4) 79) eggt at en ein eint fi afft fauf b. b. f et WATER AL

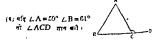
77 2 एक बारमाओ के ! विवासिनों की कीमन जान 12 को है.

o Specialit at 15 an alle 14 femiliant at 16 an है . यन कवा वर्ग ही की सन कानू सान्त्र हार ह - term gree is the deer tring to a Log # 36%





(२) प्रायंक त्रिमुत्र के कोगों का योग किनना होता है है र्वात्र किसी त्रिमुध के दो कीया 50° और 70° के हो सी वीमा कोच जात करी ।



(*) यदि दिनो चनुमुँ त के सम्मुख सुत्र समानास्तर हों वो उदे क्या 427 £ 9 (E) वर्ष दिमी चर्च शुत्र का तत्वेष्ठ कोन समझेख हो जो उमे सा

(६) वर्ष क्यी क्युंभुद के कारी सुत्र वरम्पर समान ही कीर प्रवेद

427 É !

बोल समझेता हो तो इस क्या बहुत है र

रेखा गाँछव के प्रार्थम्भक सिद्धान्वों की दोहराई

(१०) यदि हिसी चर्नु भुव के दो भुव समानान्तर हों तो उसे क्या

काते हैं ! (११) यदि कियी चतुर्म व के सद सब पास्पर समान हो परना उसके

बोल समधील न हों. हो उसे क्या कहते हैं !

(1२) परि कियी चतुर्यंत्र के दी दी संज्ञान मुख समान हों हो उसे

क्या बहते हैं !

वीसवां अध्याय

द्यायत का क्षेत्रफल

सह बनक्ट है कि दो सर्वोत्तास कोज परस्यर सब महार से बात दोने है, बना जनके कोजक्क भी बरावर होते हैं। परमून दव मा रक्क नहीं कि बरावर कोजकों के दो कोज सर्वोत्तम हो, वहीं तिस्तर्काल काक्ष्मां को ऐसी कोळ साष्ट्रांत्वा बनाई जा सहती किस्के कोजक्ष्म प्रस्तार समान हों। बरावर कोजक्र वाली वाहर्ति

्रितके को प्रकार पश्यार समान हो। बराबर को प्रकार बाली बाहुन्त को बराबर बहुने हैं और तेनों प्राष्ट्रीत्यों को बराबरी प्रदर्भ करते किये ''='' किरह का प्रयोग करने हैं। सर्वागमा के निवे ''

चिन्द का सबीत होता है।

ब बराब की हमारे, बरनाई की दुकारें का वर्ग होती है। बानां की दुकारें कि पुत्र गता, मेरीमीरर, भारत सादि हो तो तराहवानं को बक्का की दकार तम हम जा पर, वर्ग तम, वर्ग मेरीमीरर की बीरट कार्य होता।

श्रवाचीका नाहण किवद रंग्नाधोर रवाईचक सम्बद्ध स्थानान स्थलक के स्वज्ञका स्थानर दशहीक्यवा इचाईच रहकार स्थान दशहा स्वचाइ चारकवाई संस्कृत है सम्बद्ध दंग

41.1 + 4 54

स्था के न र के प्रचार ने रशक का बाद र नवा नान हैं इक्टबर के ज़िल्फ के बर नर नगे इक इनर देनरे हैं ABCD एक शायत है। इसकी सम्बार्ट AB=10 फूट भीर



ट चीदाई AD = 5 पुट 1 AB की इस बराबर भागों में शौर AD को 5 बराबर भागों में बांटी चीर AB के विभाग ⁸ विन्दुकों से AD के समानान्तर समा AD के विभाग विन्दुचों से AB के

समानान्तर रेमाएँ मीची | ABCD भावत के शब 50 बराबर भाग हो गए, इनमें में प्रायेक भाग एक वर्ग फूट है। इसमें 5 विश्ववी हैं जिनमें से प्रायेक में 10 वर्ग हैं। यत्तव्य व्यायत में 10×5=50 बर्ग फूट हैं।

हममे मिद्र हुआ कि सायत के स्टेन्नफल मे उसकी उंचाई तथा चौड़ाई की हकाइयों के मुखनफल के बसायर वर्ग हकाइयां होती हैं।

उदाहरसा (१) एक धायत की लम्बाई 150 फुट और चौड़ाई 100 फुट है। उसका फेन्नफन बतायो।

चे प्रफल = सम्बाई × चीहाई = 150' × 100'

$$=\frac{6000}{3}$$
 को ग्रा $\approx 1666\frac{1}{3}$ को ग्रा उत्तर

उदाहरण (२) प्रक धायत का चे मफल मतामी जिसकी अन्याहै 12 फुट 9 ट'च मौर चीहाई 6 फुट है।

व अफल =
$$12'$$
, $9'' \times 6' = \frac{51'}{4} \times 6' = \frac{153}{2}$ वर्गपुर

 $=\frac{100}{3}$ बर्ग सन्न $=\frac{17}{3}$ बर्ग सन्न $= \sum_{i=1}^{3}$ बर्ग सन्न

```
353
                    मुख गणिक
```

पराहरण (३) एक धायनाबार चेंच की खरवाई 75 मार्च 25 बड़ी और जीहाई 55 जरीक 30 करी है। उसका क्षेत्रपर क्षत्र, कब और योख में बताओं ।

भारा--{ शिता करी = 1 जरीव शिरा---{ शिता करी करी जरी जरीक शिता नरीव = 1 वक्ष

चे चारल = 301 × 553 वर्ग सरीव == 186153 वर्ग अर्थ

- 100 153 - 420 | 444 at 110 454 21'2 ad 455

रन्'हरातु प्र) वक सायन की खानाई बनामी जिल्हा चेत्रकड

SOO बर्त वक्र और च व है 16 वक्र दें।

कायन का सरवाई क_{र्य वर}े

4 100 mg # 35 mg 34c

BE NOT I WE WILL ME AL AL MAKE 10 AND \$1 कारक चार्श सार ८ चार्न ५ वाई अधि शह की वृत्र से वाप सालपाने 41 44 4 4 151 I

> -411 44 41 4 2764 # \$11 0 84 11. er ed 42

4 4 1 4 4 - 1 - 1 - 1 1 AE

प्रश्नावली ५८

निम्नलिखित श्रायतों का चेत्रकत बताबो, जिनकी लम्बाई श्रीर नीड़ाई कमशः नीचे लिखी है :—

(1) 17 गम, 10 गम् , २) 75 गम, 50 गम् (1) 230 गम्, 112 पुट (उत्तर वर्ग गम्) में दो)

(v) 20 main, 10 main (उत्तर एकड़ों में दो)

(र) 25 फर्जीन, 15 फर्लन (उत्तर प्रश्नें में दो)

निम्निः वित आयतीं का पेत्रफल वर्ग गर्जी में वताओः — सम्मार्द चौहार्द

(६) 9 कुट चीर छं कुट ६ ई'च

(७) 10 कुट 3 इ'च सीर 5 कुट

(म) 15 पत्रं चीर 9 कुट 9 ह'ट

(६) 8 गज् चीर 5 फुट 6 ए व

(१०) त गज़ ठे पुर सीर 2 c गज़

(11) प्र बर्गाझार क्षेत्र का ए प्रेमक 21 प्रकृ है । बताओ उसके पारों और 12 की लगाने के लिए क्षित्रने खन्ये सार की आक्ष्मक्ष्मका है ?

(१२ पुरु बर्गाकार रोत का चीवफल 22] एक्ट है। उस की मुखा की सम्बाई बताओं।

(१६) पुरू काशिश क्षेत्र का एंडफल 16 पुरूष 161] पण शङ्क है। यताओं उसके चारों बार 3 माल शत घंटा का पाल से असप करने में कितना समय अगना।

ाष्ट्र एक मोत का चोषण्डल १ एक्ट होड १ वर्ग होल १० वर्ग सन्हें इस का नम्बार जेराई से दुरुश इं। तस्वार बताची। कराने का ब्याय 3 बाने प्रति शतु की दूर से 892 रुपये हैं। बी बनाची इस के कारों कोर बाद सामाने का दक्य 1 स॰ 14 शा वित तत्र की दूर से क्या होता है

वर्गाकार श्रीर श्रायनाकार सेनी के गिर्द मार्ग प्रशाहर गा (१) वन चायनाकार मैदान की सम्बाई 350 पूर की चीवाई 250 कुट है। इस के बारों धोर धन्तर की घोर 4 कुट चैच

मार्च है। इस मार्ग का च प्रश्नव बनायो। मार्ग का के बक्क ज बाहरी कायन का के बक्क - सन्दर की साथन का चैतना



है। इसके बारों कार छ कुर भीवा सार्ग है। इस सार्ग कर छैं। वर्ष व्राप्त कर्म गत्र दो उन्हें में कहते किन्द्राने दा व्यवः बगायो ।



(२) पुरु वर्णाकार चास के मैदान की एक मुता 200 गत है। उसके बाहर चारों घोर 10 कुट चौड़ा मार्ग बना हचा है। उस मार्ग पर 2 रू 8 द्या॰ प्रति वर्ग फुट की दर में कंकद विद्याने में क्या स्वय होता ? (३) पुरु उद्यान 100 पुरु सम्बा और 80 पुरु चौदा है। उसके भीतर चारों चोर 8 पुट बीटा मार्ग बना हवा है। मार्ग का

मूल गणिव

₹40

चेत्रकत बनायो । उस पर 5 यात्र 3 था॰ इति वर्षे गत की दर से बनरी विद्वाने में क्या स्वय होगा। (४) एक चीक 10 गत स्नम्बाधीर 7 गत श्रीहा है। तो बताओं उसके चारों कोर 4 फुट चीड़ा मार्ग बनवाने में 2 बा॰ 6 पा॰

प्रति वर्षे फुट की दर से क्या ब्यय होगा ? (२) एक भाषताकार बाग 120 पुर लम्बा भीर 90 पुर बीहा है।

जिसके चारों चीर 10 दुट धीड़ा सस्ता बना है ती बतापी रास्ते पर 4 शि॰ 6 पैं॰ प्रति वर्ग गत की दर से पत्यर के चौरे विद्याने में और बाग में 9 शि • 6 पैंस प्रति 100 वर्ग पुट

की दर से घाय जगवाने में क्या व्यव होगा है (६) एक वर्गाका कमरे के एक भूता 30 सह है। हो बताबी उसमें 18 इंच लागे और 15 इंच बीहे चीहे, 25 राये प्रति 100 चौडे की दर में विद्याने पर क्या खानत ग्रायेनी है

(७) एक बरामदा ४८ फट लस्ता और 1 ें फट चौदा है। उसमें 18 इस वर्गक चौर लगवाने से 17 रुपये प्रति कोडी की दर से

क्या स्वयं होगा ।

(सः एड कनसः 🕒 पर नस्था श्रीः 🍱 पुरुवीशा है। उसके चारी कार ६ पुर और। स्थामदा यना हका है। तो **अताको उस** बरामण में रे पर १०३ प इंग्य कीई बीह कितन सर्में हैं।



मृत गरिएत चे बक्क = 2(1+b)h. अविक 1 = सम्बाई, b = बीबाई सीर '

20%

Aे~कमरे की कॅचाई। उदाहरण १--एक कमरा 20 फुट बम्बा, 18 फुट चीहा और 15 पुर खंचा है। इसकी श्वासों पर 2 बाठ 6 पान प्रति बर्ग गढ़ की

बर से सफेदी कराने का क्या व्यय होगा ? चारशेवारी का चे अकल = (20+18) × 2 × 15 वर्ग इव

= 76 × 15 an sz == 1140 वर्गफ्ट = 1140 वर्ग गर

ं दीवारी पर सकेती)= 1140 × 5 व ॰ कराने का स्वयं

= 19 रू 12 मा॰ 8 पा॰ उत्तर। उदाहरण २--- एक कमरा 22 पुट लम्बा 14 पुट चीहा की

10 कुट 6 इ.च अ चा है। इसकी दीवारी पर के खंबाई तक रंग किया गया है भीर है पर कानज खनाया गया है। ईन 7ई पेंस प्रति बर्ग गंत्र की दर से कराया गया है। कागत का मूत्रव 5 मि॰ 2 वैं॰ प्रति वर्ग राज़ है और कागज सगवाने का स्थय 2 वेंस प्रति वर्ग मह

है। क्रज जागत बताओ। हे के चाई = ३,१ x हे = हे हुट

कारे को शीवारों का चेत्रफल = $(22 + 14) \times 2 \times 4$ = 7.56 an q_{cc}

> = ⁷⁵⁶ anium = 84 สที่สุด



२७६ मुल गणित रिकिश का मूलव = 96 × 1024 × 1 × 16 क्यरे = 3072 रुपये उत्तर सदाहरण (४) एक कमरे की सम्बाई 30 फ़ुर, चीहाई 22 प्रेट

भीर अंचाई 181 पुर है। उसमें 5 द्वार थीर 3 शिवकियां है भीर

श्रत्येक द्वार या शिवकी का चेत्रकळ 30 वर्गेफुट है। कमरे की दीवारों पर 3 भाने प्रति वर्गगृत की दर से रंग करवाने की खागत बतामी

दीवारों का चेत्रफल=(30+22) × 2 × 181 = 1924 कांपूर धारों चीर लिव्हियों का चेत्रफल = 30 × 8 = 240 वर्ग प्रट

मितने चेत्रफल पर रंग कश्याना है, वह = 1924 - 240 = 1684 हंग करवाने की खागत = $\frac{1084}{9} \times \frac{3}{16} = \frac{421}{12}$ हरने

= 35 हववे 1 भाना 4 वार्ट उत्तर सदाहरता (४) एक कमरे की दीवारों का चेन्नफल 640 वर्गपुर

है। यदि उसकी सम्बाई 15} कुट चौर अधार्ट 12 कुट हो, हो चौबाई बताओं !

सान को कि कमरे की चौदाई 2 फुट है, हो

चारों दीवारों का चेत्रफल \Rightarrow (151+x) $\times 2 \times 12$ वर्गेकुट =24 (151+x) unige

24 (15)+x)=640

 $151 + x = \frac{640}{94} = \frac{80}{4}$ æ

 $r = {}^{80}_{9} - 15\frac{1}{2} = {}^{160}_{93} = {}^{67}_{8}$ 92 41

ma mai al alari 11 ma m 11 ma 9 de



्र — मूल गणित (६) एक होत 20 पुट रुम्सा, 16 पुट थोना और 12 पुट म्ला है। उसकी भीतरी दीवारों और तत्वी पर 8 जाने वित को श के भाव से रोगन काने पर क्या सावक पार्थती ! (१०) एक कार्य के स्वाचार्द भीराई और कंपाई क्रास्ता 25 प्र हिंदा 20 पुट 45 हैं अभी 14 पुट है। हुसको द्वीसरों न

3 शिवित 6 पैस मितवर्ग मह के आब से आमून बावार्ण गया ची रहा पर 1 सिर्वित 2 पैस सित्तर्ग कुट के दिशार्थ रोगन करावा सवा 1 जुब लागद बतायो 1 (११) पक कसरा 28 जुट बलान, 20 चट चीदा और 13 म लेवा है। इसमें कई द्वार और स्वित्तिवाहि। चीर उन क

का चेत्रफल दोवारों के चेत्रफल का घारान्हों, को अंतरों लें 12 चाने प्रतिचार गान के दिसाब से आगृत धनवाने वा स्वर त्वान करों। (१२) एक कसार 16 जुट चीवा चौर 12 जुट कथा है। उस, स्वर्त में 3 को प्रतिचार गाउ को दर से चटाई विद्वान पर 7 परे 9 चाने 4 वाई वार्ध चुए 1 विद्वास करों से 6 द्वार से चौं

में 3 जिन निवार ता को है। बार कि मुद्द क्या हूं। जा है। में 3 जिन निवार ता को है से बार्ट्स विद्यासने पर 7 सर्वे में का मोने ने पाई सर्थ दुष्ट । यदि जल कमरे में 6 द्वार हों की भयेक द्वार का विश्वर 6 मुद्द अ 3 युद्द हो, को उसका होता पर कारान कमने का सर्थ गतायों, बबकि कारान का मान में 3 साने मित्रम गार हो।

3 सान मानवार नाम हो।
(12) एक कमरे को खंबारें 11 फुट है और इसकी अन्यार्थ, बीगर्स में पुनाने हा उसके दोवारों पर 143 शह कम्बार्थ, यह बीग कानम कानम है। कमरे करों का चेक्स क पायो।
(12) एक कमरा 16 फुट बीग 13 फुट कर्यां है। उसके क्यों रा

(१४) एक बमार 16 जुट जीवा 15 जुट जंबा है। उसके क्रियों रिक्रा के स्वाप्त के देश में क्यारें रिक्रा के स्वाप्त किया में स्वाप्त के दूर से क्यारें बासाने सर्ट योड 13 निर्माण के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त क्यारे के हार्र हों और प्रापेक द्वार का विस्तार के क्य रहे क्यारें है, हो



मुल गणित प्रति सभूके भाव का 1 जुट 8 ह्च चीवा कासमा बसनाया मे

250

5 पीड 5 शिक्षिम सागत थाई । अगर की अंचाई शान वरी।

(१०) एक कारत 30 जुड सम्बा और 20 जुड चीवा । इस वे 9 पुर×5 पुर के 3 बार है चीर ठॅर्ड पुर×4 पुर वी व किएकियाँ हैं। यदि उस की दीवारों पर 3 बाते प्रति वर्गाम

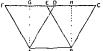
के दिसाब से शेगन करवाने की खागन 346 देवरे 11 बाने हैं, यो उसकी संवाई शाम करें। (२१) एक कमरे की सरवाई, चीवाई से लिगुनी है। उस को दीवारी

पर 8 माने प्रति वर्त गृह के दिसाथ से ईस करवाने पर 80 वर्ष

व्यर्षे हुये और इन पर 4 काने प्रति वर्ग गृह के आब से स⁵री कराने में 18 इबये 12 बान सने । बारे की बंबाई वनावी



भीर एक ही समानान्तर रेलायों के बीच में स्वित हों, तो वे देवका में बरावर होते हैं।



मान को कि दो समानान्तर चतुर्ध त ABCD कोर ABEF
कही भाषार ABदर दो समानान्तर रेलामों AB धोर CF के
सच्च दिन दें। A धौर B से CF पर AG धौर BH खण्ड बालों।

स्थ स॰ च॰ ABCD=सायन ABHG सीर स॰ च॰ ABEF=सायन ABHG

. но чо ABCD = но чо ABEF

उपनियम (२) समाशान्तर चनुर्युं व का चेत्रफल = धाधार × कंषाई ऊपर सिद्ध किये गए नियम में को चित्र विद्वने एन्ड पर दिवा गर्या

है उसमें, स॰ घ॰ ABEF = धायत ABCD चीर सायत ABCD का चेत्रकड़ = AB x BC

.. म• च० का चेत्रकत = AB × BC सब स• च० ABEF का साधार AB है स्रीर अंत्राई BC है

.' समानान्तरं धनुमुक्तं का चेत्रफल=धाधारं x दंचाई । ग्राम्यास

 (1) चूँ त्रकक्ष में समान जिन समानान्तर चतुमुँ जो ही द्वंचाहर्या सर्गावर हो, उनके चाचार भी बरावर होने हैं

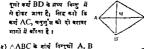


मूल गणित (३) E चौर F, ∆ABC को AB

चीर AC मतामों के सच्य किद हैं; CE, और BF, P

विन्तु पर मिजने हैं। सिद्ध हरी, 84 क ΔABP, BCP और ACP बराबर है 1

'*) चनग"ज ABCD में कर्ण AC रमरेक्य BD के अध्य किन्द्र में मे होकर जाना है। सिद्ध करी कि क्युं AC, चतुन'त को दो बरावर



तथा C में शीन समानान्तर सरक रेकाएं शीर्था गई है भी सम्मुख मुजायी को क्रमश. D, E श्रीर F पर मिखती हैं। मिद्र को कि △DEF = 2△

ABC

I HEA--ΔEBC = ΔEBF, ΔADB = ΔADE A DADF = AADC]

। स॰ व॰ ABCD में BC तथा CD के क्रमण E धीर मिथ्य विस्तृ है. बिक करों कि △AEF =

#: ** ABCD 1 fresh 1947) AB(I) बनुन का B(नज़ा के Food विश्व है भीर Blu March Distant or & Super and

4 1 111 - amar 1 131 13



गपा है, निद करो कि △EAC = △EAB + △EAD (१६) सम चतुमुँ ज का द्वीत्रफल इसके कर्णों के गुणनफल का आधा होता है। (१४) स॰ प॰ ABCD की BC मना में कियी दिन्द E से एक रेम्बा DEF ऐसी खींची गई है जो AB को बड़ाने पर F पर मित्रना है। निव करो कि:-- $\triangle AEB = \triangle CEF$ nian:-DB el Consil : (१४) ममान के चाईयों याले कि मुत्रों के चेत्रकल उनके चापास के समानवानी होते हैं। उदाहरमा १) एक जिल्लाका काधार 16 कुट है और प्रवार 10 कट । देशका चेत्रकल बनायो । चेत्रकथ = 4 × 16 × 10 वर्गस्टर = 80 वर्ग इट बनाहराम (२) एक जिल्ला का चेपका 60 बने ईच है और समबी अंबाई 1 कुट है। सम्बद्धा सावार प्रतीत बरो । चेत्रकत = } सायप × अ वार्ड , wrote = $\frac{2 \text{ w rew}}{\text{s. erg}} = \frac{2 \times 60}{13}$

रशहरण - वक विश्व का च प्रश्न कक क्यू है। वर्ष त्वचा चन्त्र । तम ब्रावा हो तो हुमुद्दी ह बार्ने क्या है है

=5 \$ 4 3 77 /

water a test and ma

मृल गणित (19) स॰ च॰ ABCD की शुजा CD की E बिन्दु तक बाला

200



मज गणित विशेष अवश्या-यदि भाषार और अंशाई बरावर हो, तो जिल्हा का वेंत्रवर = { × (wrate)* = ३ (दनते) उपादरण ४) एक समकोण जिल्हा के भूज 12 पर और 💯 कुर है। उसका क्षेत्रणल प्रतीत करो । च बच्च = 4 × 12 × 20 वर्ग कुट # 120 mir 12 3 3777

उदाहरामु १। एक सम्बोल विनुत्र का बेबारम 3 वर्ग पुर अ बार्र इन है चीर जिस सूत्रों के बाच समबोल है अपने से वद मूर्ग

की बन्दार रे । इंच है नुवार सुत्र प्रतीन करो 4 mm 4 - 1 10 40 54

912

4411 41 = 2×110 = 84 8 = 347

वज्ञायनी ५३

मील कर रिम्प्टर के कालाक नवा के नाइवर ही गई है. सेनाव र दर्भाग रागी 🗝

1 15 ma 25 ma 1 10 mg 30 mg

e beten water 1 1 54 54 a constant and a grady of

4 1 44 7 1 144 679

समानान्तर चतुर्भु न तथा जिमुन का चेंगकल 🤫

(11) के चाई 6 फुट 3 ई च, ऐन्नक स्व 120 बर्गफुट

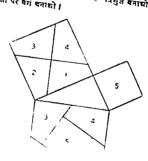
समकोण त्रिमुचों का चैत्रफल प्रतीत करो । जिन सुजों : बीच में समकोए हैं उनको लम्बाइयां नंचे दो गई हैं

(15) 5 ths 3 £ a' 1 ths 1 £ a

(18) 3 des 5 f.a' 5 des 3 f.a

(12) 55 गन, 3·5 गन (12) S·4 सम, 6·25 सम

पाइथोगोरस का नियम किसी मोटे बागज पर एक समकोरा श्रिमुज बनामो चौर उस के तीनों मुजों पर वर्ग बनाबी।



षीटे बगालम किस ०३ क स्ट्रिप्रशत करों। तहा पर र्गक करा पुरु दूसर का कंटन हे बर 'बंट्ट बगका बंट्ट होता है व बिन्दुसं एक रेखा विभाव ३ कर्ण के समानास्त्र सेंबी एक सी

३६२ मूल सांगत रेच्या देनों लेंचो जो उस पर काव हो । यह वर्गहत प्रकार चार वाणे में चंट आपेगा। यदि हन चारों आणों को कर्यांदर के वर्गके कोते वर चीट कोटे वर्गको चीच में रसेंतो सास स्पन्त मर जायेगा।

कर घर बिन्धी हिना होते वह निहम्म हर निर्मा कर घर बिन्धी हिना होते वह निहम्म हुमा !— समकोण प्रिमुत्र के सुत्रों के युगों का योग उसके कर्य के वर्ग के वसवर होता है ।

तया क प्राप्त होता है।
 वरि समझेल विभाव के सभ दिये हुए हो तो हम पाइपीतील
 तिसम द्वारा कर्ण की सम्बाद प्रतीत कर सकते है।

चन्तुरं म (प्रापार) के द्वेशाही ∴ कर्णे म√ प्राप्तारों के (द्वेशाही) चरित्रमें घीर रकत्नुन दिया हुआ हा तो स्वरंश भून निस्तरितर

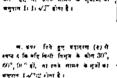
बाँद कर्म फाँट वर्क मृत दिया हुआ हा तो त्यारा भूत तेन्यां तथा रित से सर्वात दिल्ला का सकता है — कर्में)" — प्रायार," + प्रश्नाई, " प्रायार," — कर्में, - (% वाई)"

ক্ত কৰ্ম ধ্যাৰ্য, কেন্দ্ৰী – ইমাৰ্যু অনি প্ৰথাত ক্ৰড কৰ্ম্বী – জানাৰ্যুগ আ

⇒ं वर्ष र मारार क्यां - बाहार) प्रताहरण (१) रक्ष समय स्थापन्य के सुब्र के युक्त हैं देश वर्षि री यह है। इस का करा जनार करा



(क) करार रिणे हुए कदाहरक्त (क) से स्वष्य है कि यदि जिल्ला के कोला 45°, 45° कीर (b)° हो, तो उनक सामने के शुकार्त का कदाला 1: 1: √2° होता है।



ं 'सरनाथ सन रठाइरम्बो संद्रम को परिसामां का प्रवास है हो आपना र

हराहरात् । उ. १०क जिल्हाक के सुत्र की कीर हैं' है कीर से बाज का काल और का है। च जरत बनीन करो।

्रियर—मान भी कि रिनुत्र ABC में BC ±5™ AB = \$

A 4 BC 11 AD

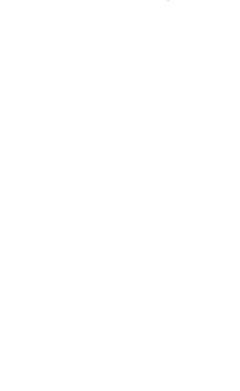
gen from:

erre \$ 64 B 8 13 131 briga 8 811 # B 3 4 8 13 49



(२) 12 सम, 9 सम: (३) 108 मम. 45 मम: (v) 1 फुट ह इंच, 1 फुट 9 इंच; (∤) 4 सज़ 2 फुट 7 इंच, 1 सज़ 2 फुट; निम्नलिखित समकोण त्रिभ जों के कर्ण और एक मृत्र दिये हुए हैं। दूसरा मूज प्रतीत करो। (4) कर्ण = 41 सन; मुझ = 9 सम। (७) कर्यं = 2 कुट 10 इंच; मुत = 1 कुट 8 इंच। (म) क्यां=एक गत्र 2 कुट 5 इ'च; मुत=एक गत्र एक कुट 8 = 4 (३) एक समकोण त्रिमुत के मुत्रों की निष्यत्ति 7:24 है वर्षि कर्य 625 फुट हो, तो होनों भुत्र प्रतीत करी। (10) एक समकीण शिभुत का जम्ब कर्ण का 👌 है चदि भाषार 12 फुट हो, तो लम्ब धौर कर्य बताधो। (११) यदि हिमां समकोश त्रिमुज के बाधार और सम्ब की निधरि 3 : 4 हो चीर कर्ण 65 फुट हो, तो आधार चौर खन्द बतायी! (1२) एक सायत के भुत्र 3 फुट सीर 2 फुट 3 ह'च है। रूपे प्रतोत करो । (१६) किमो भायत के भंडों क' जिल्लास उं. 12 है। यदि कर्य भीर बड़े शुक्त का भ्रत्य ४ फुट हो, तो छोटा भूत प्रशीत करी। 1 भ महतर्थका सन् । ई गत है, क्यों पतीत करा। ११ एक स्याका खेलाता अंतरू र कर्णा बता करी। १६ पर बर्गहा कथा । ॥। पर र रहकः च क्रकच बगसज्ञी में ∞वर्ग करा ।

मल गणित



मल गणित (२३) एक 25 फुट लम्बी सीदी ठीक दीवार के साथ सदी है। उसके नीचे के सिरे की कितना सरकार्य कि ऊपर का निरा

300

दीवार से 5 फुट नीचे था आय ? (२४) एक 50 फुट सम्बी सीडी गर्ला के एक स्थान से गर्जी की सीघी सबी दीवार की 40 फुट को ऊ'बाई तक पहुंचती है। यदि सीड़ी की पछट कर सामने की दीवार के सदारे बनाय

जाये तो सीड़ी 48 फूट की अंचाई तक पहुंचती है। सबी की चीहाई बताधी। (२१) एक मनुष्य एक नदी के एक तट पर लड़ा होकर देखना है कि 25 फुटकाम्थीसीडी दूसरे नट पर सड़े हुए एक सीधे दुष को उद्देशी पर टिक सकतो है । यदि स

टहनी भूमि से 20 फुट की ऊ बाई पर हो, दो नहीं की चौडाई यगासी। (२६) मुक्ते एक बर्गाकार स्त्रेन के कर्यों के साध-साथ तीन मीड

प्रति घएटा की शाक्ष से घलने में 6 मिनट स्नाने हैं। स्वेत की परिमिति (Perimeter) ज्ञात करी।

(२७) A, B धीर C तीन मास है। A. B से डीक उचा में 150 मीज की पूरी पर है। भीर A, C के डीक वरिचन 80 मांज की दूरी पर है। बताधी, B धीर C के बीच

कितमा धन्तर है ? (२८) निम्निक्षित समकीण त्रिभुजों के कर्ण दिये हुये हैं, सुड

धवीत करो । √ 5 हंच, √ 11 सम, √ 61 सम, √ 10 हच।

(२६) कियो सम-ति सूत्र की परिमिति एकवर्ष को परिमिति के बरी-बर है, उनके चीत्रफलों की निष्पत्ति प्रतीत करो।

दर्भ का मुख = र्रे हेंच : रेक्क = 1 x = 0 कां इ द षक स्थिति = 🌿 : 😥 = 443 : 9 = 445 · 9 =4:3 /3

m=+x 13 = 13 mig'e

े पुरु तिमुख के मुख ही" बीर 7" है. बीर बॉच का कोए 🧐 का है, चेत्रवत प्रशेष करी। १ एक जिल्ला के सुद्ध ने जुड़ कीर 12 हुए हैं. की बांब का कोच 135' का है। चेंचयत प्रतीय करी। े एक जिल्हा के ही सुद समात है । उनमें से प्राचेक हुत को सम्बन् १ पुर है की बादेक मुख बादत के भार है। का क्षेत्र बनाता है । बिनुष का चैत्रकत प्रशेष 577.1 मीर जिनुब के दाने नुब दिने हुए हो में जिनुब का चैजाल रातसंद सुद्र द्वारा प्रकात ज पकर है



विमुत्त ABC में ८ A के सामने के मुत्र की कव्याई व. ८B के सामने के सुत्र को अन्य: ई b, चीर ८, C के सामने के सुत्र की करवाई ट मान को भीर विभूत को चर्च परिवित को उ मान, बी. सो विशुव का चेत्रकत्र = √३ (१—१) (३—१) (←c)

उदाहरण -(क) एक विभूत के मुख 13, 16, 15 फट है, चेत्रप्रस क्याची । मर्च परिश्वित = 13 + 14 + 15

वर्ग दर

चेत्रफल =√21 ×(21-13)×(21-14)×(21-15)

= 21 %2

= √21 x 8 x 7 x 0 q 1 q z =81 वर्गफ्रट

प्रवनायली ५३ त्रभुज का चैत्रफल प्रतीत करी, अव कि

(१) अब कि प्रायेक सन = 1५ कर दो । (후) 과명 4월 시험 (10 시점 20 시점 #1

(के) सुझाउं से फुट, के फुट हो । को अञ्चल समझ रहेगह, रहेरल हो।

ममानान्दर पतुर्भेष तथा त्रिभुष्ट का स्वेत्रस्त

#37 x

ा) एक विश्व के शुव्र 18, 14, 18 पुर है। 1 सम्बे सुत पर सामने के बोले में सम्ब की महोह बरो ।

) एक विशुद्ध के सुद्ध की पुर, 3 पुर कीर 3 पु

ए बच्च दर्ग हुंची में प्रतीत बरी। (=) एक सेंड ABCDE का चे प्रयद्य प्रशेष करो. AB=25 5% AE=20 5% ED=39 CD=40 gm, DC=07 gm, DE=36

CE=45 571

(१) एक जिसल के दी सज 80 और 154 फूट मुझे हा दोतपत 🗯 पुट है। पंत्रपत

मूल गाँखव उदाहरण (२) एक सामानान्तर चतुर्भु व सेत का चेत्रका रह पुक्र है और उसका भागार 80 यज 2 फुट है. ऊ बाई बतीन

'क्रयाः—ज'चाई = चॅंब्रक्ब = 4810 साधार = 804

306

करो।

उडाहरण (३) एक समझन्त्र के समानान्तर गुत्र 7 सम भी। 9

सम हैं और अंचाई 6 सम है। चूँ ब्रफल बतायो। किया-चं श्रपक = 1 (7+9)×6 बर्गमम

= 1 × 16 × 6

=48 वर्गंसम उत्तर उदाहरण (४) एक समलम्य का चेत्रकल 2646 बर्गनम है और उसके समानान्तर सुत्र 54 गा। और 72 गा। है, ऊ चाई बतीव

mai . क्रिया— समानान्तर सुत्रों $=\frac{1}{2}(54+72)$ गह

= 63 nm र्केष हं = 23,58 गुरू =42 nm

समानास्तर वनुभुंत का चेयकत प्रतीत करने को रीति, अवस्ति ात दिये हुए हो भीर श्रीत क कीशा 30°, 15°, 60°, 150°,

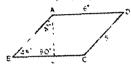
निष्पत्ति स्रीर स्रतुपात

135°, 120° ਵੇ ਜੋ ।

्डराहर्स्य (१) एक समानान्तर चतुर्सु व के संसान सुख उ चि हैं कीर कीस का कोल = 45% खेडफल प्रतीत करो ।

6 रेच हैं जीर बीच का कोए = 45°; चेत्रफल प्रतीत करी। किया---

मान लो कि ABCD एक समानाम्तर चतुर्भु व है विसमें AB=5" BC=6", सीर कीए ABC=45°



A से BC पर AL तम्ब विराय स्पष्ट है कि ∠ BAL =45° भतः विश्वत ABL के कोए 45°, 45°, 90° हैं। इसविष् सुर्वो को निष्पत्ति: 1:1:√2 है ∵ AB=5″

$$\therefore AL = BL = \sqrt{\frac{5}{2}}$$

ABCD et ऐप्रसत = BC × AL

~ " | " | O d • £4

दसर

्डा रहा ३ ८६ सम्प्राप्तास्य वर्तुनु उन्हें सम्झान सुद्ध क्रोर भागार क्रीर पन्तर ४ व क करा । कार्यु चेत्रच



भूम गीणव



समानाम्मर चतु मुत्र ABCD न AC=13 सम, AB=14 सम, BC=15 नन, समानाम्बर चनुभु a ABCD=विभन ABC+विभन ACD

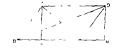
=2 figs ABC

विसुव ABC का चेत्रकतच√21×8×7×6 =7×4×3

= ४३ वर्गं सम

चता ABCD का चेत्रकच=81×2=168 वर्गसम

उदाहरण (१८) एक समानःश्नर बनुर्भुत्र को हो संख्रत्न सुत्रार्थ 12 फुट घीर 8 पुट बन्धी है चीर एक क्यों 10 फुट सम्बा है। दुसरे क्यों की बन्धाई बगाया।



समानान्तर धतुस्रीत AB(1) स AB = 8 फूट, BC=12 फुट और A(\approx 10 फुट। BD का जन्दाह पनात करो।





सानको कि सम चनुसु*ब ABCD में AC∞ 15 पुर की BD = 13 पुर

चेत्रफल = } × 13 × 15 वर्ग पुर = ±92 = 97} वर्ग पुर

97 वर्षे फुट 72 वर्षे इ'च उत्तर उटाहरण (१०) पक सम चतुर्धंत को एक सुद्धा 36 है हैं बाबी है भीर उसका एक कर्ण 55 ह'च खाबा है। दूसरे कर्ण की अन्तर्दे बतायों।

. .



सम चतुर्भुं ज ABCD से AB = $36\frac{1}{8}$ ह' च भी। AC = 558 च । दोनों कर्ण् पक दूसरे को L विन्दु पर कारते हैं।



(4) एक समाजान्तर चतुर्युःच केत का चेताका 23 एका है चीर उनको जंभारवां 55 गत्त कथा 823 गत्त है। हो संबन्ध सुजाधी को बन्धार्या बनायो। समाजान्तर चतुर्युःच को सलान सुजार्य छोर बोच का कोया दिए हुए हूँ, होभारक प्रतीत करो। (1+) 24 कूट 10 जूट, संच का काया = 30°

(12) 36 गहा 24 गहा, बाव का कोवा = 60° (12) 14 फूट, 11 फूट, बीव का कोवा = 150° (12) 10 फूट, 14 फूट, बीव का कोवा = 135° (12) 16 फूट, 14 फूट, बीव का कोवा = 120°

४ मूल गांखत [सकेत.—यड ≼र्वासमचनुसुंज को दो समत्रिमुओं सें

388

योखा है 1

(14) एक सम्लाब क समायाग्यर श्रुप्त 15 गांव थीर 19 गांव है चीर उनका लाक्समक सन्तर 12 गांव है। चे वफल प्रतीत करें। (19) एक समझम्ब र समायाग्यर भुजों का योगकल 8 गांव है। चीर ऊपाई 4 गांव एक एउटे, चे प्रकल प्रतीत करें।।

(१६ एड समजन्य का केवभन 3.23 वर्ष ताल है और समानाका सुत्रावों के कीक का भन्तर 17 गज तथा समानाका सुतावा में स एक 23 तक है दूसरी समानाकार शुंजा कराका

पराक्षा। (१६ एक समानस्य का ए अफल एक एकड दें उसका समानक्षर सुद्धार कि सब और का राज हं उत्पार्ध प्रतीत करों। ६०) एक सम चतुर्स घ के कर्य 40 गज कीर 60 गज है। सुबो का योगफल 275 एवं है। उसका चेवचल, परिमिति बीर खंधारं दताको ।

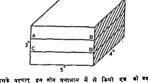
११) पक सम चतुर्भंत की भूता 36 पुट है कीर उस शा एक कर्ष 18 पुत्र है। इसरा वर्ष कीर के बक्त मतीत करी।

रर) एक सम चतुमुँ व की भजा 20 गज है। और दश करों 34:64 गड है। उसका ऐन्नपाल चीर होटा क्री हतीत करी।

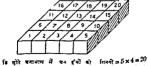
३१८ मूल गणित सातुन का कना हुमा एक चनाभास लो, जिसकी सम्मार्ग

5", चौदाई = 4", चौर क चाई = 3" हो ।

इस घनाभास को AB और CD पर काट दो, और जीन होटे बनाभास बना लो, जिनमें से प्रत्येक की मोटाई एक इंच दी।



(मके परणाण इन तान घनाधान संस्थित एक का बन कों संबोट ली, जैमा कि नीचे के चित्र में दिशाया गया है। स्पर्ट 16/12/10/19/20/7



ोड़ होट बनामास स घन ह्या को शाननां=D⊼रप्रण तैरुण्से ऐसे तीन बनामास है, इस लिये सब बनाह²यों ^{की} क्या ==5×4×3=60



520 मुल गणित

त्रित्याः---राज = 2 × (जम्बाई × मीटाई + चीहाई × मीटाई + बम्बाई × ची

 $-2 \times (9 \times \frac{8}{4 \times 12} + \frac{15}{2} \times \frac{3}{12 \times 4} + 9 \times \frac{16}{2})$ arise -2× (+15 +135 had as

-2× 2193 - 2193 471 52

= 137 वर्गकुर 9 वर्ग इ'व

भागनन = सम्बाई × बीबाई×मोटाई

- 9× 15 × 4 5 19 - 135 भन पूट

≈4 यन कुट 378 पन ई्रच प्रदाहरण (२) एक धन का दिनारा 7" है उसका सन

चावतन बतायो ।

किया:-- नब = 6 x (7) *= 201 बगेर च भाषणत का र × र × र = 313 चन प्र'व असर

उद्दृह्मि (१) एक नामाब 23 बुद सन्था, 16 बुद 6 ईव व चौर 27 बुद गहरा है। उससे 12 बुद की सहराई तक पानी है बन'को इस सानाब में दिनते रत पानी है, जबकि वस धनकुर पा का बोक 624 वींड हो *

किया –यानी का शावतत = 24 x 🖓 x 13 सन प्र वानी का बोम ≈ ."५× ^{६९} × 1.2 ×



मुल गाएव है। यदि कमरे की चौड़ाई 34 फुट हो, तो बताबी, उसकी सम्बाई और खंचाई क्या होगी ? (११) एक खेल का मैदान 90 फुट बन्ना और 45 फुट चौड़ा है। उस पर मिट्टी दाल कर उसे 2 इ'च ऊ'चा करना है। बनायो, कितने घन फुट मिट्टी की चावरयहता है ? (१२) एक टंकी में 625 गैलन पानी भरा गया। यदि टंकी की क्रमाई 12 पुट 6 इ'च हो और चौहाई 9 पुट, तो बनामी

रंकीमें कितने इ'च पानी चढ़ जायगा, जब कि एक धन प्र पानी = 6] गैखन ? (१६) एक टंकी 12 फुट 6 हंच सामी, 11 फुट 3 हंच चीड़ी ही 8 फुट गदरी है। उसमें जिलना पानी समा सकता है उतना ही एक बर्गाकार टंकी में समा सकता है। यह तुमरी टंडी बा

किनारा 15 भट हो, तो उसकी गहराई प्रतीत करी। (१७) यदि एक बन शज सदाई पर 4 थाने 6 पाई आगड शारी हो, तो बताको 1200 'कुट खम्बो, 15 कुट बीही कीर 10

फुट गहरी साई शोदने की खागत नया होगी ? (११) एक कमरा 22 फुट सरका, 15 फुट चीदा और 14 पुर ड'वा दै। उसमें प्क द्वार 5'×3 है' सीत दो लिडिकियाँ 2'×5' हैं। यदि एक हैं दे की सम्बाई 9 ह'थ, चौहाई 41 ह'व

मोटाई 3 इ च ही भीर दीवार की मोटाई 11 पुट हो, ही दीवारों में किननी ई टें बगेंगी ? (1६) एक धन का चायतन 3 धन कुट 648 धन इ^{*}च है। इ^{सके}

एक किनारे की खरवाई बनाया [सकेत—गुणन्त्रह स्ता]

(१० सीन धान के घनों को जिनक किनारे 6 इ.च. 8 इ.च. ही 10 इ.च.है, पिछना कर एक धन बनाया गया । बहि हैमां



হ'বান —

1. গাঁও দ্বি হুই বিস ম নিলাছিলিত বিসু মহিল কিই
হুম হ':—

O (0,0), A (10,0), B (8,6), C (5,12),

O (0,10), L (-6,8), M (-12,3), N (-10,0)

मल गणित

१२८

O (0,10), L (- 6,8), M (- 12,3), N (- 10,0) C (- 8, - 6), Q (- 5, - 11), R (0, (-0), S (6, -8), fit T (14, - 5).

7

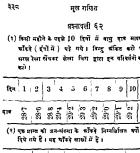
(0, - १) चरित्र किये हुए हैं



बस्थ ऊपर को सींचों जो लेशा चित्र के P पर मिन्ने । P से OY पर पक सम्ब PR दाली। P के नियासक (25, 6)) है। चतः 25 वस्तुर्घो का मूल्य 61 रुपये हैं। इस केराचित्र द्वारा हम यह भी बना सकते हैं कि किसी बनाये हुए मूहम की कितनी बस्तुर्वे मिख सकती हैं। उदाहरण (२) किसी स्थान पर सितम्बर 1949 के पहले इस देनों में बाय बाब सापक हारा निम्निखिशत साप पड़े गये ! इन्हें वेशाचित्र द्वारा प्रकट करो । 2 3 4 বিদ 1 ायु दाव इचों में 29.66 29.59 29.60 29 67 29.69 29 72 7 8 दिन ग्र दाव 29 74 29 76 29 72 29 69 ्रक दिन को सुचित करने के लिये ४ चैतिक आग को चौर ¹01 च को सांचत करने के जिये एक उप्पंचार जाग की । ्रहन विन्युक्षों को क्षक्ति करो और इन्हें क्रमश. सरस्न रेलाक्षों हारा खा दो। म्यूनतम दबाव 29 59 है, इस्रांतर यदि इस कीटियों को 9:56 से मापना धारम्भ करें, तो लेखावित्र बनाने में सुनामता भी।

भवा गासाव





1851 1861 1871 1881 1891 1901 20 24 29 34-2 41 49-4 बताओ 1876 और 1897 में इस प्रान्त की सर

क्यां थी १ एक चैतिज भाग को एक वर्ष मानी।

दो कर्ष्यापर भागों को युक खाल जन-सत्त्वा मानी।

(६) बायु दायमापक की ऊँधाइयों के परिवर्तन इंचों में बेर देशस दिखायो ।





F,1910 1911 1912 1913 1914 1915 1916 1917 1918 96 105 109 111 131 144 144 162 179152 117 122 136 139 168 174 177 181 183 159 इन घाँडरों हा एक सेसा चित्र दनायी। (६) वाप मापक यंत्र द्वारा हर दो घरटे बाद, तापमान लेकर विले गये। यह कार्य 10 दवे प्रावःकाल धारम्भ किया गया भीर वापनान इस प्रकार थे :---62.5°, 64°, 69.6°, 69°, 66.5°, 65.7° एक खेलाचित्र बनाकर नारमान को कर्ना घपना बरीदरी को क्रिंकत करो । (१०) नाचे फ्रमा देश को अन-मंख्या क घाँकरे लाखा में ।दये गये हैं। पह उन-संस्या उस वद ६ धारम्य २ धा । 85 Sec. 1837 Lear 1847 187 (187) Sec. इन बहिद्दों के बखा। या बनाया बार दनाबा हा, की बीर र्रो रे इ. चारस्य च अने यहचा क्या क्या है। 11 Çಕ ಶಾಹಕ ಶಾಸ್ತ್ರಿಸಿ ಪರ್ವಕ ಕರ್ಮನ್ನು ಎನ್ನಿ ಮಾಡಗಳ र न प्रकार स्टाहे -

लेखाचित्र में इन स्थानों हो छक्तित हमके दिखाएं।

३४०	भूल गांशव								
भायु	20	25	30	35	40	45	50		
भारता	40 7	35.8 3	2.3	28 8	25 4	22-1	18 8		_
बनाधो उस मतुष्य के कितने वर्षों तक धीर क्रीवित सबे भी भारता की जा सकती है। (क) जिसकी कालु 32 वर्ष हो (भा) जिसकी बालु 47.5 वर्ष हो यह भी बनाधों कि किस बालु को प्राप्त होने पर शेप श्रीवन की भारता (ग) 38 वर्ष था) 27.7 वर्ष की जा सकती है। (क) 1400 से 1950 नक एक बाहें के दैनिक वेतन की बतीरों तीचे जिसती जाती है।									
वर्ष ।	900	19to	195	20	1930	19	40	1950	
वेतन । 1	₹• '	1; 50	13	50	2 50	3 :	50	5 হ•	
लक्षा विव द्वारा 1935 कीर 1956 में उसका खाममा देखि बनन बनान करें। (द्वा मन 1910 रूपका 1919 तक भारतबब स बाहर अने दर्ग बाज स अने व बाल का सुरुष। करोड़ देवरों में। नीचे दिवे									
सय ऑक्ट्रा मा अस्ति है।									

F 1910 1911 1912 1913 1914 1915 1916 19.7 1918 96 105 169 111 131 144 144 162 179152 117 122 136 139 168 174 177 181 183 139

इन चाँदरी का एक भेरत विश्व दशायी।

(व) साप मापद यंत्र द्वारा हर हो पदी बाद, नादमान अहर दिस गरे । यह बारे 10 बजे मात्राकात बात्रत दिया गया बीह वापमान इस महार थे :---625 , 64 , 696 , 697, 66 59, 6570 एक संगावित बनाहर नापमान का कम' समग्र करीत्रा का

प्रीहत को । (10) नांचे हिया हैरा को जनसंख्या क चाँहरे लाखा मा रहमे गया है ।

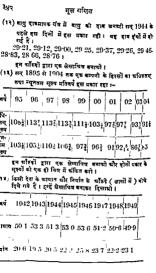
पह दम-संबदा उस वर ६ चारान से थी।

1820 1835 1840 1845 185/1855 1860 at.

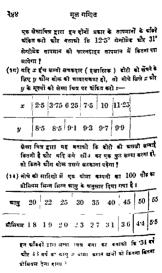
22 24'5 28 31 36 41

दन घाँडहों का बंचान्त्रि बनायों कीर बनायों कि 1847 बीर क भारत्य में उन मस्या ह्या स्या था र

यस बाप्तरे के पदाई में घटना केचा माराम १० मध्याई पर्क इ.स. अकार रहा है 🕳









जाँच पत्र तीसरा खण्ड

पत्र १

(१) सिद्ध करो कि किसी धायत के चुँत्रफल में उसकी सन्बाई तथा चौदार्द की इकाइयों के बरावर वर्ग इकाइयाँ होती हैं। (२) सिद्ध करी कि बायत का प्रत्येक कर्या उसके दी बराबर भाग कर

हेता है। (६) एक भाषताकार भूमि की सन्वाई 57 कुट 3 इस और चौड़ाई

ं 36 फुट 7 इस है। उसके बीचों बीच बीपड़ की सड़कें 5 फुट

4 इच चौड़ी बनी हुई है। 1 रू० 5 भाने प्रति वर्ण सज़ की दर से उन सहकों पर परधर क्षमशाने में क्या स्मय होगा ?

(४) एक कमरा 28 फुट लभ्या, 20 फुट चीवा बीर 10 फुट देंचा है। उसमें 5 फुर लम्बी भौर 3 फुर ऊँचो दो लिवकियाँ हैं। एक ब्रवाला 7 फूट अँचा और 4 फूट चौड़ा है और एक चंगीडी

ध्यव होता ?

5 कुट ऊँची भीर 4 फूट चौड़ी है । तो उसकी दीवारों पर 4 ईंच भौड़ा कागज़ सदवाने में 10 देंस प्रति गत्र की दर से स्था (र) एक धायवाकार कुण्ड जिसके भोतरी विश्वाण कमशा 37 कुट 4

इच, 12 फुट स्रीर 8 फुट हैं, पानी से भरा हुसा है। तो बतायो उसर्वे कितने दन याना है, यदि एक घन फुट पानी का सार

624 पींट हो।

पत्र २

- (1) सिद्ध करो कि यदि कोई क्षाचल और कोई समानान्तर चतुर्युं अ एक ही भाधार पर भीर एक ही समानान्तर रेलामों के बीच में स्थित हों, तो ये के प्रकल्प में समान होते हैं।
- (२) सिट करो कि समानान्तर चतुर्भुं ज का कर्ण उसका द्विसम विभाग कर देता है।
- (३) एक बर्गाकार कात के चारों कोर 6 पुट चोड़ा रास्ता है जिसका ऐपफल 2 एक्ट है। दान के भीतरी भाग का चेत्रफल प्रतीत करो।
- (४) एक बनता 21 फुट 4 इस लम्बा चीत 15 फुट 9 इस चीका है। उसमें दरवाझे चीत रिव्हिट्यों का चेत्रफल 65 वर्ग फुट है चीत रोप दीवासें पर 25 इस चीका कागझ महबाने में 3 शिक 9 देंस प्रति 12 गझ की दर से 2 पोंड 8 शिक 8 पेंक क्यय होता है तो उसकी ऊँचाई बताने।
- (र) एक हैंट के परिमाण 9 इस, 43 इस सीर 3 हम है। बतायो 75 फुट सम्बो, 6 फुट ऊँची सीर 13 फुट मीटी दीवार में किल्मी हैंटें खर्मेंगी।

पत्र ३

- (१ सिद्ध करों कि यांद्र हो समानान्तर चतुर्मुं ज वक हो प्राथार पर भौर एक हो समानान्तर रेखाओं के संग्व में निधन हो तो वे सेत्रण्य में बराबर होते हैं।
 - सिंद करों कि समानान्तर चतुर्भुंत का इंब्रफर
 भाषार × उँचाई।

320 मल गणिव (३) एक भागताकार स्रेत का चेत्रफल 15 प्रकृ है और उसकी भुताओं में 3:2 का चनुपात है। मुजाओं के परिमाद प्रतीत करो । (४) एक कमरा 22 फुट खम्बा और 16 फुट चौड़ा है। उसकी वारों दीवारों पर बाधा गन्न चीका कागन मनवाने में 1 बा॰ 6 पई प्रति सह की दर से 19 द० व्यथ होता है। कमरे की जैवाई पतीत करो। (१) एक 19 गण जन्मी भुजा बाला बर्गाकार शेत है। उसके चारों धोर 7 फुट ऊँची चौर 1 फुट 6 इस मोडी दीवार बनाई गई है। बनाची 🕹 चाने प्रति चन फुट की दूर से उसके बनवारे में स्वा ब्यय दोगा जबकि बसकी दर एक मुजा में 6 फुट बीदा पृत्र दरवाशा हो। पत्र ७ भिन्न करो (१) चायत के चे बफल में उसकी जम्बाई तथा चीदाई की इकाइबी के गुण्यनफल के बराबर वर्ग इकाइयाँ होती हैं। (२) यदि दी भागत चेत्रफल में बराबर हों और सम्बाई में भी बरावर हों, तो वे चौदाई में भी बराबर होंगे ! (३) एक त्रिभुत स्रेत का साधार 880 गत्र है सीर उसकी उँचाई 540 गज्ञ द । स्थेत का चोलकत प्रतीत करी। श्रीर 1 वं व चाने प्रति एक द का द्रश्से उसम पाना देने का स्थय भी प्रतीर्द क∂ा . धः एक कमर का लम्बाइ उसका चाक्राइ से तिगुना है धीर उसकी क बार 18 फुट है। उसका जीवारों पर 1 मा॰ उपा॰ मित



मल गणित पत्र ९ सिद्ध करो :-(१) पुरु ही साचार वर भीर पुरू हो समानान्तर रेलाज़ों के बीच में स्थित, त्रिमुजों के चे परत समान होते हैं। (>) विभव की प्रत्येक माध्यिका (Median) उसके की बहाबर माग कर देती है। (६) प्र समयतुर्भु के व्या ८ इ'व बीर 4'ठे इ'व सम्ये है। उसका केथफा निकालो । (४) एक बायताकार बाग 63 गह सम्बा और 54 गह चौदा है। उसके भीतर धारों की। एक 3 यह धीड़ी सब्ब बनाने में 8 शाने प्रति वर्षे गञ्ज को दर से क्या स्वय होगा' (२) पानी के एक होत के घरातल की भीतरी खम्बाई 255 फुट भीर चौदाई 19‡ पुट है। घरातल का कर्ण प्र^{तीत} करो । यदि यद दौन 14 पुट गहरा दो तो वताबो इसर्ने किउ^{दे} श्रम वानी धायेगा । (पुक्र घनफुट पानी का भार 1000 खींस होता है) ०१ हि सिद्ध कराः---(१ · समानान्तर चतुर्भंत का चे व्यक्त ≂ बाघार × देंचाई (1) feeth to to ABCD & and AC at B and D & Bl' तथा DO बस्क शिरादे खाँचें हो. BP ≈ DO

(३) एक समानान्तर चतुम् व को दो मासन्त भुताए 4:5 से॰ मी॰ भीर ई से॰ मां० की है भीर उनक बीच का कीया 30 दिसी बा

है। स॰ च॰ का हेत्रफल झात करो।

320



३४६ मृल गरिएस

रनों के श्रीमत में 5 रत की बृद्धि हो गई। बताओ बारहर्गे इनिंग्ज सेजने के बाद उसकी रनों का श्रीमत क्या था।

(६) 2000 रचयों के ऐसे दो भाग को कि बाँद चड़का भाग 3½ वार्षिक दर से 6 वर्ष के लिये बचाज पर क्षानमा आज कौर दूसरा भाग 4½% वार्षिक दर से 3 वर्ष के लिये, तो पहले भाग का ब्याज दूसरे भाग के ब्याज से हुतनता हो।

(क) सिंद करों कि यदि एक धायत और एक समानान्ता कार्युंव एक दो आधार पर और एक दो समानान्ता रेबाओं के बीक में हिथन दो ठो ने के जरुक में बराबर दोने हैं। (र) समानान्तर कनुनुंध ABCD में A मे BC पर AL क्ष्य

दाजो चीर △ABL को काट कर CD से निसा कर स्थापी,



चौर वह साल को कि इस विज में दिया हुना शिक्षेण DCM वास्त्रज में △ ABL हो है। यब निद्ध करों कि समातन्त्री चनुमुँ स को चेत्रफच ≈ चापार × ऊँचाई।

(६) एक जिल्ला के मुझ 37 फट, 30 फट भीर 13 फुट बारे हैं। उसका के उचल जान करों।

(*) गुरानस्थान्य करोः (१४ 'स्वर + ४०८ 'स्वर (U 124' + ४० '२४ '२४ - १८४



मूल गणित k) यदि किसी घन का सिध्ययन साधारण क्यात से 3 का में

414 रुपये 6 बाने हो और 5 वर्ष में 440 रुपये 10 बाने, हो बहु घन और बयाज की दर बताओ।

 क) सिद्ध करो कि चरि एक त्रिमुत और एक धायन एक ही भाषार पर और एक ही समानान्तर रेलाओं के बीच में स्थित हों, ती जिम्ह का चेत्रकल भावत से भाषा होता है।

▶) ∧ ABC # BC qr AD sree गिराका गया है। BD वर स्रावत BDAL और DC पर शायन DCMA बना कर मित्र करो कि



 $\triangle ABC = \frac{1}{2} \operatorname{strate} LBCM.$ एड समानाम्नर चनुभूति का भाषार उसकी डॉबाई से दुगना है धीर उसका चंत्रकत 1250 वर्ग कर है। बाबार की बाबाई

अराज करते । a) (0) 26+ (22+ 2/22+ 7/22+ 2/6 18) 28+ " "+ 1 | पर

(14) उ.ट - ८४ + 3, ४४ + 5, श्रीर 7४ - 2 का गुणमक्क विश्वार है =) इस क्री---

 $(a) = (3 - \frac{8}{4}) - \frac{3}{4}(7 - \frac{3}{4}) = 15(\frac{1}{4} - \frac{3}{44})$

(5) 6y-x=1 2(x+y)-3(x-y)

(c) 4x2 - 1 gz +3

।' दी कड़ों नाक्षी कक संख्या संबी के बोल्डम से भ*र्*लों है। वर्षि इसमें स ६८ वरा हैं तो चंदी के त्यान वहच हुन्ते हैं। वर् र्धस्या जान को ।

(१०) रमेग प्रातः काल 7 कले एक न्यात को भीर चल दिया, भीर महेरा 9 कते (धर्यांच् 2 घरटे परवात उसी न्यात की कीर चल पदा। पाँद रमेशा की प्रति घरटा चाल 6 मील ही चीर महेरा की चाल 10 मील, तो सेरायित कता कर ज्ञात करी कि महेरा, रमेश की कर पहर सेगा।

पत्र ५

- (5) एक घोड़ा 400 रुपये से केपते से कुछ हार्ति होती है, भीर 500 रुपये से देखने से उस हार्ति के हैं के बराबर 'लाभ होता है। घोड़े का कप सूच्य बताधी।
- (२) A एक काम को उतने हो। दिन में कर सकता है जितने दिन में B चीर C मिल कर कर सकते हैं। यदि A चौर B मिलकर उस काम की 10 दिन में कर सकें चीर C फरेबल 50 दिन में,
- तो B भ्रदेश ही उस काम को दिवने दिन में बर सेगा।

 (१) A, B भीत C एक स्वापार में साम्ती हैं भीर उनकी पृश्चियों

 में र्रे: र्रे: र्रेडर भनुतात है। A भ्रदनी भाषी पृश्ची रे मास

 परचान निकास सेता है भीर हसके S मास परचान 1604 पोंड

 का साम होता है। स्वाभी A की क्या मिलेगा।
 - (४) सिट क्रो कि यदि दो समानान्तर चतुर्भुं व एक ही काचार पर स्थित हो क्षीर उनको जैवादमी समान हो, तो वे क्षेत्रफल में
 - बराबर होते हैं।

 र सिख को कि यदि हो स० च समान भाषारों पर भीर पुरू ही
 समानान्तर रेखाची के बीच मा तथ्यत हो तो उनक चे यक्तव बराबर होते हैं।

मल गणित

नवर्में धादमी का चन्दा मित्राने से चन्द्रे का ग्रीयट 5 शि 3} पै वर गया। बनाधी नवमें बादमी ने कितना चन्द्रा दिया।

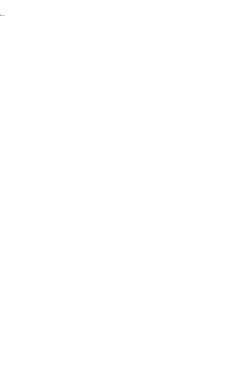
- वरि साधारण बवाज से 450 रुपये का मिश्रधन 4 वर्ष में 540 रुपये हो आय. तो 5 वर्ष में इसी दर से कितनी रकम का मिश्रयन 637 रुपये 8 चाने ही जायगा।
- W) सिद्ध करो कि यदि दो त्रिभुजों के बाधार समान की चौ। उनकी ऊँचाइयाँ भी समान हों, तो वे चेत्रफल में समान होते हैं।
- निश्च करी कि जिम्ज की अध्येक माध्यिका (median) +) उसके दो बराबर भाग कर देती है।
- ६) एक कमरा 23 फुट 6 इ'च सन्दा चीर 15 फुट 9 इ'च चौदा है। उसमें ऐसी दरी विद्यानी है कि बमरे की दीवारों के पास चारों भोर 15 है व भौदा उपान्त (margin) हुटा रहे । यदि एक वर्ष गृह दरी का दाम 16 हिं। 8 वें हो धोर उपान्त पर रंग करवाने का सर्च 4 पैंस मति वर्ग फट हो सो कत खर्च जात करो।
- ग्यनसम्बद्ध करोः—
 - - (a) x3y-4xy3 (b) $x^2 + 2ax - bx - 2ab$
-) हल करोः--
 - (a) $\frac{y+5}{4} \left(\frac{14-y}{1} \frac{1}{1}\right) \frac{2y-7}{1}$
 - (b) x + y 1 = 0 (x 2y + 0) = 0(c) 3 4x 4x*
- पुसी दो सल्याण जात करी कि उनका बोगफल उनके

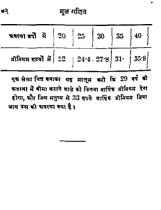


) गुणनसक्द करो — (a) (a+2512-18-1 (b) x1-(25-3c)1 (c) $(3x+7y)^2-(2x-3y)^2$ =) इल करो⊸ (a) $(x-\frac{1}{2})^3-(x-\frac{3}{2})^3-x+2$ (b) $\frac{5}{2} + 3y = 8$, $\frac{4}{2} - 10y = 56$ (c) $26x - 21 + 8x^3$ i) एक मनुष्य ने 10S मीज की यात्रा की । यदि वह 2 मीज प्रति र्घटा प्रधिक चलता, तो इस यात्रा में 🛂 बंदे कम सगते। बनाको बद्द प्रति घंटा किनने मील खला। े एक दर्जन संगतरे 6 भाने के मिलते हैं। इस भाव को सेसा वित्र द्वारा पड़ट करो, चौर लेखा वित्र में दिखाओ :---(a) 11 थाने 6 पाई के कितने संगतरे मिलेंगे ? (b) 31 दर्भन स^{*}गतरे कितने के मिखेंगे ? पन्न ० । एक क्यापारी इर एक वस्तु पर उसके क्रय मूक्य से 25% क्रथिक मुक्य जिल देता है भीर भएने बाहकों को प्रसन्त करने के जिये बिसे हुए मृत्य में से 10% घटा देवा है। बताधी वह किउने प्रतिशत साभ उठावा है। A थीर B एक काम को 18 दिन में कर सकते हैं, B धीर C 12 दिन में, चौर C चौर A 24 दिन में। बनाधो A चडेजा ही उस काम को कितने दिन में कर सकता है। माधारण क्याञ की दर एक रुपया 🤥 धाने सैंक्झा प्रति मास है। 15(8) रुपये का 2 क्षप्रं 5 मास क) स्याज सहाजनी रीति

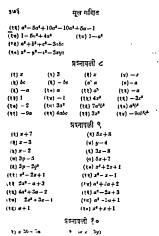
डारा जात करो

मल गणित









4 24 5 4

e" 30 20 7r

t See to 2ch



(1)(x+y)(x-y)

(1) (p+2q)(p-3q)

 $(2): x^2 + 2a)(x^2 - 2a)$

(9) (2+5m)(2-5m)

(£) $(10+p^2)(10-p^2)$

(22)(x+y+z)(x-y-z)

(14) (pq2+11)(pq2-11) (2x)(x+1)(x-1)

(18) [* + *] [* - *]

 $(1 <) (6x + 7p^2)(6x - 7p^2)$ (18) (10p1+3q2)(10p2-3q2) (Po) (+ + + + + +) (+ + - + +)

(1)(x+6)(x+7)

(k)(x+12)(x+6)

(a) (x-13)(x-9)

(t) (a + 13)(a - 8)

(11) (a+12)(a-9)

(23)(p+13)(p-12)

(22)(a-13)(a+11)

(16)(1-15x)(1-4z)

(20)(x+15)(x-7)

* (1) (x+13)(x+5)

मूल गणित

- प्रश्नावली १६ (3) (a-13)(a-5)

(3)(2a+b)(2a-b)

(8) (6pq + 1)(6pq - 1)

(t+) (4+b+e)(4+b-e)

 $\{22\} (p+q-r)(p-q+r)$

(1X) [+ 9] [+ 9]

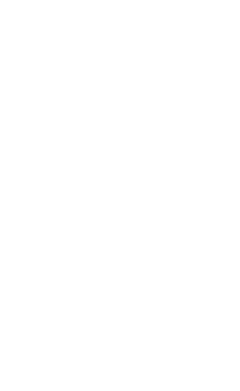
(19) (1+12a*)(1-12a*)

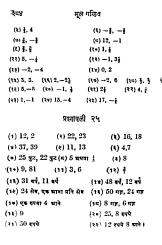
(=) (3a+7)(3a-7)

- (x)(p-9)(p-6)(4)(x+13)(x+7)
- (e) (x+8)(x+13)
- (> a) (x+9).x+12)
- (x+12)(x+15)
- (2x)(a-15)(a+12)
 - 25) (a 16)(a + 15)
- 1/3 : (a 30)(a + 4)
- Rollit nlant 1 + 2a)









जाँच पत्र (प्रथम खराड)

6. ;. -;

```
एइ १
(1) x4+2x3y3-4x3y4+9.6
                                  (t) (t) (x+4)(x-b) = (ax-b)(ax-b)
                                  (v) (v) -2. (a) 7.5 (a) 5 a
                               (t) 27 g.z
                                                                                                                                                                                                                                                                                                  পর ২
                            (t) a*+225.4 211.
                         (*) (*) (2r-3z) (v-21) (** (a+t+c)*,
                                                           (n) (4a* + 9x*) (2a - 3r) (24 - 3z .
                         (1) 23
                      (v) (v) (v) \in (v) \in (v) \in (v) \times (v
                   (8) 23, 16,
                                                                                                                                                                                                                                                                                         पुत्र ३
                   R) 227-2 144
                   (8) (4) (0:24 1: 10:4-11 (0:4-1)
                                                      (et) 1 412- 11 121 - 1 121-11
                                                      (4) 12-421 +11-2-- 21- 11
```

(e) 2 (14 - 2) (14 - 2

1 44 872 . 878





प्रवनावली ३६ (१) केवल 8 से (२) केवदा 5 से

मन्त्र गणियः

(३) वेदल 8 और 12 से (४) केदल 5, 8, 10 में

355

(∤) ਵੇਕੜ 5. 10 ਦੇ (६) देवज 5 से

(७) देवल 5 घीर 15 से (म) केवज़ 5, 10, 11 से

(६) केवस 5, 11, 15 से (१०) केवस 5 से

(22) 6 12 a (22) 6, 12 a

(१३) 6 1.2. 20 से (१४) केवल 6 से

(१४) 6 फीर 12 से (१६) 13×3×3

(2m) 17 × 17 (2m) 5* (28) 2×5×89

(30) 2 × 13 × 29 (32) 5×5×3×13

(33) $2 \times 3 \times 5 \times 41$ (33) $2^{5} \times 3 \times 5^{6}$

(२४) 31 सभाज्य सहया है (२४) 3 × 3 × 11

(35) 11 x 11 (30) 3 x 107

(35) 34× 11

(36) 2 × 3 × 3 × 7 × 11 × 13 (30) 7×11×13×17 (32) 3, 1:4, 8, 5, 5:7, 2

(\$2) 91 × 92 × 93 (88) 414

(20) 5 (3=) 7, 13, 17, 23

(\$5) a=7, b=6 (ve) 3432

प्रश्नावली २७

(2) 24 (2) 32

(9) 36 (Y) 45

(2) 44 18 54

feet fee. 10:124

121 25 × 11111

> 2 2 3.14 3.3,15.7,7,6

DEN 2 2 6 2.5 (AST 5)



३६०	मूल गरिएव		
(Re) 1.7320	(31) 2-2360		
(28) 26457	(33) 19486	(**) ·3478	
(₹₹) 7.9056	(२६) 110 गह	'२०) 3 रुपये 8 व	
(२=) 137 रपये	8 थाने (२३) 151	(३०) 15 मिनट	
(३1) 7 सज़ 1 व	हद (१ २) 11	(33) 21	
(38) 6467		(34) 261	
(%) 108			
	प्रश्नावली ३	•	
(1) 17	(%) 19	(a) 23	
(v) 27	(+) 31	(*) 36	
(*) 45	(=) 80	(4) 89	
(10) 105	(11) 900	(13) 1405	
(11) 3	(1v) 3·2	(12) 75.1	
	प्रश्नावली ३	?	
(1) 12 বৰ্ণ	(*	(২) 27 হৃদ্ধ ৪ আন	
(3) (5) 220,	(eq) 21, (rt) 3 4	(४) 4 रुपये	
(₹) 4.9 सह	ह (६) 99 25 स गभय		
(७) एक शिक्षिम	3;10 TR (E)	101 9	
(द) 12 वर्ष ६ :	महीने ा∙)59	
(3+) 19	12	[अ रूपये	
ं १३ 25 € क्रीन	14	, 3 <u>4</u>	
ne 1249	ा≒ः 70 वीड		
ারক বিচর্ম চ	⊩साम 1⊏।4. 9 ट7.ईच		
(11) ≟ क्ये	> • }	156 रुपये	



मुल गुलित 115 (२०) 555 वीच 19 शिक्षिय, 377 , 6 ,, 282 , 10 , 6 der 1 (२1) 163 चपवे 8 बाने, 327 चपवे, 981 दावे २२) खबड़ों को 22 दबवे, स्त्रियों को 44 दबवे, पुरुषों को रुपये । (41) 23166, 15111, 11583, 23166, 60198 and (२७) 100, 296, 221, 160, 80 हवरे (34) 195, 195 1155 with (*4 245, 196, 140 dix : (**) 8\\\ ... (14) 5 16 35) 230 STSS रका 2625, 2100, 1120, 200 और प्रकासकी प्रद 197 रवय 2 साने, 259 हवये 6 साने 🕩 105, 150 बीह 1 2332 rat 6 ma 9 ml विभिन्न करते विकास करते वर्त 3447 कार्य 5 बार्य 11 वार्ड (क) 1100 करते 12 कारे 1 वर्त 530 क्या | कामा 3 कार्र 1664 हमते । बाला () बार्ट 71 1 877 1 W:4 5 475 eng gren ibne nat





पत्र =

(१) 3 हारे (२) 100 वींट 5% पर, 150 वींट 6% पर (१) 384 रुपये (४) 20 (१) १३ धंटे

(र) A चौर B को प'तो कमराः 1800 पींट चौर 1200 पींट। पत्र ९

(1) 54 (२) 17 रुपये 13 धाने 7 पाई सगभग (1) 1635 (v) 1920

(t) 40 (4) 35, 28, 20 पत्र १०

(1) 19 av

(₹) SS रुपये 5 बाने 7 पाई सगभग

(1) 70 die (४) 12 रुखे 4 धाने मन

(१) शाम के 7 बजे

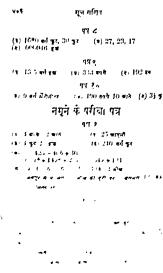
(६) A. B. C का क्रमराः किशापा = 3 भीड 3 शिक्षिण. 7 चौक्र

16 शिलिंग, 18 पीड

प्रश्तावली १८७

(1) 115° (२) 85°, (२) 50°, 130° (१) 60°, 120°, 60° (१ 18°, 60° (६) 120° को समाराज्य बुमुख (८ सायत १ वर्ग (१) समझन्य (1) समायुक्तुंब १२) दवंग (१००)

पार इसी ८८



```
च्चर माला
  (1) 2 पौर 16 शिव 13 देस (२) 32 दिन, 300 पौर
  (३) २०० रुपये, २५० रुपये, १०० रुपये।
  (*) (a) 66. (b) (x+3) (x+8)
                       (e) 1150 £44
 (a) (a) 2. (b) 2\frac{\pi}{1}, -12. (c) -4, -\frac{\pi}{3}.
 (१) 110 पुर, 50 पुर (१०) 4 रुपये (सगमग)
(1) 37044
                         पग ध
(१) 375 रुपये, 31ुद्ध
                              (2) 650
(•) (i) x^3 + \frac{3x}{4} + \frac{5}{4} (ii) 84x^4 + 25x^3 + 101x - 30
\mathbf{r}_{i} (a) 8. (b) 5,1. (c) i_{0}, -\frac{1}{2}.
                          (10) 12 南京
```

) 460 eqq पत्र ५) 560 चों**ट**

(२) 25 दिन में $(a) \ 6x^2 - xy - y^2$. (६) 131 वर्ग कुट 60 वर्ग इछ (a) 3_{i_1} (b) $\frac{1}{2}$ (c) $\frac{1}{3}$, $\frac{1}{4}$ (b) 7 वीह 8 शिलिंग 2700 पांड, 9 चारमी (१०) सन् 1900 में 1

l3 भान, 1ं धाने पत्र ६ 111 744 ै । पाँड 10 शिव 10 वैस र ^{ु.} पौंद । शिट ५ पैस

11 1+2, 1--10 12 1+3111-) E 1 . Ste 12

